बैशाख कृष्ण पक्ष चतुर्दशी
विक्रम संवत 2081

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

मंगलवार, 7 मई 2024
वर्ष-2, अंक-256, पृष्ठ-14
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य- 5 रुपये

अमृत विचार

कानपुर
एक सम्पूर्ण अखबार

www.amritvichar.com

सुदूर अंतरिक्ष में आश्चर्यजनक ग्रह की खोज 14

हीरा मंडी का हीरा नकली और मंडी अश्लील 2

एक नजर

गिरफ्तारी के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचे सोरेन

नई दिल्ली। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कथित भूमि घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा अपनी गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका राज्य उच्च न्यायालय द्वारा खारिज किए जाने के बाद सोमवार को उच्चतम न्यायालय का रुख किया। सोरेन की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन न्यायाधीशों की पीठ के समक्ष मामले का उल्लेख किया और उसे तत्काल सूचीबद्ध करने का अनुरोध किया। सोरेन को 31 जनवरी को गिरफ्तार किया गया था।

सुप्रीम कोर्ट से उमर अंसारी को अग्रिम जमानत

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने दिवंगत गैंगस्टर-नेता मुख्तार अंसारी के बेटे उमर अंसारी को 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के दौरान दर्ज आदर्श आचार संहिता के कथित उल्लंघन के मामले में सोमवार को अग्रिम जमानत दे दी। न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय और न्यायमूर्ति पी के मिश्रा की पीठ ने उमर अंसारी से मामले के सिलसिले में निचली अदालत में पेश होने को कहा जो जमानत पर रिहा करेगी। सुनवाई के दौरान उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता गरिमा प्रसाद ने कहा कि अंसारी मामले में निचली अदालत में पेश नहीं हो रहे हैं।

यूपी बोर्ड : इंप्रूवमेंट परीक्षा के लिए आवेदन आज से

लखनऊ। यूपी बोर्ड हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षा दे चुके छात्रों के लिए इंप्रूवमेंट और कंपार्टमेंट परीक्षा के लिए आवेदन प्रक्रिया 7 मई से शुरू हो जाएगी। आवेदन की अंतिम तिथि 31 मई की रात्रि 12 बजे तक है। माध्यमिक शिक्षा परिषद ने सोमवार को आवेदन से लेकर परीक्षा तक पूरा ब्योरा जारी कर दिया है। इच्छुक छात्र-छात्राएं अपना आवेदन बोर्ड की वेबसाइट upmsp.edu.in पर जाकर कर सकते हैं।

खेद प्रकाश

पांच मई के अंक में अमिताभ बच्चन के चित्र की जगह उनके डुप्लीकेट का चित्र प्रकाशित हो गया था। इस मानवीय चूक के लिए हम खेद व्यक्त करते हैं। - **संपादक**

भारत के सेवा क्षेत्र की वृद्धि 14 वर्ष के उच्चतम स्तर पर

नई दिल्ली, एजेंसी

- अनुकूल आर्थिक परिस्थितियों का मिला लाभ

भारत में सेवा क्षेत्र की गतिविधियां अनुकूल आर्थिक परिस्थितियों और मजबूत मांग के दम पर अप्रैल में 14 वर्ष के उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं। एक मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई है।

मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया भारत सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक मार्च में 61.2 थी जो अप्रैल में गिरकर 60.8 हो गई। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार से और 50 से कम अंक का आशय संकुचन से होता है। एचएसबीसी के मुख्य अर्थशास्त्री (भारत) प्रांजुल भंडारी ने कहा कि अप्रैल में भारत की सेवा गतिविधियों में थोड़ी धीमी गति से वृद्धि हुई, जिसे घरेलू मांग में उल्लेखनीय मजबूती के साथ नए ठेकों और वृद्धि का समर्थन मिला। घरेलू मांग में तेजी के अलावा, कंपनियों ने दुनिया के कई हिस्सों से नए कारोबारी लाभ का भी उल्लेख किया।

सीआईएससीई के नतीजे : लड़कों से आगे निकलीं लड़कियां

नई दिल्ली, एजेंसी

10वीं, 12वीं कक्षा में उत्तीर्ण प्रतिशत बढ़ा, जारी नहीं होगी मेधा सूची

- 10वीं कक्षा : 99.31 प्रतिशत लड़के, 99.65 प्रतिशत लड़कियां सफल
- 12वीं कक्षा : 97.53 प्रतिशत लड़के, 98.92 प्रतिशत लड़कियां उत्तीर्ण

'काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन्स' (सीआईएससीई) की 10वीं और 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाओं के सोमवार को सुबह घोषित नतीजों में लड़कियों ने लड़कों से बाजी मारी, जबकि दोनों कक्षाओं के लिए उत्तीर्ण प्रतिशत में वृद्धि दर्ज की गई। बोर्ड ने छात्रों के बीच अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा से बचने के लिए मेधा सूची जारी करने की प्रक्रिया इस साल से बंद कर दी है।

सीआईएससीई के एक अधिकारी ने बताया कि 99.47 प्रतिशत छात्रों ने 10वीं कक्षा की परीक्षा में सफलता हासिल की, जबकि 98.19 फीसदी छात्रों ने 12वीं कक्षा की परीक्षा पास की। पिछले साल 10वीं कक्षा के लिए पास प्रतिशत 98.94 प्रतिशत और 12वीं कक्षा के लिए 96.93 प्रतिशत दर्ज किया गया था।

सीआईएससीई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और सचिव जोसेफ इमैनुअल ने कहा कि 10वीं कक्षा में 99.31 प्रतिशत लड़के पास हुए, जबकि 99.65 प्रतिशत लड़कियों ने सफलता हासिल की। इसी तरह, 12वीं कक्षा में लड़कों का पास प्रतिशत 97.53 रहा, जबकि लड़कियों का पास प्रतिशत 98.92 प्रतिशत रहा। उन्होंने कहा कि हमने बोर्ड परीक्षाओं के लिए मेधा सूची जारी करने की प्रक्रिया भी इस साल से बंद कर दी है। इस कदम का उद्देश्य छात्रों के बीच अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा से बचना है।

आईसीएसई परीक्षाएं 21 फरवरी को शुरू हुईं और 28 मार्च को 18 दिन में खत्म हुईं। आईएससी परीक्षा (12वीं कक्षा) 47 लिखित विषयों में कराई गई, जिनमें से 12 भारतीय भाषाओं, चार विदेशी भाषाओं और दो शास्त्रीय भाषाओं में थी। आईएससी परीक्षाएं 12 फरवरी को शुरू हुईं और चार अप्रैल को खत्म हुईं।

कुल 2,695 स्कूलों के अभ्यर्थी 10वीं कक्षा की परीक्षा में बैठे और 82.48 प्रतिशत (2,223) स्कूलों का उत्तीर्ण प्रतिशत 100 रहा। बारहवीं कक्षा के लिए कुल 1,366 स्कूलों के अभ्यर्थी बैठे और 66.18 प्रतिशत (904) स्कूलों का उत्तीर्ण प्रतिशत 100 रहा। दसवीं कक्षा की परीक्षा में 2.43 लाख से अधिक उम्मीदवार बैठे थे, जबकि 12वीं कक्षा की परीक्षा में 99,901 छात्र बैठे।

विदेशी स्कूलों ने भी किया बेहतर प्रदर्शन

दसवीं कक्षा में इंडोनेशिया, सिंगापुर और दुबई के स्कूलों ने विदेश में सबसे अच्छा प्रदर्शन किया, जहां पास होने का प्रतिशत 100 रहा। बारहवीं कक्षा में सिंगापुर और दुबई के स्कूलों ने विदेश में सबसे अच्छा प्रदर्शन किया। आईसीएसई परीक्षा (10वीं कक्षा) 60 लिखित विषयों में कराई गई थी, जिनमें से 20 भारतीय भाषाओं, 13 विदेशी भाषाओं और एक शास्त्रीय भाषा में थी।

दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल के खिलाफ एनआईए जांच की सिफारिश

आतंकी संगठन सिख फॉर जस्टिस से धन प्राप्त करने के आरोप में एलजी ने उठाया कदम

नई दिल्ली, एजेंसी

- आम आदमी पार्टी ने मामले को साजिश बताया, मंत्री सौरभ ने दिल्ली की सभी सीटों पर भाजपा की संभावित हार की बौखलाहट कहा

दिल्ली के उप राज्यपाल (एलजी) वीके सक्सेना ने प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन 'सिख फॉर जस्टिस' से कथित तौर पर धन प्राप्त करने के मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ एनआईए जांच की सिफारिश की है।

यह जानकारी राजभवन सूत्रों ने दी। वहीं आप नेता और दिल्ली के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि यह भाजपा के इशारे पर केजरीवाल के खिलाफ एक और साजिश है। क्योंकि भाजपा दिल्ली की सभी सात सीट हार रही है। भाजपा नेता लोकसभा चुनाव में हार के डर से घबराए हुए हैं।

केंद्रीय गृह सचिव को लिखे पत्र में उप राज्यपाल के सचिवालय ने कहा कि सक्सेना को शिकायत मिली थी कि केजरीवाल के नेतृत्व वाली आप को कथित तौर पर देवेन्द्र पाल भुल्लर की रिहाई के लिए चरमपंथी खालिस्तानी समूहों से 1.6 करोड़ डॉलर की वित्तीय मदद मिली थी। अमृतसर केंद्रीय कारागार में बंद भुल्लर को 1993 में दिल्ली में एक बम विस्फोट में नौ लोगों की हत्या के मामले में दोषी ठहराया गया था। उसे 25 अगस्त, 2001 को टाडा अदालत द्वारा मौत की सजा सुनाई गई थी। सुप्रीम कोर्ट द्वारा उसकी मौत की सजा को कम किए जाने के बाद से वह आजीवन कारावास की सजा काट रहा है।

सक्सेना ने कहा कि शिकायतकर्ता द्वारा दिए गए इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के फॉरेंसिक परीक्षण सहित जांच की आवश्यकता है। केजरीवाल दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन मामले में तिहाड़ जेल में बंद हैं।

सूत्रों ने कहा कि शिकायत खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू द्वारा जारी किए गए एक वीडियो से संबंधित है। जिसमें उसने आरोप लगाया कि केजरीवाल के नेतृत्व वाली आप को 2014 और 2022 के बीच खालिस्तानी समूहों से 1.6 करोड़ अमेरिकी डॉलर मिले। उप राज्यपाल को दी गई शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि केजरीवाल ने 2014 में न्यूयॉर्क के गुरुद्वारा रिचमंड हिल्स में खालिस्तानी नेताओं के साथ बंद कमरे में बैठकें की थीं। केजरीवाल ने आप को पर्याप्त वित्तीय सहायता के बदले में भुल्लर की रिहाई में मदद का वादा किया था। शिकायत में कहा गया है कि सोशल मीडिया पर सिलसिलेवार पोस्ट में आप के एक पूर्व कार्यकर्ता मुनीश कुमार रायजादा ने खालिस्तानी नेताओं के साथ केजरीवाल की मुलाकात की कथित तस्वीरें साझा की थीं।

अंतरिम जमानत देने पर विचार करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट मंगलवार को इस बात पर विचार करेगा कि मौजूदा लोकसभा चुनाव के मद्देनजर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को अंतरिम जमानत दी जाए या नहीं। सुप्रीम कोर्ट मंगलवार को आबकारी नीति से जुड़े धन शोधन मामले में केजरीवाल की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली उनकी याचिका पर सुनवाई करेगी। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ पहले मामले के रूप में आम आदमी पार्टी नेता की याचिका पर सुनवाई करेगी।

रांची में ईडी का छापा, बेहिसाब नकदी और आभूषण बरामद

रांची, एजेंसी

छापे के दौरान बरामद नकदी गिनते ईडी कर्मी। • एजेंसी

- मंत्री के निजी सचिव के घरेलू सहायक के घर की छानबीन
- 20 से 30 करोड़ की नकदी गिनने में लगाई गईं आठ मशीनें

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को झारखंड के मंत्री आलमगीर आलम के सचिव से कथित रूप से जुड़े एक घरेलू सहायक के परिसरों की तलाशी के दौरान 20-30 करोड़ रुपये की बेहिसाबी नकदी बरामद करने का दावा किया। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय एजेंसी ने कुछ अन्य परिसरों की तलाशी में अलग से करीब तीस करोड़ रुपये नकद बरामद किए। सूत्रों द्वारा साझा किए गए वीडियो और तस्वीरों में एजेंसी के अधिकारी यहां गाड़ीखाना चौक पर एक इमारत में स्थित एक कमरे में बड़े बैग से नोटों की गड्डियां निकालते हुए दिखते हैं। इस दौरान केंद्रीय बलों के कुछ सुरक्षाकर्मी भी दिखाई देते हैं। जिस स्थान से नकदी बरामद की गई है, वहां कथित तौर पर झारखंड के ग्रामीण विकास मंत्री आलम के निजी सचिव संजीव लाल का एक घरेलू सहायक रहता है।

आलम ने संपर्क किए जाने पर कहा कि मुझे अभी तक इस संबंध में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा कि मैं टीवी देख रहा हूं और इसमें बताया जा रहा है कि यह परिसर सरकार द्वारा मुझे मुहैया कराए गए आधिकारिक पीएस (निजी सचिव) से संबंधित है। आलम (70) कांग्रेस के नेता हैं और झारखंड विधानसभा में पाकुड़ सीट का प्रतिनिधित्व करते हैं।

ईडी के सूत्रों ने कहा कि नकदी गिनने के लिए नोट गिनने वाली आठ मशीन लगाई गई हैं, ताकि बरामद की गई रकम का पता लगाया जा सके। उन्होंने कहा कि यह राशि 20-30 करोड़ रुपये के बीच हो सकती है। सूत्रों ने कहा कि बरामद की गई नकदी में मुख्य रूप से 500 रुपये के नोट हैं और कुछ आभूषण भी बरामद किए गए हैं। सूत्रों ने बताया कि अभियान के तहत कुल छह परिसरों की तलाशी ली जा रही है और एजेंसी ने एक परिसर से 2.93 करोड़ रुपये तथा एक अन्य परिसर से 10 लाख रुपये बरामद किए हैं। उन्होंने बताया कि नकदी में मुख्य रूप से 500 रुपये के नोट हैं और कुछ आभूषण भी बरामद किए गए हैं।

धनशोधन के मामले से जुड़ी है छापेमारी

यह छापेमारी ग्रामीण कार्य विभाग के पूर्व मुख्य अभियंता वीरेंद्र कुमार राम के खिलाफ धनशोधन के मामले से जुड़ी है, जिसे ईडी ने पिछले साल गिरफ्तार किया था। एजेंसी ने पिछले साल जारी एक बयान में आरोप लगाया था कि रांची में ग्रामीण कार्य विभाग में मुख्य अभियंता के रूप में तैनात वीरेंद्र कुमार राम ने ठेकेदारों को निविदा आवंटित करने के बदले में उनसे रिश्वत के नाम पर अवैध कमाई की थी।

राम विरोधी हैं सपा-कांग्रेस : योगी

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

मंच पर सीएम योगी आदित्यनाथ व प्रत्याशी साक्षी महाराज के साथ अन्य भाजपा नेता।

- भगवंतनगर की जनसभा में बोले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

अमृत विचार : एक समय था जब हमारे युवाओं के हाथ में तमंचा होता था और आज उनके हाथ में टैबलेट है। देश से आतंकवाद का खात्मा हो चुका है। कश्मीर चैन की नींद सो पाता है। जो राम का नहीं है वह हमारा भी नहीं हो सकता है। सपा-कांग्रेस का इतिहास रहा है राम का विरोध करना। कभी भी सपा-कांग्रेस पर विश्वास मत करना। यह बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को उन्नाव के भगवंतनगर विधानसभा क्षेत्र में जनसभा को संबोधित करते हुए कहीं।

योगी ने भगवंतनगर स्थित आरआरबीएन इंटर कॉलेज में सभा कर उन्नाव से भाजपा प्रत्याशी साक्षी महाराज के पक्ष में वोट करने की अपील की। सीएम ने पहले बक्सर स्थित सिद्धपीठ मां चंद्रिका देवी को नमन किया। इसके बाद कलम व तलवार की धनी धरती बताते हुए यहां के साहित्यकारों को नमन किया। उन्होंने कहा कि कश्मीर में 370 हटने के बाद वहां शांति हो गई है। कांग्रेस-सपा हमेशा से राम की विरोधी रही हैं। इससे पूर्व सीएम का हेलीकाप्टर क्षेत्र के हटिया मेला मैदान पर उतरा। जहां उनका स्वागत पार्टी प्रत्याशी के अलावा अन्य जनप्रतिनिधियों ने किया।

नड्डा, मालवीय और विजयेंद्र के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

- सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर कांग्रेस ने की थी शिकायत

बेंगलुरु। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, आईटी प्रकोष्ठ प्रमुख अमित मालवीय और कर्नाटक इकाई प्रमुख बीवाई विजयेंद्र के खिलाफ सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर प्राथमिकी दर्ज हुई है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि इन नेताओं पर विशेष उम्मीदवार को वोट न देने के लिए एससी/एसटी के सदस्यों को डराने-धमकाने वाले पोस्ट के संबंध में प्राथमिकी दर्ज हुई है।

कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने आदर्श आचार संहिता के कथित उल्लंघन के लिए रविवार को निर्वाचन आयोग तथा पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके बाद कार्रवाई हुई। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि भाजपा नेताओं पर जनप्रतिनिधि और आईपीसी की धारा 505 (2) (विभिन्न वर्गों के बीच शत्रुता, घृणा को बढ़ावा देने वाला बयान देना) के तहत मामला दर्ज हुआ है। शिकायत में कर्नाटक प्रदेश भाजपा के अकाउंट से 'एक्स' पर पोस्ट वीडियो का हवाला दिया गया।

राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी सुमनदीप ने की आत्महत्या

पटियाला, एजेंसी

- भाई-भाभी से झगड़े के बाद भाखड़ा नहर में कूदी महिला खिलाड़ी
- पिता ने पुलिस थाने में दर्ज कराई बेटे और बहू के खिलाफ शिकायत

राष्ट्रीय स्तर की हॉकी खिलाड़ी सुमनदीप कौर ने कथित तौर पर अपने भाई और भाभी से झगड़े के बाद पंजाब के भाखड़ा नहर में कूदकर अपनी इहलीला समाप्त कर ली। पुलिस ने सोमवार को बताया कि उसके पिता की शिकायत पर भाई और भाभी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

सुमनदीप के पिता जसपाल सिंह ने पुलिस को बताया कि उनकी बेटी पंजाब यूनिवर्सिटी में एमए की पढ़ाई कर रही थी। वह अपने बेटे विक्रमजीत सिंह और उसकी पत्नी पिंकी की ओर से सुमनदीप के साथ किए गए दुर्व्यवहार से व्यथित हैं। पुलिस ने बताया कि शिकायत पर सुमनदीप के भाई को गिरफ्तार कर लिया गया है जबकि पिंकी की तलाश की जा रही है। पुलिस ने बताया कि भाखड़ा नहर से सुमनदीप का शव बरामद कर लिया है तथा मामले की जांच की जा रही है।

सपा ने श्यामलाल पाल को बनाया नया प्रदेश अध्यक्ष

- लोकसभा चुनाव के बीच हटाए नरेश उत्तम पटेल

लखनऊ। समाजवादी पार्टी ने लोकसभा चुनाव के बीच एक बड़ा निर्णय लेते हुए नरेश उत्तम पटेल की जगह पार्टी के वरिष्ठ नेता श्यामलाल पाल को प्रदेश अध्यक्ष बनाया है। पार्टी ने इस पद पर बदलाव सात साल बाद किया है। साल 2017 में तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष शिवपाल यादव को हटाने के बाद नरेश उत्तम को प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई थी।

सपा प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी पर बदलाव के पीछे नरेश उत्तम पटेल का फतेहपुर सीकरी लोकसभा सीट से चुनाव लड़ना भी वजह है। ऐसे में वह अपने चुनाव पर पूरा ध्यान केन्द्रित कर सकेंगे। श्यामलाल पाल प्रयागराज के निवासी हैं। माना जा रहा है कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव के इस फैसले के पीछे पीडीए यानि पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यकों वाले लक्ष्य को साधना है। पिछले साल ही श्यामलाल को पार्टी की प्रदेश कार्यकारिणी का उपाध्यक्ष बनाया गया था।

मुंबई दंगा पीड़ितों को मुआवजा दे सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी

- निर्देश लागू न करने पर सुप्रीम कोर्ट ने जताई नाराजगी

उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को महाराष्ट्र सरकार से 1992 के मुंबई दंगों में लापता हुए लोगों के परिजनों को मुआवजा देने, मामलों का निपटान सुनिश्चित करने और पुलिस सुधार जैसे अपने निर्देशों को लागू करने को कहा। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने 4 नवंबर, 2022 के अपने फैसले में जारी निर्देशों का पालन न करने पर नाराजगी जताते हुए महाराष्ट्र के पुलिस महानिदेशक और राज्य के गृह विभाग के सचिव को न्यायमूर्ति बीएन श्रीकृष्ण आयोग की सिफारिशों पर गौर करने का निर्देश दिया और इस बारे में एक बेहतर अनुपालन रिपोर्ट दाखिल करने को कहा।

पीठ ने कहा कि राज्य सरकार 19 जुलाई, 2024 तक एक बेहतर अनुपालन रिपोर्ट दाखिल करे। इसने इस मुद्दे पर स्वतः संज्ञान वाली याचिका पर सुनवाई के लिए 26 जुलाई की तारीख निर्धारित की। पीठ ने एक पहलू पर विचार करते हुए कहा कि वर्तमान में राज्य बल में 2.30 लाख पुलिसकर्मी हैं और उनके लिए आवास इकाइयों का निर्माण करना प्रशासन का दायित्व है।

तीसरे चरण की 10 सीटों पर मतदान आज

लखनऊ, अमृत विचार। प्रदेश में तीसरे चरण की 10 सीटों पर मतदान सात मई को होगा। इस चरण में कुल 100 प्रत्याशी मैदान में हैं, जिनमें आठ महिला प्रत्याशी भी शामिल हैं। एक करोड़ 89 लाख 14 हजार 788 मतदाता हैं, जिसमें एक करोड़ एक लाख 44 हजार 345 पुरुष व 87 लाख 69 हजार 696 महिला व 747 थर्ड जेंडर शामिल हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि सम्भल, हाथरस (अजा), आगरा (अजा), फतेहपुर सीकरी, फिरोजाबाद, मैनपुरी, एटा, बदायूं, आंवला व बरेली लोकसभा सीटों पर मतदान होगा।

खेती-किसानी

पंतनगर विश्वविद्यालय की बायो कंट्रोल प्रयोगशाला ने ईजाद किए चार जैव नियंत्रक अभिकर्ता

कीटनाशकों से नहीं अब जैव नियंत्रकों से समृद्ध होगी खेती

मृगांक मौली, पंतनगर

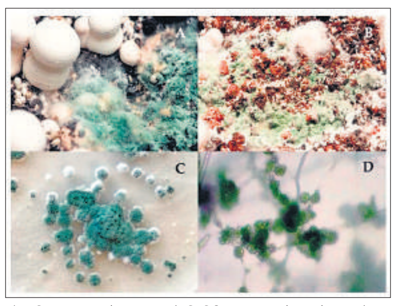

जैव नियंत्रण प्रयोगशाला में निर्मित चार बायो कंट्रोल एजेंट।

अमृत विचार : फसल में लगने वाले कीटों के लिए कीटनाशकों का प्रयोग बीती बात हो चुकी है, अब इनका नाश जीवाणु करेंगे। जीबी पंत कृषि एवं प्रोद्योगिकी विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के पादप रोग विभाग में जैव नियंत्रण परियोजना के तहत जैव नियंत्रण प्रयोगशाला की परियोजनाधिकारी डॉ. रूपाली शर्मा के निर्देशन में वैज्ञानिकों ने चार जैव नियंत्रक अभिकर्ताओं का निर्माण किया है, जिसे पेटेंट भी करा लिया है।

जैव नियंत्रक अभिकर्ता मिट्टी में पाए जाने वाले वह सूक्ष्म फफूंद और जीवाणु हैं, जिनसे पौधों में रोग जनकों का आंशिक या पूरी तरह से विनाश किया जाता है। ये तीन प्रकार से कार्य करते हैं। इनमें परजीविता- जैव नियंत्रक रोग कारक जीव के ऊपर चिपककर उसकी बाहरी परत को कुछ प्रतिजैविक पदार्थों से गलाकर उसमें के सभी पदार्थों का उपयोग कर लेता है, जिससे वह नष्ट हो जाता है। प्रतिजैविकता -इस प्रक्रिया में जैव नियंत्रक प्रतिजैविक पदार्थ उत्पन्न करता है, जो रोग कारकों के लिए विष है। प्रतिस्पर्धा - इसमें जैव नियंत्रक वातावरण में मौजूद पोषक पदार्थों, जल व स्थान के लिए रोग कारकों से स्पर्धा करते हैं। प्रयोगशाला में चार जैव नियंत्रकों पंत बायो कंट्रोल एजेंट-1 (ट्राइकोडर्मा हारजियानम), पंत बायोकंट्रोल एजेंट-2 (स्यूडोमोनास फ्लोरीसेंस), पंत बायो कंट्रोल एजेंट-3 (ट्राइकोडर्मा हारजियानम 2) व पंत बायो कंट्रोल एजेंट-4 (स्यूडोमोनास फ्लोरीसेंस 2) का उत्पादन किया गया है।

ऐसे करते हैं बीजों और पौधों में जैव नियंत्रकों का उपयोग

जैव नियंत्रक के 10 ग्राम पाउडर का पानी में घोल बनाकर बीजों को इसमें डाल देते हैं। बीजों को छाया में सुखाकर बुवाई कर देते हैं। पौध उपचार में पौधशाला से उखाड़कर पौध की जड़ को जैव नियंत्रक घोल में आधा घंटा डुबाते हैं। मृदा उपचार में एक किग्रा. जैव नियंत्रक एक कुंतल सड़ी खाद या कंपोस्ट में मिलाकर एक माह बाद खेत में डालते हैं।

रोग व कीट नियंत्रण के लिए आवश्यक हैं जैव नियंत्रक

रोग व कीट नियंत्रण के लिए रसायनों के प्रयोग ने कृषि उत्पादों की गुणवत्ता कम कर दी है। पौधों में रोगकारकों के प्रति प्रतिरोधक क्षमता घट रही है। साथ ही मिट्टी के उपयोगी सूक्ष्म जीवों की संख्या में कमी आ रही है, जिससे रोगजनकों में वृद्धि हो रही है। जैव नियंत्रक एक बार मिट्टी में स्थापित हो जाता है तो यह स्वयं अपनी कार्यक्षमता बढ़ाता रहता है।

आज का मुकाबला

दिल्ली कैपिटल्स
बनाम
राजस्थान रॉयल्स
शाम 7:30 बजे

पर्पल कैप

खिलाड़ी	मैच	विकेट
जसप्रीत बुमराह (मुंबई)	12	18
हर्षल पटेल (पंजाब)	11	17
वरुण चक्रवर्ती (केकेआर)	11	16

ऑरेंज कैप

खिलाड़ी	मैच	रन
विराट कोहली (आरसीबी)	11	542
ऋतुराज गायकवाड़ (चेन्नई)	11	541
सुनील नारायण (केकेआर)	11	461

भारतीय महिला-पुरूष रिले टीम ओलंपिक के लिए क्वालीफाई

नासाउ (बहामास), एजेंसी

भारतीय महिला और पुरूष चार गुणा 400 मीटर रिले टीमों ने यहां सोमवार को विश्व एथलेटिक्स रिले में दूसरे दौर की हीट में दूसरे स्थान पर रहकर पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर लिया। रूपल चौधरी, एम आर पूवम्मा, ज्योतिका श्री दांडी और शुभा वेंकटेशन की चौकड़ी ने तीन मिनट 29.35 सेकंड का समय लेकर पहली हीट में जमैका (3 : 28 . 54) के बाद दूसरा स्थान हासिल करके पेरिस का टिकट कटाया।

भारतीय टीम रविवार को पहले दौर की क्वालीफाइंग हीट में तीन मिनट 29.74 सेकंड का समय निकालकर पांचवें स्थान पर रही थी। बाद में पुरुष टीम (मोहम्मद अनस याहया, मोहम्मद अजमल, अरोकिया राजीव और अमोल जैकब) तीन मिनट 3.23 सेकंड का समय निकालकर अमेरिका (2:59.95) के बाद दूसरे स्थान पर रही। दूसरे दौर में तीनों हीट से शीर्ष दो टीमों ने 26 जुलाई से 11 अगस्त तक होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए क्वालीफाई किया। महिला टीम का ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करना सुखद आश्चर्य रहा।

पहले दौर में पुरूष टीम रेस पूरी नहीं कर सकी थी क्योंकि दूसरे चरण के धावक राजीव रमेश को मांसपेशी में खिंचाव के कारण बीच में ही बाहर होना पड़ा था। राजीव अरोकिया ने टीम में रमेश की जगह ली और अनस तथा अजमल के बाद तीसरा चरण दौड़े। भारतीय पुरूष टीम तीसरे स्थान पर थी जब आखिरी चरण के धावक जैकब ने अरोकिया से बेटन ली और जबर्दस्त दौड़ लगाते हुए मैक्सिको के प्रतिद्वंद्वी को पछाड़कर दूसरा स्थान हासिल किया। भारत ने चार गुणा 400 मीटर मिश्रित रिले से दूसरे दौर की हीट में नाम वापिस ले लिया क्योंकि रमेश फिट नहीं थे। उन्होंने रविवार को चार गुणा 400 मीटर मिश्रित और पुरूष दोनों वर्गों में भाग लिया था।

मिश्रित रिले का आगाज तोक्यो ओलंपिक से हुआ और भारत ने भी इसमें क्वालीफाई किया था। पहली बार लॉस एंजिलिस में 1984 खेलों में महिला चार गुणा 400 मीटर रिले की शुरूआत के बाद से भारतीय टीम आठवीं बार उतरेगी। वहीं पुरूष टीम चौथी बार भाग लेगी क्योंकि इस वर्ग की स्पर्धा 2000 सिडनी ओलंपिक से ही शुरू हुई है। अब भारत के ट्रैक और फील्ड के 19 खिलाड़ी पेरिस ओलंपिक के लिये क्वालीफाई कर चुके हैं जिनमें भालाफेंक चैंपियन नीरज चोपड़ा शामिल हैं। एथलेटिक्स की स्पर्धाएं एक अगस्त से शुरू होंगी।

सरकार के फैसले पर ही भारतीय टीम जाएगी पाकिस्तान : शुक्ला

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने सोमवार को कहा कि सरकार की अनुमति के बाद ही भारतीय क्रिकेट टीम को पाकिस्तान में अगले वर्ष होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भेजा जाएगा।

बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने आज यहां कहा चैंपियन ट्रॉफी के मामले में हम वही करेंगे जो सरकार हमसे करने को कहेगी। हम अपनी टीम तभी भेजते हैं जब सरकार हमें इसकी इजाजत देती है। हम सरकार के निर्णय के अनुसार चलेंगे। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की मेजबानी पाकिस्तान के पास है।

वानखेड़े में 200 पार नहीं जा सकी हैदराबाद

मुंबई इंडियंस को मिला 174 रनों का लक्ष्य, हार्दिक और पीयूष ने लिए 3-3 विकेट

मुंबई, एजेंसी

विकेट लेने के बाद खुशी मनाते मुंबई इंडियंस के खिलाड़ी। ● एजेंसी

वानखेड़े स्टेडियम बल्लेबाजों के लिए अनुकूल माने जाने वाली पिच पर आज फिर हैदाराबाद की टीम 200 के पार नहीं जा सकी। हैदराबाद को मुंबई के आगे जल्दी समर्पण करना पड़ा। सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड की (48) और कप्तान पैट कमिंस की तबातोड़ नाबाद 35 रन की पारी की बदौलत सनराइजर्स हैदराबाद ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 55वें मैच में सोमवार मुंबई इंडियंस को जीत के लिए 174 रनों का लक्ष्य दिया है।

वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस ने टॉस जीता और सनराइजर्स हैदराबाद को बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। छठें ओवर में जसप्रीत बुमराह ने अभिषेक शर्मा आउट कर मुम्बई को पहली सफलता दिलायी। इसके बाद आईपीएल में पदार्पण करने वाले अंशुल कम्बोज ने मयंक अग्रवाल (5) को बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद हैदराबाद के विकेट लगातार अंतराल पर गिरते रहे। नितीश कुमार रेड्डी 15 गेंदों में 20 रन, हाइनरिक क्लासन (2), मार्को यानसन (17), शाहबाज अहमद (10), अब्दुल समद (3) रन बनाकर आउट हुये। ट्रैविस हेड ने 30 गेंदों में सात चौके और एक छक्का लगाते हुये सर्वाधिक (48) रनों की पारी खेली। उन्हें 11वें ओवर में पीयूष चावला ने आउट किया।

कप्तान पैट कमिंस और सनबीर ने पारी को संभाला। कमिंस ने 17 गेंदों में दो चौके और दो छक्के लगाते हुए नाबाद 35 रनों की पारी खेली। सनबीर सिंह आठ रन बनाकर नाबाद रहे। हैदराबाद की टीम निर्धारित 20 ओवरों में आठ विकेट पर 173 रन का स्कोर खड़ा किया। मुम्बई इंडियंस की ओर से हार्दिक पांड्या और पीयुष चावला ने तीन-तीन विकेट लिये। जसप्रीत बुमराह और अंशुल कंबोज ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

हैदराबाद 173/8

20 ओवर, अतिरिक्त : 14

बल्लेबाज	रन	गेंद	4/6
ट्रेविस हेड का तिलक बो चावला	48	30	7/1
अभिषेक शर्मा का इशान बो बुमराह	11	16	0/1
मयंक अग्रावाल बो कंबोज	5	6	1/0
नितीश रेड्डी का कंबोज बो हार्दिक	20	15	2/0
हेनरिच क्लासेन बो चावला	2	4	0/0
मार्को यानसेन बो हार्दिक	17	12	1/1
शाहबाज का सूर्यकुमार बो हार्दिक	10	12	0/0
अब्दुल समद पगबाधा चावला	3	4	0/0
पैट कमिंस नाबाद	35	17	2/2
सनवीर सिंह नाबाद	8	7	0/0

गेंदबाजी : तुषारा 4-0-42-0, कंबोज 4-0-42-1, बुमराह 4-0-23-1, हार्दिक 4-0-31-3, चावला 4-0-33-3

अंकतालिका

टीम	मैच	जीत	हार	अंक	रन रेट
कोलकाता	11	8	3	16	+1.453
राजस्थान	10	8	2	16	+0.622
चेन्नई	11	6	5	12	+0.700
हैदराबाद	10	6	4	12	+0.072
लखनऊ	11	6	5	12	+0.371
दिल्ली	11	5	6	10	-0.442
बेंगलुरु	11	4	7	8	-0.049
पंजाब	11	4	7	8	-0.187
गुजरात	11	4	7	8	-1.320
मुंबई	11	3	8	6	-0.356

कोहली सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज अलग रणनीति बनाएंगे : बाबर

लाहौर, एजेंसी

पाकिस्तान के सीमित ओवरों के कप्तान बाबर आजम ने कहा कि विराट कोहली भारत के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से हैं और अगले महीने होने वाले टी-20 विश्वकप में उनके बल्ले पर अंकुश लगाने के लिए रणनीति जरूर बनाई जाएगी। टी20 विश्व कप अमेरिका और वेस्टइंडीज में एक जून से शुरू होगा जिसमें भारत और पाकिस्तान नौ जून को न्यूयॉर्क में आमने सामने होंगे।

प्रेस कांफ्रेंस में उनसे पूछा गया कि क्या वह शानदार फॉर्म में चल रहे कोहली के खिलाफ रणनीति बनाएंगे, इस पर उन्होंने कहा कि एक टीम के रूप में विरोधी के टीम सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के खिलाफ रणनीति बनाई ही जाती है। हम दूसरी टीमों के सभी 11 खिलाड़ियों के खिलाफ रणनीति बनाते हैं। हमें न्यूयॉर्क के हालात के बारे में ज्यादा पता नहीं है लेकिन कोहली सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक है और हम उसके खिलाफ भी रणनीति बनाएंगे। उन्होंने उम्मीद जताई कि गैरी कर्स्टन को सफेद गेंद के प्रारूप का मुख्य कोच बनाए जाने से पाकिस्तानी टीम का प्रदर्शन ग्राफ ऊपर जाएगा। कर्स्टन को पिछले महीने दो साल के लिए पाकिस्तान का मुख्य कोच बनाया गया है। उनके कोच रहते भारत ने 2011 वनडे विश्व कप जीता था।

वीजा मुद्दों के कारण आमिर के आयरलैंड रवान होने में विलंब

लाहौर। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर वीजा मुद्दों के कारण शायद मंगलवार सुबह राष्ट्रीय टीम के बाकी सदस्यों के साथ तीन मैच की टी20 शृंखला के लिए आयरलैंड रवाना नहीं हो पाएंगे। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के एक विश्वस्त सूत्र ने कह कि टीम के बाकी सदस्यों को आयरलैंड का वीजा मिल गया है लेकिन 2010 स्पॉट फिक्सिंग प्रकरण में जेल की सजा काटने के कारण आमिर के वीजा में विलंब हो रहा है।

भारत की पहली हाईब्रिड पिच का अनावरण

धर्मशाला। भारत की पहली हाईब्रिड पिच का सोमवार को हिमाचल प्रदेश क्रिकेट संघ (एचपीसीए) स्टेडियम में भव्य समारोह में अनावरण किया गया। इस समारोह में आईपीएल चेयरमैन अरूण धूमल और इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर तथा एसआईएस के अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट निदेशक पॉल टेलर जैसे क्रिकेट से जुड़े गणमान्य व्यक्तियों ने हिस्सा लिया। धूमल ने कहा इंग्लैंड में लाड्र्स और द ओवल जैसे प्रतिष्ठित स्थलों में सफलता के बाद हाईब्रिड पिचों के इस्तेमाल से भारत में क्रिकेट में क्रांति आएगी। प्राकृतिक टर्फ और कृत्रिम फाइबर से बनने वाली हाईब्रिड पिच अधिक टिकाऊ होती है। इससे मैदानकर्मियों पर पिच को तैयार करने में कम दबाव होता है और साथ ही खेलने की परिस्थितियों के स्तर को बरकरार करने में भी अधिक समस्या नहीं होती। पिच में सिर्फ पांच प्रतिशत कृत्रित फाइबर होता है जिससे यह सुनिश्चित होता है कि क्रिकेट के लिए जरूरी प्राकृतिक विशेषताओं को बचाया जा सके।

रूबलेव ने पहली बार जीता मैड्रिड ओपन

मैड्रिड। बुखार के कारण रात भर सो नहीं पाने के बावजूद रूस के आंद्रे रूबलेव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहली बार मैड्रिड ओपन टेनिस खिताब जीत लिया। रूबलेव ने आगर एलियास्सिमे को 4-6, 7-5, 7-5 से हराया। जीत के बाद उन्होंने कहा मेरे पास शब्द नहीं है। अगर आपको पता चलेगा कि पिछले नौ दिन कैसे गुजरे हैं तो आप यकीन नहीं करेंगे कि मैं यह खिताब जीत सकता था। नोवाक जोकोविच ने चोट के कारण टूर्नामेंट से नाम वापिस ले लिया था जबकि दानिल मेदवेदेव क्वार्टर फाइनल में रिटायर हो गए थे। कार्लोस अल्काराज दाहिने हाथ में सूजन से जूझ रहे थे और राफेल नडाल जल्दी हारकर बाहर हो गए थे। इगा स्वियातेक ने पहली बार महिला वर्ग में यह खिताब जीता।

भारतीय शतरंज इकोसिस्टम के विकास को 65 करोड़ का बजट

नई दिल्ली, एजेंसी

अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) के नवनिर्वाचित अध्यक्ष नितिन नारंग ने भारतीय शतरंज को अभूतपूर्व ऊंचाइयों तक पहुंचाने और देश में शतरंज इकोसिस्टम को विकसित करने के लिए 65 करोड़ का बजट तैयार किया है। एआईसीएफ की आम सभा में इस पर चर्चा की गई जिनका उद्देश्य पेशेवर और जमीनी स्तर के खिलाड़ियों के लिए वित्तीय और संस्थागत सहायता प्रदान करके भारतीय शतरंज इकोसिस्टम को मजबूत करना है।

राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों के लिए एआईसीएफ प्रो और एआईसीएफ पॉपुलर जैसे कार्यक्रमों का शुभारंभ, हर घर शतरंज के दृष्टिकोण को घरों में वास्तविकता प्रदान करेगा। कई प्रस्ताव जैसे शतरंज विकास निधि, सभी स्तरों पर खिलाड़ी अनुबंध और कोचिंग के साथ मजबूत वित्तीय सहायता की शुरुआत, जिला और राज्य संघों को आर्थिक रूप से समर्थन देना, विशिष्ट स्तर के प्रशिक्षण के लिए एक अत्याधुनिक एनसीए की स्थापना, विशेष रूप से भारत के लिए एआईसीएफ रेटिंग प्रणाली, अभूतपूर्व पहल के रूप में काम करेगी और आने वाले वर्षों में भारतीय शतरंज इकोसिस्टम के विकास को गति देगी।

रॉयल्स के खिलाफ दिल्ली के लिए करो या मरो का मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी

आईपीएल प्लेआफ की दौड़ में बने रहने के लिये दिल्ली कैपिटल्स को मंगलवार को हर हालत में राजस्थान रॉयल्स जैसी जबर्दस्त फॉर्म में चल रही टीम को हराना होगा और नजरें कप्तान ऋषभ पंत तथा जैक फ्रेसर मैकगुर्क के बल्ले पर लगी होंगी।

दिल्ली ने अभी तक 11 में से पांच मैच जीते और छह हारे हैं। बाकी तीन मैच दिल्ली को हर हालत में जीतने होंगे हालांकि उसके बाद भी उसके 16 ही अंक रहेंगे जो प्लेआफ में पहुंचने के लिए शायद काफी नहीं हों। दिल्ली शायद सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के बाद भी क्वालीफाई नहीं कर सके लेकिन पंत का भरोसा महेंद्र सिंह धोनी की उस नीति पर है कि जिस पर नियंत्रण किया जा सकता है, उसी पर किया जाए।

अरूण जेटली स्टेडियम की सपाट पिच पर पंत के लिए दोहरी चुनौती होगी। वह चाहेंगे कि खलील अहमद, ईशांत शर्मा और कुलदीप यादव जैसे उनके गेंदबाज यशस्वी जायसवाल, संजू सैमसन और रियान पराग को सस्ते में आउट कर दे लेकिन सिर्फ 60 मीटर की सीमारेखा होने से ऐसा करना कठिन होगा। अब तक तीन अर्धशतक समेत 380 रन बना चुके पंत पर एक बार फिर अच्छे प्रदर्शन का दारोमदार होगा। उनके पास ऑस्ट्रेलिया के युवा फ्रेसर मैकगुर्क जैसा आक्रामक बल्लेबाज है। ये दोनों मिलकर मैच का नक्शा पलट सकते हैं। दिल्ली को हालांकि रॉयल्स के गेंदबाजी आक्रमण से कड़ी चुनौती मिलेगी। युजवेंद्र चहल और रविचंद्रन अश्विन को खेलना आसान नहीं होगा।

एएसबीसी एशियाई अंडर-22 चैंपियनशिप मे पांच को स्वर्ण

अस्ताना (कजाकिस्तान)। पांच युवा भारतीय मुक्केबाजों ब्रिजेश टम्टा, आर्यन हुड्डा, यशवर्धन सिंह, लक्ष्मी और निशा ने सोमवार को यहां एएसबीसी एशियाई अंडर-22 और युवा मुक्केबाजी चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीते। ब्रिजेश ने पुरुषों के 48 किग्रा फाइनल में ताजिकिस्तान के मुमिनोव मुइनखोदझा को 5-0 से हराकर भारत को टूर्नामेंट का पहला स्वर्ण पदक दिलाया। आर्यन (51 किग्रा) ने किर्गिस्तान के कामिलोव जफरबेक के खिलाफ 5-0 की जीत से भारत का दबदबा जारी रखा। यशवर्धन सिंह (63.5 किग्रा) को ताजिकिस्तान के गफूरोव रुस्लान के खिलाफ 4-1 की जीत के दौरान काफी पसीना बहाना पड़ा। महिला वर्ग में निशा ने 52 किग्रा वर्ग में कजाखस्तान की ओटिनबे को हराकर स्वर्ण अपने नाम किया।

बॉलीवुड हलचल

हीरा मंडी का हीरा नकली और मंडी अश्लील

शारदा शुक्ला
वरिष्ठ पत्रकार

नेटफ्लिक्स पर संजय लीला भंसाली की नई सीरीज हीरा मंडी इस वक्त चर्चा में है। 1 मई को प्रदर्शित आठ एपिसोड वाली इस कहानी पर भंसाली की पूरी छाप है। चर्चा इसलिए भी है कि इसमें भर भर के ग्लैमर है इतना कि उसे ग्लैमर का ओवर डोज भी कहा जा सकता है। सेट्स को भव्य दिखाने के लिए एनीमेशन का इस्तेमाल भी किया गया, जो नकली समझ आ जाता है। सेक्स और गाली गलौच भरपूर मात्रा में तो है ही फूहड़ भी है। परिवार के साथ बैठकर देखने के बारे में तो सोचा ही नहीं जा सकता। तवायफों पर आधारित कहानी में बार बार उनकी तहजीब और रवायतों का महिमा मंडन किया गया है कि कोठे तहजीब सीखने की जगह हुआ करते थे पर तवायफों से भद्दे संवाद बुलवाते समय भंसाली ये बात भूल जाते हैं। हीरा मंडी की स्टारकास्ट जबरदस्त है। इसमें मनीषा कोइराला, सोनाक्षी सिन्हा, ऋचा चड्ढा, अदिति राव हैदरी, शर्मिन सहगल, संजीदा शेख, फरदीन खान, अध्ययन सुमन, शेखर सुमन, फरीदा जलाल आदि हैं। सर्वाधिक संतुलित अभिनय फरीदा जलाल का है। ऋचा चड्ढा और अदिति राव हैदरी भी प्रभावित करती हैं। बड़े शेखर से ज्यादा छोटे शेखर प्रभाव छोड़ते हैं। ताहा शाह बदूशा ने आंखों से अच्छा अभिनय किया है। माहौल है 1940 के आसपास का लाहौर। 'हीरा मंडी : द डायमंड बाजार' की मुख्य कहानी मल्लिका जान मनीषा कोइराला की कहानी है, जो हीरा मंडी की सबसे ताक़तवर तवायफ है। उनके बारे में बस यही कहा जा सकता है कि मुख्य किरदार के लालच में मनीषा कोइराला ने करियर की दूसरी पारी में छीछालेदर ही करवा ली। वह आतंक का पर्याय है। उसकी बेटी बिब्बो जान क्रांतिकारियों का साथ दे रही है। दूसरी तवायफ बेटी आलमजेब शेरो-शायरी करती है। उसका पुराना गुनाह नए तेवर में फरीदन सोनाक्षी सिन्हा बनकर लौट आता है। सोनाक्षी का अभिनय बेहद कमजोर है। कोठों पर कब्जे की जंग में आजादी की जंग का तड़का है। जो कहानी को मकसद देता है। वरना तवायफों के बारे में आज कोई क्यों जानना चाहेगा। क्यों कि ना तो कहानी असली है ना ही इतिहास। अगर कुछ है तो वो तवायफों के जेवर और नवाबों के तेवर। सिरीज देखते समय आप कहानी या पात्रों से खुद को रिलेट नहीं कर पाते। हां आजादी की जंग थोड़ा जोश जरूर भर्ती है। अमीर खुसरो का बसंत गीत सकल बन फूल रही सरसों बढ़िया है। इन कहानियों में षड्यंत्र है, जरूरत से ज्यादा ग्लैमर है और मोहब्बत की कशिश भी है। कहानियों के भीतर इतनी कहानियां हैं कि आप से कहानी का मुख्य सिरा ही छूटने लगता है। पूरी कहानी में भंसाली के दिमाग में पाक़ीज़ा छाई हुई है। डांस स्टेप्स, सिचुएशन्स सिनेमेटोग्राफी, कॉस्ट्यूम, संवाद अदायगी सभी पाकीजा की थर्ड कॉपी लगते हैं। जब भंसाली पाकीजा से इतने ही प्रभावित थे तो उसका भावनात्मक पहलू भी याद कर लेते। उसकी शालीनता और मोहब्बत के ऊंचे मानदंड भी याद रखते। आज तवायफों का दौर देखने वाले तो नहीं है पर पाकीजा हर सिने प्रेमी ने देखी है। कह सकते हैं कि हीरा मंडी में जो अच्छा है वो मौलिक नहीं है जो मौलिक है वो अच्छा नहीं है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शंभू दयाल वाजपेयी द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 14/76-एल सिविल लाइन्स, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
संपादक-शंभू दयाल वाजपेयी, 0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- amritvicharkanpur@gmail.com (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

आग से किसान की घर-गृहस्थी राख के ढेर में तब्दील, सहायता की गुहार

चार लाख की नकदी भी जली, ग्राम पहाड़ी मुस्लिमपुरवा की घटना

संवाददाता, मऊ (चित्रकूट)

जला घर देखते भुक्तभोगी और ग्रामीण। अमृत विचार

अमृत विचार। भीषण गर्मी में आग का कहर जारी है। सोमवार सुबह एक किसान के घर में आग लग गई और जब तक उस पर काबू पाया जाता, सब कुछ राख हो गया। आग लगने की वजह पता नहीं चल सकी। किसान के अनुसार, करीब चार लाख की नकदी भी आग की भेंट चढ़ गई और घर-गृहस्थी का सामान जलकर राख हो गया।

सोमवार सुबह साढ़े छह बजे के आसपास तहसील क्षेत्र के ग्राम पहाड़ी मुस्लिमपुरवा में छोटेलाल पुत्र दौलत के घर में आग लग गई। छोटेलाल ने किसी तरह परिवार के सदस्यों को सुरक्षित घर से बाहर निकाला। घर वालों ने ग्रामीणों की मदद से आग बुझाने की कवायद की। जब तक आग बुझती, किसान की सालभर की मेहनत और कमाई राख हो चुकी थी।

छोटेलाल ने बताया कि अचानक लगी आग से उसकी घर-गृहस्थी का सारा सामान जिसमें अनाज, भूसा, कपड़े, बिस्तर वगैरह सभी था, जल गया। लगभग चार लाख की नकदी भी राख हो गई। अचानक लगी आग से उसके ऊपर परेशानियों का पहाड़ गिर पड़ा है। किसान ने प्रशासन से मदद की गुहार की है। लेखपाल रावेंद्र सिंह ने बताया कि घटनास्थल का मौका मुआयना कर लिया गया है। मुआवजा के लिए कार्रवाई की जा रही है।

पिछले 10 दिन में आग ने बरपाया कहर

- दो मई को मऊ तहसील के धवाड़ा मजरा कोल्हुआ में आग से एक दर्जन परिवारों की घर-गृहस्थी राख।
- एक मई को राजापुर तहसील के कलवारा बुजुर्ग मजरा धोबिनपुरवा में दो भाइयों के घर जले।
- 30 अप्रैल को कोतवाली अंतर्गत सिद्धपुर गांव में आग से दंपति की जलकर मौत।
- 29 अप्रैल को पहाड़ी ब्लाक के कहेटा माफी गांव में गृहस्थी राख, बालक समेत दो लोग झुलसे।
- 29 अप्रैल को खप्टिहा गांव में आग से किसान का घर, अनाज, गृहस्थी का सामान राख।
- 28 अप्रैल को रामनगर के घुरेहटा अमरपुर मजरा शिरोमन का डेरा में पशुबाड़े में आग से पांच बीघे का भूसा राख।

34 आरोपियों पर मिनी गुंडा एक्ट की कार्रवाई

चित्रकूट। पुलिस ने 34 आरोपियों पर मिनी गुंडा एक्ट लगाया है। थानाध्यक्ष मारकुंडी मनीष कुमार ने लाल कोल, देवमुनि कोल निवासी डोडामाफी, जगदीश कुशवाहा निवासी इटवा डुडैला, भोले निवासी टिकरिया, शिवकुमार कोल निवासी बगरहा मजरा, सीताराम कोल, रामप्रसाद निवासी टिकरिया, गेंदालाल कोल निवासी मारकुंडी, एसओ भरतकूप प्रवीण कुमार सिंह ने रामप्रकाश, ओमप्रकाश, प्रेमचंद, रामचंद्र निवासीगण रसिन, अनिरुद्ध, निखिल, कमाल, विमल निवासीगण भैसोंधा, संतोष, लखन, गया प्रसाद निवासीगण रामपुरवा माफी भारतपुर, तुलसीदास, रामबहोरी निवासीगण भरथौल, जगमोहन यादव, गया प्रसाद, रामहित्र, बाला प्रसाद, राजा भइया उर्फ प्रमोद, छेतानी निवासीगण इटखरी, राजा भइया निवासी करारी, दीपक पटेल उर्फ अवधेश निवासीगण लोखरिया के विरुद्ध धारा 110 जी सीआरपीसी की कार्रवाई की।

प्रशिक्षण में सभी बातों को जान लें निर्वाचन आयोग की बुकलेट भी पढ़ें

कार्यालय संवाददाता, चित्रकूट

- डीएम ने सेक्टर-जोनल मजिस्ट्रेटों को दिए निर्देश
- अधिकारियों से बूथों का निरीक्षण करने को कहा

प्रशिक्षण के दौरान जानकारी लेते डीएम और सीडीओ। अमृत विचार

अमृत विचार। जिलाधिकारी अभिषेक आनंद ने चुनाव में सेक्टर और जोनल मजिस्ट्रेटों की जिम्मेदारी संभाले अधिकारियों को हिदायत दी कि वे सभी बातों को ठीक से जान लें, जिससे चुनाव के समय दिक्कत न हो।

सोमवार को विकास भवन सभागार में चित्रकूट और मानिकपुर विधानसभा क्षेत्रों के सेक्टर व जोनल मजिस्ट्रेटों का प्रशिक्षण हुआ। डीएम ने कहा कि आयोग द्वारा एमपीएस एप, मतदान प्रतिशत संकलन एप लागू किया गया है। उसीके अनुसार मतदान प्रक्रिया की जानकारी मोबाइल पर डाउनलोड करके दी जानी है। एआरओ द्वारा सेक्टर मजिस्ट्रेट का रजिस्ट्रेशन किया जाएगा। सेक्टर मजिस्ट्रेट पीठासीन अधिकारियों का रजिस्ट्रेशन करेंगे। अधिकारियों को सभी बूथों का निरीक्षण करने और समस्याओं का तत्काल निस्तारण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग की बुकलेट को भी ठीक से पढ़ लें। प्रशिक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी अमृतपाल कौर, जिला विकास अधिकारी आरके त्रिपाठी, डीसी मनरेगा धर्मजीत सिंह आदि मौजूद रहे।

ग्रामोद्योग को बढ़ावा दे रही सरकार

संवाददाता, राजापुर (चित्रकूट)

प्रदर्शनी का उद्घाटन करते नगर पंचायत अध्यक्ष। अमृत विचार

- तुलसी चौक में स्वदेशी खादी महोत्सव का उद्घाटन

अमृत विचार। नगर पंचायत अध्यक्ष संजीव मिश्रा ने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामोद्योग को बढ़ावा देने के लिए हर संभव कदम उठा रही है। उन्होंने सोमवार को तुलसी चौक के पास स्वदेशी खादी महोत्सव का उद्घाटन किया।

नपंअ ने कहा कि सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में हथकरघा से वस्त्रों के निर्माण पर अनुदान का प्राविधान किया है। बुनकरों को सस्ते दरों पर ऋण की भी सुविधा है। उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्रों में खादी और सूती वस्त्रों का चलन कम हो रहा है। इस तरह के आयोजनों से समाज में जागरूकता पैदा हो सकती है। आयोजक अनमोल गुप्ता ने बताया कि मेला और प्रदर्शनी लगाकर ग्रामीण क्षेत्रों में स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने के लिए जागरूक किया जाता है।

इस दौरान खादी और सूती वस्त्रों में छूट दी जाती है। इस अवसर पर कमलेश कुमार पांडेय, सुशील द्विवेदी, सत्येंद्र पांडेय, दयाशंकर मिश्र, महेंद्र मिश्रा, श्रवण कुमार पांडेय, बालकृष्ण शर्मा, अजय पांडेय, अशोक द्विवेदी, दीपक जायसवाल, कैलाश जायसवाल, संजय जायसवाल आदि मौजूद रहे।

ग्रामीण ने फांसी लगाकर जान दी

मऊ (चित्रकूट)। मानसिक रूप से परेशान चल रहे एक ग्रामीण ने फांसी लगाकर जान दे दी। जानकारी के मुताबिक, मंडौर निवासी दादू मौर्या (45) उर्फ राजबहादुर पुत्र गंगा ने गांव के होलाई बगीचे में आम के पेड़ में लोअर से फांसी लगाकर जान दे दी। घरवालों ने बताया कि वह देर रात घर से निकला था। जब गांव के लोग सुबह शौच आदि के लिए खेत की ओर गए तो दादू का पेड़ से लटकता शव देखा। मृतक के पुत्र बोदर ने बताया कि वह अवसाद में रहता था। उसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। प्रभारी निरीक्षक अजीत कुमार पांडेय ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मृतक के परिवार में पत्नी मंजू देवी और चार पुत्र हैं।

बेड़ी पुलिया से निर्मोही अखाड़ा तक नो एंट्री

कार्यालय संवाददाता, चित्रकूट

- अमावस्या के मद्देनजर किया गया रूट डायवर्जन
- आठ मई को रात साढ़े नौ बजे तक लागू रहेगी व्यवस्था

अमृत विचार। बैशाख के अमावस्या मेले के मद्देनजर यातायात पुलिस ने रूट डायवर्जन किया है। यह व्यवस्था सात मई प्रातः साढ़े पांच से आठ मई रात साढ़े नौ बजे तक लागू रहेगी। इस अवधि में भारी एवं मध्यम मालवाहनों का कर्वी नगर में प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। निर्मोही अखाड़ा यूपी एमपी बार्डर से बेड़ी पुलिया तिराहा तक श्रद्धालुओं की सुरक्षा के दृष्टिगत नया नो एंट्री मार्ग घोषित किया गया है ।

यातायात पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, आठ मई के बाद नगर में 30 दिनों तक रूट डायवर्जन और शहर में आवागमन के प्रतिबंध जारी रहेंगे। इसके अनुसार, लोढ़वारा मोड़, राजापुर मार्ग में सुबह साढ़े पांच बजे से रात साढ़े नौ बजे तक रेहुटिया (रेलवे क्रॉसिंग के पूर्व) प्रयागराज रोड, खोह (पुलिस लाइन तिराहा) और शेषनपुरवा मोड़ सोनेपुर, सतना रोड पर प्रातः साढ़े पांच बजे से रात 10 बजे तक, बेड़ी पुलिया (मत्यगजेंद्रनाथ धर्मकांटा) बांदा रोड और निर्मोही अखाड़ा यूपी एमपी बार्डर से बेड़ी पुलिया तिराहे तक प्रातः साढ़े पांच बजे से रात 11 बजे तक भारी एवं मध्यम मालवाहनों (आपातकालीन एवं आवश्यक वस्तुओं के वाहनों को छोड़कर) का प्रवेश एवं परिवहन या आवागमन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। प्रातः साढ़े पांच बजे नो एंट्री बैरियरों से प्रवेश करने वाले भारी माल वाहन प्रातः छह बजे तक क्षेत्र से बाहर निकाले जाएंगे।

अमावस्या पर चलाई गईं दो मेला स्पेशल ट्रेन

चित्रकूट। रेलवे ने बैशाखी अमावस्या पर दो मेला स्पेशल ट्रेन चलाई हैं। इसके अलावा एक ट्रेन का विस्तारीकरण किया गया है। सात से नौ मई तक चित्रकूट से वीरांगना लक्ष्मी बाई झांसी रेलवे स्टेशन तक चलाई जाएगी। यह झांसी से सुबह 10 बजकर दस मिनट पर चलेगी और शाम पौने पांच बजे चित्रकूट धाम कर्वी पहुंचेगी| कर्वी स्टेशन से यह शाम सात बजकर 25 मिनट पर चलेगी और रात एक बजे झांसी पहुंचेगी। दूसरी मेला स्पेशल वीरांगना लक्ष्मी बाई झांसी रेलवे स्टेशन से रात आठ बजकर दस मिनट पर चलेगी। यह गाड़ी चित्रकूट धाम कर्वी सुबह तीन बजकर पांच मिनट पर पहुंचेगी| कर्वी स्टेशन से इसका प्रस्थान सुबह चार बजकर 40 मिनट पर होगा। यह गाड़ी वीरांगना लक्ष्मी बाई झांसी रेलवे स्टेशन पूर्वाह्न 11 बजकर 10 मिनट पर पहुंचेगी। रेलवे से मिली जानकारी के अनुसार, सात मई से नौ मई तक वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी–बांदा मेमू ट्रेन को चित्रकूट धाम कर्वी तक विस्तारीकरण किया गया है।

धगवां गांव में बाइक रैली निकालते कर्मचारी। अमृत विचार

बाइक रैली निकालकर वोट डालने के लिए किया प्रेरित

संवाददाता,सरीला (हमीरपुर)

अमृत विचार। विकासखंड क्षेत्र के इन्दरपुरा गांव में ग्राम विकास अधिकारी ने ग्रामीणों के साथ बाइक से मतदाता जागरूक रैली निकालकर लोगों को मतदान के लिए प्रेरित किया। साथ ही मतदाता शपथ भी दिलाई गई।

सोमवार को इन्दरपुरा गांव में ग्राम विकास अधिकारी राधेश्याम ने कर्मचारियों व ग्रामीणों के साथ मतदाता जागरूक बाइक रैली निकालकर मतदान की शपथ दिलाई। धगवां, जरिया, मंगरैल सहित दो दर्जन गांव में भी ग्राम पंचायत सचिव, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा सहित ग्राम स्तरीय कर्मचारियों ने मतदाता जागरूक रैली निकाल कर लोगों को मतदान के लिए प्रेरित किया। सभी ग्राम पंचायत के सचिव, प्रधान, रोजगार सेवक व पंचायत सहायक तथा ग्रामीण मौजूद रहे।

सपा ने वोट के लिए श्यामलाल को बनाया प्रदेश अध्यक्ष:विनय

कार्यालय संवाददाता, चित्रकूट

विनय पाल।

अमृत विचार। बसपा नेता और अधिवक्ता विनय कुमार पाल ने कटाक्ष किया कि समाजवादी पार्टी ने वोटबैंक साधने के लिए श्यामलाल पाल को प्रदेश अध्यक्ष बनाया है।

विनय ने कटाक्ष किया कि आखिरकार सपा को पाल समाज की जरूरत पड़ ही गई। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी ने कभी समाज को महत्व नहीं दिया। सुभाष पाल को आश्वासन देने के बाद टिकट नहीं दिया गया था।

पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान बुंदेलखंड में भी समाज की उपेक्षा की गई। उन्होंने कहा कि बसपा ने समाज के लोगों को सम्मान दिया है। प्रदेश अध्यक्ष पर भी समाज के विश्वनाथ पाल को जिम्मेदारी दी है। प्रदेश में सात कैबिनेट मंत्री बनाए थे तो दो-दो राज्यसभा सदस्य भी बनाए। उन्होंने दावा किया कि सपा ने प्रदेश में वोटरों को गुमराह करने के लिए ही प्रदेश अध्यक्ष बदला है।

बच्चों ने निकाली जागरूकता रैली

चित्रकूट। सोमवार को कृषक इंटर कॉलेज चौरी में स्काउट/गाइड ने मतदाता जागरूकता रैली निकाली। बच्चों ने नारे लिखी तख्तियां लेकर गांव का भ्रमण किया और लोगों को मतदान के लिए प्रेरित किया। प्रधानाचार्य रुद्र नारायण पांडे, स्वीप योजना प्रभारी प्रेमचंद्र, सहायक प्रभारी विनोद कुमार मौजूद रहे।

परिवहन विभाग ने किया मतदाताओं को जागरूक

चित्रकूट। परिवहन विभाग चित्रकूट ने लोगों को ज्यादा से ज्यादा संख्या में मतदान करने की प्रेरणा दी। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी विवेक कुमार शुक्ला, संभागीय निरीक्षक प्रविधिकी गुलाबचंद, यात्रीकर मालकर अधिकारी डा. संतोष कुमार तिवारी की अगुवाई में कर्मचारियों ने वाहनों में स्टीकर चस्पा किए।

चोरी और आगजनी का आरोपी गिरफ्तार

चित्रकूट। कोतवाली पुलिस ने रजिस्ट्री कार्यालय में हुई चोरी और आगजनी की घटना के एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। इससे चोरी का लैपटॉप भी बरामद किया गया है। थाना कोतवाली कर्वी की पुलिस ने रजिस्ट्री कार्यालय में हुई चोरी एवं आगजनी के एक और अभियुक्त को चोरी के लैपटाप के साथ गिरफ्तार कर लिया।

23 जनवरी की रात धुस मैदान स्थित रजिस्ट्री कार्यालय में कुछ लोगों ने चोरी करके आग लगा दी थी। इस संबंध में सब रजिस्ट्रार राजेश सिंह की तहरीर पर कोतवाली में अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई थी। इस घटना को लेकर कई तरह के सवाल उठे थे। पुलिस घटना से संबंधित छह आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। रविवार को एसआई अनिल कुमार और आरक्षी नीतू द्विवेदी ने विवेचना से प्रकाश में आए पुरानी कोतवाली के पास रहने वाले आरोपी आकाश यादव को चोरी के लैपटॉप के साथ गिरफ्तार किया।

सार-संक्षेप

परिक्रमा पथ से अतिक्रमण हटवाते अधिशासी अधिकारी। अमृत विचार

परिक्रमा पथ से हटवाया गया अतिक्रमण

सीतापुर (चित्रकूट)। अमावस्या के मद्देनजर सोमवार को परिक्रमा मार्ग खोही में भीड़भाड़ वाली जगहों से अतिक्रमण हटवाया गया। अधिशासी अधिकारी लालजी ने दुकानदारों से कहा कि परिक्रमा पथ पर दुकान न लगाएं। बताया कि गर्मी को देखते हुए पालिका प्याऊ लगवाएगी। कोतवाली प्रभारी उपेंद्र सिंह, चौकी प्रभारी परिक्रमा मार्ग रमेश यादव के साथ पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

खोया मोबाइल बरामद कर सौंपा

चित्रकूट। 28 अप्रैल को अरुण कुमार निवासी ग्राम हरसबपुर घाटमपुर (कानपुर) ने मोबाइल खो जाने के संबंध में पोर्टल में शिकायत दर्ज की थी। इस पर भरतकूप थाने के आरक्षी सलीम खान ने मोबाइल की लोकेशन के आधार पर बरामद कर अरुण कुमार को सौंपा। मोबाइल पाकर अरुण ने पुलिस की तत्परता की सराहना की।

चार आरोपियों पर लगाया गुंडा एक्ट

चित्रकूट। पुलिस ने चार आरोपियों पर गुंडा एक्ट की कार्रवाई की है। सरधुआ के प्रभारी निरीक्षक आशुतोष तिवारी ने भारतलाल पुत्र राजनारायण, रामलखन पुत्र लालजी, लालजी पुत्र नत्थू निषाद निवासीगण हरिशनपुर पर धारा 03 यूपी गुंडा एक्ट की कार्रवाई की। थानाध्यक्ष मारकुंडी मनीष कुमार ने राहुल मिश्रा पुत्र शिवनारायण निवासी पयासी का पुरवा मजरा किहुनियां पर गुंडा एक्ट की कार्रवाई की है।

नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन पर विचार-विमर्श

सीतापुर (चित्रकूट)। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के आंतरिक मूल्यांकन गुणवत्ता समिति के तत्वावधान में दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला हुई। इसमें नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों पर विचार विमर्श किया गया। प्रो. पीके बाजपेई कुलपति जयप्रकाश नारायण विश्वविद्यालय छपरा (बिहार) ने चुनौतियों का सम्यक समाधान खोजने तथा इसको विश्वविद्यालयों में और प्रभावी बनाने पर चर्चा की। प्रो. नरेश चंद्र गौतम, कुलपति प्रो. भरत मिश्रा आदि ने भी विचार रखे। प्रो. अमरजीत सिंह, शशिकांत त्रिपाठी, डीपी राय आदि मौजूद रहे।

महाराजा दक्ष प्रजापति सेवा समिति की बैठक संपन्न

सरीला(हमीरपुर)। राठ कस्बे में महाराजा दक्ष प्रजापति समाज सेवा समिति की बैठक हुई। इसमें सामूहिक विवाह सम्मेलन की चर्चा की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि आगामी 8 जून 2024 को 11वां सामूहिक विवाह सम्मेलन संपन्न कराया जाएगा। जिसमें जो लोग अपनी बच्चियों की शादी करना चाहते हैं वह अपने रजिस्ट्रेशन बहुत जल्दी करा लें। बैठक की अध्यक्षता दयाराम ने की। रामऔतार प्रजापति, गया प्रसाद प्रजापति, मुरलीधर, हरगोविंद सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

साथी हाथ बढ़ाना | 'अमृत विचार' की खबर की पहल से अग्निपीड़ित परिवार की सहायता के लिए आगे आए लोग

बिटिया की शादी को मिली मदद तो भर आईं माता–पिता की आंखें

संवाददाता, रामनगर (चित्रकूट)

आफत : घर में लगी आग से लाखों की संपति राख, गृहस्वामी झुलसा

27 अप्रैल के अंक में प्रकाशित खबर।

गांव पहुंचे अधिकारी और शिक्षक। अमृत विचार

मदद पाकर भावुक हो गया किसान परिवार। अमृत विचार

अमृत विचार। 'अमृत विचार' में अग्निपीड़ित किसान परिवार की खबर प्रकाशित होने और अपील पर शिक्षकों ने मदद के हाथ बढ़ाए। आग से गृहस्वामी की बिटिया की शादी के लिए रखे लाखों रुपये भी जल गए थे। सोमवार को बीईओ रामनगर एनपी सिंह और प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अखिलेश पांडेय के साथ शिक्षकों ने बिटिया की शादी के लिए लगभग दो लाख रुपये की धनराशि सौंपी।

गौरतलब है कि 26 अप्रैल को विकास खंड रामनगर के ग्राम पंचायत गोबरौल के मजरा खेरवा में देवीचरण सिंह के घर लगी भीषण आग ने सब कुछ राख कर दिया था। बेटी रोशनी की शादी की तैयारियां भी आग की भेंट चढ़ गई थी। आग बुझाने की कोशिश में बदहवास देवीचरण झुलस गया था। बिटिया की शादी के लिए रखे लाखों रुपये जल गए थे। इस खबर को 'अमृत विचार' ने 27 अप्रैल के अंक में प्रमुखता से प्रकाशित किया था। एसडीएम प्रमोद झा ने पीड़ित परिवार के घर जाकर मदद की थी और 30 अप्रैल के 'अमृत विचार' में एसडीएम ने पीड़ित परिवार की मदद करने की अपील की थी। अखबार में खबर प्रकाशन के बाद बिटिया की शादी के मदद के लिए कई लोग आगे आए। खंड शिक्षाधिकारी रामनगर एनपी सिंह ने भी जिलाध्यक्ष उत्तर प्रदेशीय बेसिक शिक्षक संघ अखिलेश पांडेय से अनुरोध किया था कि वह भी शिक्षकों के साथ इस पीड़ित परिवार को यथासंभव मदद करें।

अखिलेश ने बताया कि शिक्षक पहले भी मदद करते रहे हैं लेकिन पहले शिक्षकों के परिवार तक सीमित थे लेकिन 'अमृत विचार' ने हमें प्रेरित किया तो हम पहली बार शिक्षक परिवार से इतर मदद करने के लिए बढ़ चढ़कर आगे आए। उन्होंने बताया कि रामनगर के सभी शिक्षकों, शिक्षामित्रों व अनुदेशकों ने तो मदद की ही राज्यपाल पुरस्कार से पुरस्कृत सेवानिवृत्त शिक्षक रामलोटन पांडेय ने दस हजार रुपये का सहयोग दिया। एक लाख 88 हजार रुपये बेटी रोशनी की शादी के लिए दिए गए। इस मौके पर उसकी मां कविता सिंह व पिता देवी चरण सिंह भावुक हो गए।

बच्चों ने भी दी धनराशि और टाफियां

प्राथमिक विद्यालय उफ़रौली के प्रधानाध्यापक राजू यादव ने अपने विद्यालय के छात्रों द्वारा एकत्रित की गई धनराशि व टाफ़ी चॉकलेट का डिब्बा भी पीड़ित परिवार को भेंट की तो परिवारीजनों की आंखें भर आईं।

नाले में मिला युवती का शव

राजापुर)। चित्रकूट के राजापुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत तीर मऊ गांव के लौकछा नाले में युवती शव मिलने से हड़कंप मच गया। भनक लगते ही मौके पर लोग एकत्र हो गए। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच–पड़ताल की। खबर लिखे जाने तक मृतका की शिनाख्त नहीं हो पाई थी। युवती की उम्र 18 से 20वर्ष बताई जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच–पड़ताल की जा रही है।

अब घर बैठे आपके जीवन की जटिल समस्याओं का 100% पक्का समाधान
फ्री सलाह
अभी फोन करें :
GURU AADIL JI
9717810465
1% विश्वास आप करें
99% विश्वास हम बनाएंगे
स्पेशलिस्ट – प्रेम विवाह, पति–पत्नी में अनबन, दुश्मनों से छुटकारा, कारोबार में रुकावट, मनचाहा प्यार, रूठे प्रेमी को मनाना, वशीकरण आदि।

जिले के 2.92 लाख युवा मतदाता बनेंगे 'मुकद्दर का सिकंदर'

कार्यालय संवाददाता,बांदा

- सांसद चुनने में युवाओं की भूमिका रहेगी निर्णायक
- 17 हजार से ज्यादा युवा मतदाता पहली बार करेंगे वोट

अमृत विचार। चित्रकूट-बांदा संसदीय क्षेत्र में लोकसभा चुनाव में इस बार युवा वोटर 'मुकद्दर के सिकंदर' होंगे। जिले की चारों विधान सभा क्षेत्रों में दो लाख से ज्यादा युवा मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। राजनीतिक विश्लेषक मान रहे हैं कि युवा मतदाता ही इस लोकसभा सीट पर जीत के निर्णायक बनेंगे। 17 हजार से ज्यादा ऐसे युवा मतदाता होंगे जिनके इस लोकतंत्र के महापर्व पर पहली बार उंगली पर स्याही पहली बार लगेगी।

बांदा-चित्रकूट संसदीय क्षेत्रों में शामिल जनपद की चार विधान सभा क्षेत्रों बांदा सदर, नरैनी (सुरक्षित), बबेरू और तिंदवारी में मतदाताओं की संख्या 13, 28, 339 हैं। इनमें 18 से 19 साल के मतदाताओं की संख्या 17,921 और 20 से 29 साल के बीच के युवा मतदाताओं की संख्या 2,74,752 अंकित की गई है। जिले में पांचवें चरण के तहत 20 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव मतदान में 18 से 29 साल के बीच के 2,92,673 युवा मतदाता चारों विधान सभा क्षेत्रों में निर्णायक की भूमिका निभाएंगे। आयोग को जिले के निर्वाचन विभाग की ओर से भेजी गई ऐसे ही तथ्य सामने आए हैं। इससे स्पष्ट है कि युवा तरंग जिस पार्टी की ओर झुकेगी जीत की लहर उस ओर दिखाई देगी। उप जिला निर्वाचन अधिकारी राजेश वर्मा ने बताया कि आयु वर्गवार आंकड़े आयोग को भेजे गए हैं। इस बार युवाओं को मतदाता बनाने में कोई कसर नहीं रखी गई है। अब इन मतदाताओं को जागरूक करने के लिए जिले में लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

जिले के चार विधान सभा क्षेत्रों में युवा मतदाताओं का ब्योरा

	18 से 19 वर्ष	20 से 29 वर्ष
तिंदवारी	4820	69,932
बबेरू	3,601	66,834
नरैनी	5,168	74,567
बांदा	4,332	63,419
योग-	17,921	2,74,752

नरैनी विधानसभा क्षेत्र में सबसे ज्यादा युवा वोटर

जनपद में सबसे ज्यादा युवा वोटर नरैनी विधानसभा क्षेत्र में हैं। यहां पर 18 से 19 आयु के 5,168 मतदाता हैं। जबकि 20 से 29 साल के मतदाताओं की संख्या 74,567 है। दूसरे नंबर पर तिंदवारी विधान सभा क्षेत्र है। यहां पर 20 से 29 साल के 69,932 और 18 से 19 साल के 4,820 युवा मतदाता हैं। तीसरा नंबर बांदा सदर विधानसभा क्षेत्र का है। यहां पर 20 से 29 साल के 63,419और 18 से 19 साल के 4,332 वोटर हैं। सबसे कम युवा मतदाता बबेरू विधान सभा क्षेत्र में हैं। यहां 18 से 19 साल के 3,601 और 20 से 29 वर्ष के 66,834 मतदाता हैं।

डीआईजी से मिलकर अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए लगाई गुहार

कार्यालय संवाददाता, बांदा

- एक सप्ताह पूर्व चिल्ला थाने में गंभीर धाराओं में दर्ज हुई थी एफआईआर
- एक आरोपी पर गुंडा एक्ट व पॉक्सो समेत गंभीर मामले हैं दर्ज

डीआईजी से शिकायत करने जाते पीड़ित।

अमृत विचार। एक सप्ताह पहले दबंग पिता-पुत्र ने अपने ही रिश्तेदार को लेन-देन के विवाद में जान से मारने का प्रयास किया था। मामले को लेकर थाने में मुकदमा भी दर्ज है, लेकिन आरोपियों की अभी तक गिरफ्तारी नहीं हो सकी। पीड़ित पक्ष ने डीआईजी से मुलाकात की और पिता-पुत्र को गिरफ्तार कर जेल भेजने की गुहार लगाई है।

मामला चिल्ला थाने के डिघवट गांव का है। 28 अप्रैल को थाने के पदारथपुर गांव निवासी देवीचरण मिश्रा अपने पुत्र आशीष के साथ रिश्तेदार ब्रजेश शुक्ला निवासी डिघवट थाना चिल्ला के घर उधार दिए हुए1.2 लाख रुपए वापस मांगने गया था। ब्रजेश ने रुपये वापस करने के बजाय उनके साथ अभद्रता की और उसके पुत्र अभिषेक शुक्ला ने तमंचे से फायर झोंक दिया। इस संबंध में थाना चिल्ला में दोनों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज है। पीड़ित देवीचरण का कहना है कि पुलिस की सांठगांठ और आरोपी के रसूख के चलते उसकी गिरफ्तार नहीं हो पा रही है। जिससे बुलंद हौसलों के साथ आरोपी दबंग पीड़ित परिवार को जान से मारने की धमकी देते हुए सुलह समझौता करने का दबाव बना रहे हैं। डीआईजी को शिकायती पत्र देकर पीड़ित ने बताया है कि मुकदमे के नामजद आरोपी अभिषेक शुक्ला उर्फ चुन्नू के खिलाफ थाना चिल्ला में पाक्सो एक्ट, बलात्कार समेत विभिन्न अपराधिक मुकदमे दर्ज हैं और आरोपी पर गुंडा एक्ट की कार्रवाई भी प्रचलित है।

महाराणा प्रताप का अपमान करने पर भड़के भाजपाई, किया प्रदर्शन

राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा, सपा नेताओं की गिरफ्तारी की मांग

कार्यालय संवाददाता,बांदा

- ज्ञापन में की गई दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग
- क्षत्रिय समाज ने चुनाव में सबक सिखाने की दी चेतावनी

अमृत विचार। मैनपुरी में सपा कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए राष्ट्र नायक महाराणा प्रताप के अपमान पर भड़के भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन कर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौपा। राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन में दोषियों की गिरफ्तारी के साथ ही सख्त कार्रवाई की मांग की गई। कहा है कि इस कृत्य के लिए सपा प्रमुख अखिलेश यादव देश से सार्वजनिक मांफी मांगें।

एक दिन पहले मैनपुरी में सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के रोड शो के बाद करहल चौराहे पर महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर झंडा लगाए जाने का मामला तूल पकड़ गया। भाजपा ने इसे राष्ट्र नायक महाराणा प्रताप का अपमान बताया। मैनपुरी में महाराणा प्रताप के अपमान के विरोध की चिंगारी जिले तक आ गई। मामले को लेकर सोमवार को भाजपा जिलाध्यक्ष संजय सिंह की अगुवाई में पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने कड़ा आक्रोश जताते हुए प्रदर्शन किया और कलेक्ट्रेट पहुंच कर राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल को सौंपा।

डीएम को ज्ञापन सौंपते भाजपाई। अमृत विचार

इसमें कहा गया है कि महाराणा प्रताप जैसे महान योद्धा ने देश के लिए अपना सब कुछ कुर्बान कर दिया, घास की रोटी खाकर भी मुगलों के सामने नहीं झुके। सत्ता के लालच में सपाई राष्ट्र नायक को अपमानित करने का काम कर रहे हैं। क्षत्रिय समाज लोकसभा चुनाव में सबक सिखाएगा। इस कृत्य के लिए सपा प्रमुख अखिलेश यादव देश से सार्वजनिक रूप से मांफी मांगे। ज्ञापन में दोषियों की गिरफ्तारी के साथ सख्त कार्रवाई की भी मांग की गई है। ज्ञापन देने वालों में संतोष कुमार गुप्त, बीके सिंह, स्वर्ण सिंह सोनू, गोविंद सिंह, नरेंद्र सिंह परिहार, अमित सेठ भेलू, राजकुमार राज, अंकित बासू, ममता मिश्रा, जागृति वर्मा, रामप्रसाद सोनी, नरेंद्र सिंह नन्ना, राकेश दद्दू समेत तमाम भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता शामिल रहे।

क्षत्रिय समाज से माफी मांगें सपा मुखिया

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा जिलाध्यक्ष नरेंद्र सिंह परिहार के नेतृत्व में महासभा पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने सोमवार को मैनपुरी घटना को लेकर कलेक्ट्रेट में मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा। ज्ञापन में कहा है कि मैनपुरी में सपाइयों द्वारा किया गया महाराणा प्रताप का अपमान निंदनीय है। उन्होंने इसे पूरी तरह से अक्षम्य व दंडनीय कृत्य करार दिया है। महासभा के उपाध्यक्ष श्याम सिंह ने कहा कि आगामी 9 मई को शहर स्थित एक मैरिज हाल में राष्ट्रनायक महाराणा प्रताप की जयंती मनाई जानी है, इसके पूर्व ही महाराणा प्रताप की प्रतिमा का अनादर करने वाले सपाइयों की गिरफ्तारी की जानी चाहिए, अन्यथा की स्थिति में राष्ट्रवादी सनातन धर्मी एवं क्षत्रिय समाज आंदोलन करेगा। इस मौके पर अजय सिंह गौर, एसके सिंह, गोविंद सिंह कछवाह, बीके सिंह, मनरूप सिंह, प्रशांत सिंह, यशपाल सिंह, नीलांबर सिंह, पतिराखन सिंह, बीएन सिंह, कैप्टन एसबी सिंह राठौर, क्षत्रपाल सिंह, रणविजय सिंह, आरएन सिंह, शिवमंगल सिंह आदि रहे।

कोई चलाएगा ट्रक-क्रेन तो कोई बजाएगा बांसुरी

कार्यालय संवाददाता, बांदा

- चुनाव चिह्न आवंटन के साथ प्रत्याशियों ने किया प्रचार अभियान का आगाज

अमृत विचार। बांदा-चित्रकूट लोकसभा चुनाव के लिए 20 मई को मतदान किया जाना है। सोमवार को नाम वापसी के बाद दर्जनभर उम्मीदवार चुनाव के मैदान में अपनी ताल ठोंक रहे हैं। राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों के उम्मीदवारों को जहां उनके दलीय चुनाव चिह्न निर्धारित हैं, वहीं रजिस्ट्रीकृत राजनीतिक दलों के प्रत्याशियों के लिए चुनाव आयोग द्वारा निर्धारित चुनाव चिह्न आवंटित किए गए हैं।

देश की सबसे बड़ी पंचायत के रण में अब सभी सियासी दलों के उम्मीदवार अपना प्रचार प्रसार तेज किए हुए हैं। वहीं सोमवार को नाम वापसी की समय सीमा समाप्त होने के बाद रजिस्ट्रीकृत राजनैतिक दलों के प्रत्याशियों के लिए भी चुनाव आवंटित कर दिए गए हैं। भाजपा, सपा और बसपा के अलावा राष्ट्र उदय पार्टी के गुलाब चंद्र वर्मा को ट्रक, सरदार पटेल सिद्धांत पार्टी के दिनेश कुमार पटेल को कटहल, भागीदारी पार्टी के पंचा उर्फ पंचमलाल को फुटबाल खिलाड़ी और अपना दल कमेरावादी के प्रमोद आजाद को लिफाफा चुनाव चिह्न आवंटित किया गया है। इसके अलावा लोग पार्टी के बाबूलाल को बक्सा, कम्युनिस्ट पार्टी आफ इंडिया के रामचंद्र सरस को बाल और हंसिया, भारतीय शक्ति चेतना पार्टी के श्रीराम सिंह गौर को बांसुरी, स्वतंत्र जनता राज पार्टी के सुरेंद्र कुमार को झूला चुनाव दिया गया है। जबकि एकमात्र निर्दलीय उम्मीदवार रामचरन को क्रेन चुनाव चिन्ह आवंटित किया गया है। चुनाव चिह्न आवंटन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब सभी उम्मीदवारों ने अपनी प्रचार सामग्री तैयार कराना शुरू कर दिया है और प्रचार अभियान को तेज कर दिया है।

सार-संक्षेप

डीसीएम खंती में पलटा, पांच मवेशियों की मौत

चिल्ला। थाना क्षेत्र के तारा गांव के पास सोमवार को मवेशियों से भरा तेज रफ्तार डीसीएम सड़क किनारे अनियंत्रित होकर खंती में जा घुसा। हादसे के बाद आसपास के तमाम ग्रामीण मदद को पहुंच गए। घटना की जानकारी ग्रामीणों ने थाना पुलिस को दी। खबर पाकर थानाध्यक्ष अनिल कुमार अपने हमराहियों के साथ आ गए। कड़ी मशक्कत के बाद पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से डीसीएम के अंदर दबे मवेशियों को बाहर निकाला। हादसे में डीसीएम के अंदर पांच मवेशियों की मौत हो गई। मवेशियों से भरे ट्रक को खाली करवा। थानाध्यक्ष ने घटना की सूचना पशु विभाग को दी। कुछ देर बाद पशु चिकित्सक अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। मृतक मवेशियों का पोस्टमार्टम करने के बाद जेसीबी की मदद से सड़क किनारे गड्ढा खुदवाकर मवेशियों के शवों को दफनाया। मामूली रूप से घायल मवेशियों का चिकित्सकों ने उपचार किया।

प्रदेश प्रभारी टटोलेंगे कार्यकर्ताओं की नब्ज

बांदा। लोकसभा चुनाव में संगठनात्मक स्थिति को परखने और कार्यकर्ताओं की नब्ज टटोलने के लिए कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी राष्ट्रीय महासचिव अविनाश पांडेय मंगलवार की दोपहर एक बजे शहर के स्टेशन रोड स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय में कार्यकर्ताओं के साथ भेंट वार्ता करेंगे। उनके साथ कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव बुंदेलखंड प्रभारी नीलांशु चतुर्वेदी भी मौजूद रहेंगे। कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रद्युम्न कुमार लालू दुबे ने जानकारी देते हुए सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं को चर्चा में शामिल होने की अपील की है। कार्यक्रम में गठबंधन के सहयोगी दलों के नेता भी शामिल रहेंगे।

दो लोगों ने जहर खाया

बांदा। बिसंडा थाना क्षेत्र के पिस्टा गांव निवासी साधन (32)पत्नी संतोष ने रविवार की रात घरेलू किसी बात से नाराज हो कर जहरीला पदार्थ खा लिया। इसी तरह मरका निवासी चंद्रभूषण (50) पुत्र झंडू ने घरेलू कलह से तंग आकर जहरीला पदार्थ खा लिया। दोनो को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

करंट से बालिका समेत दो झुलसे

बांदा। शहर के काशीराम कालोनी यशी (11) पुत्री सुनील रविवार की रात कूलर में हाथ छू जाने से करंट की चपेट में आकर झुलस गई। शहर के डीएम कालोनी निवासी राजरानी (42) पत्नी सिकंर सोमवार की सुबह करंट लगने से झुलस गई। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

बाइक से टकरा कर टेंपो पलटी, छह घायल

बांदा। जिला मुख्यालय से सवारी भर कर टेंपो पैलानी की तरफ जा रहा था। तभी पपरेंदा के पास सामने से आ रही बाइक से टकराने के बाद टेंपो आनियंत्रित होकर पलट गया। टेंपो सवार छह लोग चोटहिल हो गए। इसमें खप्टिहा कला निवासी सूरजबली (34) पुत्र रामकुमार, शहर के झीलपुरवा निवासी लल्लूराम (55) पुत्र रामप्रसाद के अलावा बाइक सवार युवक भी गंभीर रूप से घायल हो गया।

पशुबाड़ा में आग लगने से छह मवेशी जिंदा जले

बबेरू। कोतवाली क्षेत्र के परास गांव निवासी नरोत्तम पुत्र भेला के मवेशी बाड़ा में सोमवार की दोपहर शार्ट शर्किट से आग लग गई। आग की लपटे देख नरोत्तम ने शोर मचाया। शोर गुल सुनकर आस पास के लोग दौड़ पड़े। मामले की जानकारी फायर बिग्रेड को दी गई। फायर बिग्रेड के पहुंचने से पहले समर्सिबल के जरिए आग पर काबू पाया गया। आग बुझाने में नरोत्तम (47) और रिश्तेदार लवकुश (18) पुत्र संतोष भुराने पुरवा झुलस गए। दोनो को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। नरोत्तम ने बताया कि इस अग्निकांड में एक भैंस उसका बच्चा और चार बकरिया जिंदा जल कर मर गई। एक बाइक भी जल कर खाक हो गई।

शोकसभा कर दी श्रद्धांजलि

बदौसा : कस्बे के वरिष्ठ मीडिया कर्मी रमाशंकर सैनी के छोटे भाई गुड्डू सैनी की हृदय गति रुक जाने से आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन की खबर मिलते ही मीडिया जगत में शोक की लहर दौड़ गई। मीडिया कर्मियों ने शोक सभा करते हुए श्रद्धांजलि दी। साथ ही दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए विशेष प्रार्थना की गई। इस मौके पर पत्रकार संतोष कुशवाहा, हरीओम बाजपेयी, अजय यादव, पप्पू गुप्ता, रामरूप कुशवाहा, अहसान अली, अरविंद कुमार आदि उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण समाप्त, प्रशिक्षुओं को बांटे गए प्रमाणपत्र

संवाददाता, बदौसा

अमृत विचार। स्वयंसेवी संस्था के तत्वाधान में आयोजित किशोरियों के सात दिवसीय ब्यूटीशियन प्रशिक्षण समापन पर प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। संस्था पदाधिकारियों ने किशोरियों से आत्मनिर्भर बनने का आह्वान किया गया।

क्षेत्र के गजपतिपुर गांव में जागृति फाउंडेशन के तत्वावधान में किशोरियों का सात दिवसीय ब्यूटीशियन प्रशिक्षण सोमवार को खत्म हो गया। समापन पर ग्राम प्रधान शिवशरण यादव ने प्रशिक्षु किशोरियों को प्रमाणपत्र बांटे। ग्राम प्रधान ने कहा कि संस्था ने गांव की किशोरियों को ब्यूटीशियन प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाने का सराहनीय काम किया है। संस्था के प्रबंध निदेशक डा.हेमंत यादव ने बताया कि संस्था कई रोजगारपरक निशुल्क प्रशिक्षण देकर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास कर रही है। इस दौरान संस्था संस्थापक दुर्गा प्रसाद समेत प्रशिक्षक व मेकअप आर्टिस्ट अर्चना अवस्थी, लक्ष्मी कुमारी सहित तमाम प्रशिक्षु किशोरियां शामिल रहीं।

छात्र-छात्राओं ने निकाली रैली

संवाददाता,चिल्ला

अमृत विचार। सोमवार को कस्बा स्थित संगम इंटर कालेज प्रधानाचार्य पवन निगम और कन्या पूर्व माध्यमिक विद्यालय प्रधानाध्यापिका मीरा देवी की संयुक्त अगुवाई में तमाम शिक्षक-शिक्षिकाओं व छात्र-छात्राओं ने मतदाता जागरूकता रैली निकाली। सभी ने घर-घर दस्तक देकर लोगों को मतदान का आमंत्रण दिया। कहा कि लोकसभा के चुनाव हों या फिर विधानसभा, यह पांच साल के बाद आते हैं इसलिए चुनावों में वोट डालना बहुत जरूरी होता है। इसलिए 20 मई को होने वाले मतदान में प्रत्येक मतदाता उस अधिकार का प्रयोग करें जो कि समाज, राज्य और देश की भलाई के लिए बहुत जरूरी है। जितना ज्यादा मतदान होगा, हमारा लोकतंत्र भी उतना ही ज्यादा मजबूत होगा। देश में वोट की महत्ता बहुत ज्यादा है। किसी के पीछे लगकर नहीं अपनी सूझबूझ से अच्छे प्रत्याशी को वोट करना चाहिए। इस मौके पर ग्रामीणों को अधिक से अधिक मतदान की शपथ दिलाई गई। इस मौके पर रामसुफल, अर्चना देवी, इंद्रजीत, गीता देवी, रामभरोसे मिश्रा, जावेद अहमद, कमलेश, कुसुम शुक्ला, धीरेंद्र कुमार गुप्ता आदि रहे

जागरुकता रैली निकालते छात्र-छात्राएं। अमृत विचार

सयुस के पदाधिकारी नियुक्त किए गए

बांदाः लोकसभा चुनाव के दौरान पार्टी प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित कराने को सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव, प्रदेशाध्यक्ष नरेश उत्तम और युवजन सभा प्रदेशाध्यक्ष की संस्तुति पर जिलाध्यक्ष ने अतर्रा नगर महासचिव समेत तीन जिला सचिव की नियुक्ति कर दी। युवजन सभा जिलाध्यक्ष आमिर खां मन्नी ने इंद्रजीत यादव (कमासिन), विनय साहू व रोहित गुप्ता (अतर्रा) को जिला सचिव और प्रिंस खंगार को अतर्रा नगर महासचिव नियुक्त किए गए। जिलाध्यक्ष ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को सपा प्रत्याशी के समर्थन में जनसंपर्क अभियान तेज कराने के निर्देश दिए।

लोकसभा चुनाव | प्रेक्षकों ने सर्किट हाउस में अधिकारियों के साथ की बैठक, मतदान कार्मिकों के लिए पोस्टल बैलेट से वोट देने की व्यवस्था करने को कहा

'आदर्श आचार संहिता का प्राथमिकता से कराएं अनुपालन'

कार्यालय संवाददाता,बांदा

अमृत विचार। लोकसभा चुनाव के लिए सकुशल चुनाव संपन्न कराने के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में प्रेक्षकों ने सर्किट हाउस में आयोजित बैठक में आदर्श आचार संहिता का अनुपालन कराने एवं मतदान कार्मिकों को बेहतर प्रशिक्षण दिलाए जाने के सख्त निर्देश दिए।

बैठक को संबोधित करतीं प्रेक्षक। अमृत विचार

सामान्य प्रेक्षक वी.कलाईराशि की अध्यक्षता व पुलिस प्रेक्षक जॉय विश्वास एवं व्यय प्रेक्षक सब्यसांची चक्रवर्ती की मौजूदगी में सर्किट हाउस के सभागार में सोमवार को अधिकारियों की बैठक आयोजित हुई। इसमें सामान्य प्रेक्षक ने लोकसभा सामान्य निर्वाचन के संबंध में आदर्श आचार संहिता का अनुपालन कराए जाने तथा मतदान कार्मिकों को मतदान प्रक्रिया व कार्यों के बारे में गहनता से प्रशिक्षण दिलाए जाने और मतदान कार्मिकों को भी मतदान करने के लिए प्रशिक्षण के समय पोस्टल बैलेट के लिए फैसिलिटेशन सेंटर की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। पुलिस प्रेक्षक जॉय विश्वास चुनाव के सम्बन्ध में पुलिस की कार्रवाई, चेकिंग और बॉर्डर प्वाइंटों पर नियमित रूप से दिन-रात चेकिंग कराए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य सम्बन्धी बचाव के लिए आवश्यक वस्तुओं का उपयोग करते हुए निर्वाचन कार्यों को कुशलता एवं शांतिपूर्ण, निष्पक्ष संपादित कराने के निर्देश दिये।

उन्होंने मतदान पार्टी रवानगी, मतदान दिवस व मतदान पार्टी की वापसी के समय बेहतर ट्रैफिक की समुचित व्यवस्था कराए जाने के निर्देश दिए। इसी क्रम में व्यय प्रेक्षक सब्यसांची चक्रवर्ती ने प्रत्याशियों के चुनाव से संबंधित किए जाने वाले व्यय का लेखा-जोखा विधिवत तैयार करने के लिए निर्देशित किया। बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल ने प्रेक्षकों को निर्वाचन कार्यो की तैयारी के संबंध में प्रेजेंटेशन के द्वारा जानकारी दी गयी, जिसमें मतदान केद्रों का विवरण, कार्मिकों के प्रशिक्षण की व्यवस्था, निर्वाचन से संबंधित प्राप्त शिकायतों के निस्तारण व आदर्श आचार संहिता के अनुपालन कराए जाने के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गयी।

बैठक में पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल ने मतदान केद्रों में आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था एवं पुलिस द्वारा की गई कार्यवाही, जिला सुरक्षा प्लान के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी राजेश कुमार, उप जिला निर्वाचन अधिकारी चित्रकूट, प्रभारी अधिकारी कार्मिक मुख्य विकास अधिकारी वेद प्रकाश मौर्य, अपर पुलिस अधीक्षक लक्ष्मी निवास मिश्रा, अपर पुलिस अधीक्षक चित्रकूट सहित निर्वाचन कार्यों से जुड़े नोडल अधिकारीध्सहायक नोडल अधिकारी उपस्थित रहे।

- बॉर्डर प्वाइंट पर नियमित रूप से दिन-रात चेकिंग कराए जाने के दिए निर्देश

चुनावी व्यय निरीक्षण के लिए तिथियां घोषित

जिलाधिकारी/रिटर्निंग आफीसर दुर्गाशक्ति नागपाल ने बांदा-चित्रकूट संसदीय क्षेत्र के सभी प्रत्याशियों को अवगत कराया है कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार निर्वाचन व्यय अनुवीक्षण के सार संग्रह अनुलग्नक ग-15 के अनुपालन में व्यय प्रेक्षक की सहमति प्राप्त करने के उपरांत व्यय लेख का निर्धारित तिथि के अनुसार निरीक्षण किया जाएगा। व्यय प्रेक्षक कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में प्रथम निरीक्षण 9 मई को सुबह 10 बजे से सायं पांच बजे तक, द्वितीय निरीक्षण 14 मई को तथा तृतीय निरीक्षण 18 मई को निर्धारित समय के अनुसार किया जाएगा। उन्होंने सभी प्रत्याशियों से अपील की है कि वह निर्धारित तिथि, समय व स्थान पर उपस्थित होकर अपना व्यय लेखा प्रस्तुत करें, जिसमें दैनिक व्यय, लेखा पंजिका, बैंक पंजिका, बिल बाउचर एवं बैंक स्टेटमेंट की छाया प्रतियां तीन प्रतियों में प्रस्तुत करना आवश्यक होगा।

कुलपहाड़ में स्टेट बैंक के एटीएम से रुपये चुराने की हुई कोशिश

मुख्यालय से आई सूचना पर पहुंची पुलिस ने शटर खोलकर एक को किया गिरफ्तार

संवाददाता, कुलपहाड़-महोबा

- हैदराबाद स्थित मुख्यालय की सजगता के चलते टल गई घटना
- आसपास के सीसीटीवी के फुटेज भी खंगाल रही पुलिस

चोरी के प्रयास से बिखरा पड़ा एटीएम का सामान। अमृत विचार

अमृत विचार। भारतीय स्टेट बैंक के एटीएम के शटर का कुंदा तोड़कर अंदर लगे एटीएम का बदमाशों ने लॉक तोड़कर रुपये चोरी करने का प्रयास करते रहे, लेकिन हैदराबाद हेड आफिस की सजगता से चोरी की घटना को अंजाम नहीं दे सके और एटीएम में पड़े लाखों रुपये बच गया। इसी बीच बैंक के कैशियर ने मुख्यालय की सूचना पर कोतवाली कुलपहाड़ को सूचना एटीमदी। पहुंची पुलिस ने एटीएम के अंदर घुसे एक चोर को मौके पर ही दबोच लिया और उससे पूछताछ की जा रही है।

नगर के राष्ट्रीय राजमार्ग सुगिरा रोड पर बस स्टैंड से चंद कदम की दूरी पर एक किराए की दुकान में संचालित एसबीआई बैंक के एटीएम पर बीती देर रात को चोर ने शटर का कुन्दा तोड़कर अंदर प्रवेश कर गया और शटर बंद कर लिया। वह एटीएम का लॉक तोड़कर रुपये निकालने का प्रयास करने लगा। काफी देर तक रुपये चुराने की जुगत लगा रहे चोर को अंदर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। हैदराबाद के हेड आफिस द्वारा फुटेज देखकर उन्होंने तुरंत स्थानीय बैंक के कैशियर संदीप को फोन पर जानकारी देते हुए तत्काल पुलिस को सूचना देने के लिए कहा। बैंक के कैशियर द्वारा पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पहुंचकर एटीएम की घेराबंदी कर शटर को उठाकर देखा, तो एक व्यक्ति अंदर घुसा हुआ था। उसे पुलिस ने उसे पकड़ लिया, और हिरासत में लेकर थाने पहुंची। जहां पुलिस द्वारा पूछताछ की जा रही है।

हैदराबाद हेड आफिस की सजगता व पुलिस की तत्परता के कारण बड़ी घटना होने से बच गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर पुलिस की रात्रि गश्ती होती तो ऐसी घटना नहीं हो सकती। लोगों का कहना है कि एक व्यक्ति इतनी बड़ी घटना को अंजाम नहीं दे सकता। अगर पुलिस सख्ती से पूछताछ करेगी तो और भी नाम उजागर हो सकते हैं। पुलिस एटीएम कैमरे के अलावा आसपास के सीसीटीवी कैमरे को खंगालने के प्रयास में जुटी हुई है। प्रभारी निरीक्षक भास्कर मिश्र का कहना है कि मौके पर एक व्यक्ति को पकड़ा गया है, जिससे पूछताछ की जा रही है। तहरीर प्राप्त होते ही उक्त के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। वहीं शाखा प्रबंधक सचिन से जब वार्ता की गई तो उन्होंने कहा कि उच्चाधिकारियों के आदेश मिलते ही तहरीर देकर मुकदमा पंजीकृत कराया जाएगा।

पुलिस ने महिला सुरक्षा की अलख जगाने को लगाई चौपाल

महोबा। मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक महोबा अपर्णा गुप्ता के निर्देशन पर जनपद महोबा के थानों में नियुक्त एंटीरोमियो, शक्ति दीदी टीम द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्र के ग्रामों में भ्रमण कर जन चौपाल का आयोजन किया गया। महिला सुरक्षा, सम्मान व स्वावलम्बन के लिए चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान के तहत सोमवार को शक्ति दीदी महिला बीट तथा महिला हेल्प डेस्क के माध्यम से जनपद के थानों पर आउटरीच प्रोग्राम चलाकर अपने-अपने थाना क्षेत्र अंतर्गत आबादी क्षेत्र, बाजारों, भीड़भाड़ वाले इलाकों, स्कूलों, कॉलेजों, कोचिंग संस्थानों, मेलों एवं गांव में पहुंचकर बालिकाओं, छात्राओं एवं महिलाओं को महिला उत्पीड़न की रोकथाम संबंधी अधिकारों एवं महिला उत्पीड़न के संबंध में पुलिस द्वारा की जाने वाली कार्यवाही के बारे में जागरूक किया गया।

इस दौरान महिलाओ और बालिकाओं को मिशन शक्ति नारी सुरक्षा,नारी सम्मान व नारी स्वावलंबन अभियान के तहत महिला सुरक्षा व बचाव संबंधी जानकारी दी गई और हेल्प लाइन नम्बर की जानकारी दी गई।

सीएचसी परिसर जाम, फंसी एंबुलेंस

संवाददाता, बेलाताल महोबा

सीएचसी जैतपुर परिसर में वाहन के बीच फंसी एम्बुलेंस। अमृत विचार

- पार्किंग है, फिर भी परिसर में मनमाने तरीके से खड़ा कर रहे वाहन

अमृत विचार। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जैतपुर परिसर में पार्किंग होने के बाद भी अस्पताल परिसर में आड़े तिरछे वाहन खड़े करने से उपचार के लिए आने वाले मरीजों और तमीरदारों भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। अस्पताल परिसर पर बेतरतीब खड़ी बाइकें व अन्य वाहन के चलते सोमवार को सीएचसी से एक मरीज को रेफर किया गया और उसे एम्बुलेंस से ले जाने लगे, लेकिन आड़े तिरछे वाहन खड़े होने के चलते करीब एक घंटे बाद बाइकों को अलग करवाकर मरीज को एम्बुलेंस से ले जाया जा सका। स्वास्थ्य विभाग द्वारा वाहनों के आड़े तिरछे खड़े किए पर अंकुश न लगाए जाने से लोगों में खासा आक्रोश व्याप्त है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जैतपुर के मुख्य गेट के सामने दर्जनों वाहन खड़े रहते हैं, जिसके चलते इमरजेंसी सहित अन्य वार्डो में आने जाने वाले मरीजों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अस्पताल में आने वाले रोगियों के लिए रास्ते में खड़ी मोटरसाइकिलें व अन्य वाहन मुसीबत बने हुए हैं। अस्पताल के मुख्य गेट के सामने वाहन चालकों के लिए अपने वाहनों को खड़ा करना आम बात को गई है। बावजूद इसके विभाग द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है, जिसका खामियाजा उपचार कराने वाले मरीजों और तीमारदारों को भुगतना पड़ रहा है। सोमवार को डाक्टर द्वारा एक मरीज को जिला अस्पताल के लिए रेफर किया गया और उसे एम्बुलेंस से ले जाने लगे, लेकिन बेतरतीब वाहन खड़े होने के चक्कर में तमीरदार काफी परेशान रहे और अस्पताल के कर्मचारी मनोज रावत की मदद से बाइक स्वामियों को बुला-बुला कर मरीज लेकर जाने वाली एंबुलेंस को निकाला गया।

तीमारदारों का कहना है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में वाहनों को खड़ा करने के लिए पार्किंग की व्यवस्था की गई है, लेकिन वाहन चालक पार्किंग पर वाहन खड़ा न करके परिसर और मुख्य गेट के आसपास गाड़ियां खड़ी कर चले जाते है, जिससे पार्किंग पूरी तरह खाली रहती है। लोगों का कहना है कि कई बार इस बावत स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को अवगत कराया गया, लेकिन आज तक इस समस्या का समाधान नहीं किया गया। इस संबन्ध में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जैतपुर के चिकित्साधीक्षक डा0 आशीष तिवारी से पूछा गया तो उन्होंने बताया कि वैसे तो अस्पताल के सामने वाहन नहीं खड़े होने दिए जाते फिर भी कोई वाहन अस्पताल के गेट पर खड़ा कर देता है तो उसे हटवा दिया जाता है। अस्पताल में वाहन को लेकर आने वाले लोगों को पार्किंग का इस्तेमाल करना चाहिए।

व्यापारियों ने बढ़ाए गेहूं के भाव

संवाददाता जैतपुर महोबा

गेहूं क्रय केंद्र पर पसरा सन्नाटा। अमृत विचार

अमृत विचार। कस्बे की गल्ला मंडी में व्यापारियों द्वारा गेहूं की कीमत बढ़ा देने से मण्डी में किसानों की भारी भीड़ जुटने लगी है। अब किसान गेहूं क्रय केंद्रो की बजाय मंडी की तरफ रुख कर रहा है, जिससे गेहूं क्रय केंद्रों पर सन्नाटा पसरा हुआ है। केंद्र प्रभारी किसानों की आने की उम्मीद में सारा दिन हाथ पर हाथ धरे बैठे रहते हैं।

कस्बा जैतपुर की गल्ला मंडी में व्यापारियों ने गेहूं के दाम में वृद्धि कर दी है अब किसानों को क्रय केंद्रों की अपेक्षा गल्ला मंडी में गेहूं की अधिक कीमत मिल रही हैं, जिससे किसानों ने क्रय केंद्रों से किनारा कर लिया है और खुलेआम व्यापारियों को गेहूं बेच रहा है। शासन द्वारा किसानों से गेहूं की खरीद की रोक के बाद भी व्यापारियों पर कोई असर नहीं पड़ रहा है। वह कीमत बढ़ाकर अब किसानों का गेहूं खुलेआम खरीद रहे हैं। बाजार में गेहूं की आमद कम हो जाने पर व्यापारियों ने 2300 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 2400 रुपये प्रति क्विंटल रेट कर दिए हैं। जिससे किसान व्यापारियों को ही अपना माल बेच रहे हैं।

किसानों का कहना है कि गेहूं क्रय केंद्रों पर एक तरफ जहां भाव भी कम है, दूसरी तरफ बिक्री के बाद नगद राशि भी नहीं मिलती है, इसके अलावा बिक्री करने पर कागजों की खानापूर्ति भी करना पड़ती है। इन सारे झमेलों से बचने और अधिक रेट मिलने के कारण अब किसान गल्ला मंडी में ही गेहूं बेच रहा है। जहां पर उसे तौल होने के बाद तत्काल भुगतान कर दिया जाता है। यही वजह है कि किसानों के ट्रैक्टर और बैलगाड़ियां मंडी में दिन दिन भर खड़ी रहती है। गेहूं बिकने के बाद किसान नगद पैसा लेकर बाजार में खरीददारी करता और शाम को अपने घर पहुंचता है। जबकि गेहूं क्रय केंद्रों पर सन्नाटा छाया हुआ है।

लाभांश न मिलने पर कोटेदार नहीं बांटेगे चालू माह में खाद्यान्न

जैतपुर महोबा। विकासखंड जैतपुर क्षेत्र के कोटेदारों द्वारा चार माह तक राशन वितरण करने के बाद मात्र एक माह का लाभांश दिए जाने से नाराज कोटेदारों ने धरना प्रदर्शन कर मई माह राशन वितरण न किए जाने की चेतावनी दी है।

विकासखंड पनवाड़ी और जैतपुर के आधा सैकड़ा से ज्यादा कोटेदारों का राशन वितरण करने वाला लाभांश तीन माह से नहीं मिला है। कोटेदारों द्वारा कई बार लिखा पढ़ी करने के बाद कोई ध्यान न दिए जाने से कोटेदारों में आक्रोश पनप रहा है। कोटेदारों ने चेतावनी दी कि यदि एक सप्ताह के अंदर शेष तीन माह का बकाया पड़ा लाभांश का वितरण नहीं किया गया तो कोटेदार माह मई में खाद्यान्न सामग्री का वितरण नहीं करेंगे। कोटेदारों की चेतावनी पर अधिकारियों ने लाभांश दिलाए जाने का भरोसा दिया है।

कच्छप गति से सड़क निर्माण, लोग परेशान

कार्यालय संवाददाता, महोबा

सीसी सड़क निर्माण की हालत। अमृत विचार

- उड़ती धूल पर पानी का छिड़काव कराने की मांग

अमृत विचार। कस्बा पनवाड़ी में हरपालपुर और महोबा की डामरीकरण सड़क को सीसी रोड में तब्दील किया जा रहा है। कछुआ गति से चल रहा सड़क निर्माण कार्य से जाम की समस्या हो रही है। वहीं आसपास के दुकानदार उड़ती धूल मिट्टी से परेशान हैं। सड़क निर्माण के चलते हो रही दिक्कतों से दुकानों की बिक्री पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। कस्बा वासियों और दुकानदारों ने संबन्धित अधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर ठेकेदार को तेज गति से कार्य कराए जाने की मांग की है।

गौरतलब है कि कस्बा पनवाड़ी में कई वर्षो से सड़कों का निर्माण न होने से रोड गड्ढों में तब्दील हो गई थी, जिससे वाहन चालकों को सावधानीपूर्वक इस सड़क से गुजरना पड़ता था, जिससे कोई दुर्घटना न हो सके। कस्बे के समाजसेवियों और दुकानदारों द्वारा कई बार तहरीर देकर सड़क निर्माण कराए जाने क मांग की थी, जिस पर शासन प्रशासन द्वारा डामरयुक्त सड़कों को हटाकर उसके ऊपर सीसी रोड डलवाई जा रही है। ठेकेदार द्वारा पनवाड़ी चौराहे से हड़पालपुर और पनवाड़ी महोबा जाने वाली सड़क को सीसी कार्य पिछले कई माह पहले शुरू करा गया था, लेकिन आज तक सड़क के एक तरफ ही कुछ मीटर ही कार्य हो सका है, जिससे इस चौराहे पर आएदिन जाम लग जाता है, जिससे वाहन चालकों के साथ साथ राहगीरों को भारी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। कस्बा वासियों का कहना है कि पनवाड़ी में आसपास के एक दर्जन से ज्यादा ग्रामों के ग्रामीणों का प्रतिदिन आना जाना होता है और इसी रोड पर मुख्य बाजार पड़ने के कारण लोगों को जाम की वजह से काफी परेशान होना पड़ता है। बताया कि ठेकेदार द्वारा सीसी निर्माण कार्य में तेजी न लाने के कारण आएदिन लोग जाम के झाम में फंस जाते हैं। दुकानदारों का कहना है कि ठेकेदार द्वारा सीसी रोड में पानी नहीं डाला जा रहा है, जिससे हवा चलते ही धूल दुकानों उड़कर आ जाती है। बताया कि बेचने के लिए रखे समोसे भजिया, जलेबी, चाय आदि खानपान की वस्तुओं को ढकने के बावजूद धूल बैठ जाती है, जिससे कुछ ग्राहक इन वस्तुओं को खरीदने से इंकार कर देते है, जिससे दुकानदारी पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। कस्बा वासियों और दुकानदारों ने शासन प्रशासन का ध्यान आकर्षित करते हुए प्रार्थना पत्र देकर सीसी रोड निर्माण में तेजी लाने के साथ साथ उड़ रही धूल पर प्रतिदिन पानी डाले जाने की मांग की है।

अन्नदाता किसान सम्मेलन में मंत्री ने गिनाईं उपलब्धियां

महोबा। अन्नदाता किसान सम्मेलन का आयोजन सोमवार को टूरिस्ट बंगला में किया गया, जहां पर हमीरपुर व महोबा के किसानों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। इस मौके पर प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री रामकेश निषाद ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम में राज्यमंत्री ने सरकार की उपलब्दियों को गिनाया।

किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि हर घर जल हर घर नल योजना के तहत लोगों की प्यास बुझाने के लिए सरकार ने निःशुल्क कनेक्शन दिए हैं, जिससे आज लोगों को घर बैठे पानी मिल रहा है। छोटे-छोटे तालाबों, नदियों, नहरों और बांधों में पानी की भी व्यवस्था की जा रही है, जिससे बाढ़ आने पर बांध का पानी सूखी नदियों, तालाबों में पहुंचाया जाएगा।

राज्यमंत्री ने कहा कि अन्नदाता को प्रधानमंत्री सम्मान निधि दी जा रही है। ओलावृष्टि होने के बाद किसानों को मुआवजा दिया जा रहा है। सरकार के निर्देश पर राजस्व विभाग की टीमों ने गांव गांव जाकर बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से बर्बाद हुई फसल का आंकलन कराकर उनके खातों में मुआवजा राशि भेजी जा रही है। सांसद पुष्पेंद्र सिंह चंदेल ने कहा कि सदन में बुंदेलखंड की समस्याओं को जोरदार तरीके से रखा गया है।

स्कूली बच्चों को आश्रम की सैर कराकर बढ़ाया ज्ञान

कार्यालय संवाददाता, महोबा

आश्रम में सब्जी- पूड़ी का आनंद लेते बच्चे। अमृत विचार

अमृत विचार। शिरडी सांई बाबा स्कूल निसवारा के शिक्षकों के साथ छात्र-छात्राओं ने मुनि विश्वामित्र आश्रम की सैर की, जिससे बच्चों को पढ़ाई के साथ साथ के बौद्धिक और मानसिक विकास में सहायता मिल सके। इस मौके पर शिक्षकों द्वारा आश्रम में लगे तमाम पेड़ पौधों, फूल और जड़ी बूटियों की जानकारी दी गई साथ ही बच्चों की टीमें बनाकर खेलकूद खिलाया गया। बच्चों में सैर के प्रति खासा उत्साह नजर आया।

विकासखंड पनवाड़ी के निसवारा ग्राम में स्थित शिरडी सांई बाबा स्कूल के छात्र छात्राओं को एक दिन के लिए पढ़ाई से विराम देते हुए उनके बौद्धिक और मानसिक विकास बढ़ाए जाने के लिए स्पोर्ट शिक्षक प्रदीप सिंह के नेतृत्व में मुनि विश्वामित्र आश्रम की सैर कराई गई। विद्यार्थियों के साथ स्कूल के तमाम शिक्षक भी मौजूद रहे, जिनकी देखरेख में छात्र छात्राओं ने सारा दिन आश्रम की सैर करते हुए मस्ती की। शिक्षकों द्वारा आश्रम में लगे पेड़ पौधों से बच्चों को रुबरू कराते हुए वनस्पति ज्ञान को बढ़ाया गया साथ ही तमाम प्रकार के फूल और जड़ी बुटियों को दिखाकर उसके बारे में बताया गया। खेल शिक्षक ने जानकारी देते हुए बताया कि लगातार एक सप्ताह की पढ़ाई करने के बाद विद्यालय प्रबंधन द्वारा निशुल्क छात्र छात्राओं को एतिहासिक, धार्मिक और सैर सपाटे वाली जगहों पर घूमाया जाता है और उन स्थानों की जानकारी भी प्रदान की जाती है, जिससे वह अपने आसपास के स्थलों में जानकारी हासिल कर सके। बताया कि प्रत्येक गुरुवार को स्कूली बच्चे शिक्षकों के साथ सांई मंदिर में जाते हैं और संगीतमय भजन कीर्तन का आनंद लेते हैं। पिकनिक के मौके पर बच्चों को पूड़ी सब्जी हलवा आदि बनाकर खिलाया गया, जिसे खाकर बच्चे खासे खुश नजर आए।

कार्यक्रम में बोलती प्रधानाचार्य सरगम खरे। अमृत विचार

बाल विवाह से बच्चों के अधिकारों का होता हनन

कार्यालय संवाददाता, महोबा

- जीजीआईसी में बाल विवाह जागरुकता कार्यक्रम का किया गया आयोजन

अमृत विचार। शहर के राजकीय बालिका इंटर कालेज में सोमवार को बाल विवाह जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वक्ताओं ने बाल विवाह पर अंकुश लगाने और बाल विवाह से होने वाले दुष्परिणाम की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही बाल श्रम से मुक्त कराकर शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने के संबंध में छात्राओं को जागरुक किया गया।

आगामी 10 मई को अक्षय तृतीय को दृष्टिगत रखते हुए बाल विवाह रोकथाम के लिए अधोहस्ताक्षरी जिला प्रोवेशन अधिकारी एवं जिला बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी के निर्देश पर राजकीय बालिका इंटर कालेज महोबा में बाल विवाह जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर प्रधानाचार्य सरगम खरे ने कहा कि बाल विवाह बच्चों के अधिकारों पर अतिक्रमण करता है, जिससे उन पर हिंसा, शोषण तथा यौन शोषण का खतरा बना रहता है। बाल विवाह लड़कियों और लड़कों दोनों पर असर डालता है, लेकिन इसका प्रभाव लड़कियों पर अधिक पड़ता है। उन्होंने कहा कि किसी लड़की या लड़के की शादी 18 साल की उम्र से पहले होना बाल विवाह कहलाता है। बाल विवाह बचपन खत्म कर देता है। बाल विवाह बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और संरक्षण पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। बाल विवाह का सीधा असर न केवल लड़कियों पर, बल्कि उनके परिवार और समुदाय पर भी होता हैं।

बाल कल्याण सतिति की सदस्य मधुबाला चौरसिया ने कहा कि उन्होंने कहा कि जो बच्चे दुकानों, होटलों में काम करते हैं, भीख मांगने और कचरा चुनने का काम करने सहित कहीं भी असुरक्षित रह रहे हैं। उन्हें इन सब कार्यों से विमुक्त करते हुए स्कूली शिक्षा से जोड़ना का प्रयास हम सभी को मिलकर करना चाहिए।

साथ ही इन बच्चों के अभिभावक से मिल कर सभी सरकारी योजनाओ की जानकारी देना चाहिए। कहा कि जो देखभाल और संरक्षण के श्रेणी में हैं। वर्तमान में सरकार की जितनी योजनाएं संचालित हैं। लोग अपनी मानसिकता को बदलकर इसका फायदा लें और बच्चों को स्कूल जरूर भेजें।

क्या जरूरी है... उलेमाओं ने हज यात्रियों को बताए अरकान करने के तरीके

प्रशिक्षकों ने 31 हज यात्रियों को समझाईं छोटी-छोटी बातें

कार्यालय संवाददाता, महोबा

हज के बावत जानकारी देते मौलाना

टीकाकरण के लिए पंजीयन कराते हज यात्री। अमृत विचार

अमृत विचार। हज यात्रा पर जाने वाले हाजियों को सोमवार को शहर के शार्कइन हाल में टीकाकरण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ, जहां पर प्रशिक्षकों द्वारा हज के अरकान बनाए गए। वहीं मौलानाओं ने हज करने के बाद विस्तृत जानकारी दी। जिले से 31 हज यात्री मक्का मदीना के लिए रवाना होंगे। प्रशिक्षण देने के लिए सुबह से ही हज यात्री प्रशिक्षण स्थल पर पहुंच गए, जहां पर प्रशिक्षकों के अलावा उलेमाओं ने भी हज यात्रियों को हज करने के अरकान बताते हुए उन्हें तरतीब के साथ करने की सलाह दी।

इस मौके पर आमिल मौलाना जमालुद्दीन ने कहा कि आर्थिक और शारीरिक रुप से सक्षम इंसान पर हज फर्ज है। कहा कि हज जिंदगी में एक बार फर्ज है। हज में जाने वाले आजमीन को दीनी मसायल को जानना जरुरी है। हज के अरकान के बारे में और यह भी जानना जरुरी है कि हाजी को अहराम की हालत में सिले हुए कपड़े पहनना मना है। कहा कि हज करने वाला गुनाहो से ऐसे पाक हो जाता है जैसे मां के पेट से अभी पैदा हुआ बच्चा हो। आमिल मौलाना गयासुद्दीन ने बताया कि हज में जाने वाले आजमीन को सरकारी गाइड लाइन का जानना जरुरी है। आप अपने साथ गुटखा, तंबाकू आदि जो प्रतिबंध है उसे अपने साथ नहीं ले जा सकते और आपका स्वस्थ होना जरुरी है। वहां पर काफी चलना पड़ता है, इसलिए चलने की आदत डालना चाहिए। कहा कि वहां पर आपको अपने भारत की निशानी रखनी होती है, जिससे आपको पहचानने में आसानी हो सकती है। काबा शरीफ का तवाफ करना और अराफात में ठहना फर्ज है। मैदान-ए-मिना और मुजदलफा में ठहरना, सफा मरवा पहाड़ी का चक्कर लगाना, शैतान को कंकड़ मारना, आब-ए-जमजम का पानी पीना हज के लिए जरुरी है। इस मौके पर प्रशिक्षकों और हाजियों ने हज में जाने वाले लोगों को प्रशिक्षण दिया। दारुल उलूम निसवां के प्रबंधक हाफिज फारुख अंसारी, प्रधानाचार्य अली वारिस, दारुल उलूम समदिया के प्रधानाचार्य नौशाद रजा आदि रहे।

टीकाकरण किया गया

हज यात्रियों को हज यात्रा पर जाने से पहले शार्कइन हाल में स्वास्थ्य विभाग टीम ने हज यात्रियों का परीक्षण किया। इसके बाद उनका टीकाकरण किया गया। इसके बाद उन्हें दवा भी पिलाई गई, इसके लिए चिकित्सकों के अलावा महिला और पुलिस कर्मचारियों को लगाया गया। डा0 आहद के निर्देशन पर टीकाकरण अभियान चलाया गया। इससे पूर्व एक के बाद सभी हज यात्रियों का पंजीयन कराया गया।

दुष्कर्म के मामले में दोषी को 10 साल का कठोर कारावास

खेत में चारा काट रही महिला के साथ पड़ोसी ने किया था दुष्कर्म

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

अमृत विचार। थाना मुस्करा के एक गांव में करीब तीन साल पूर्व खेत में चारा लेने गई महिला को कुल्हाड़ी दिखा धमकाकर दुष्कर्म करने के मामले में सोमवार को अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एफटीसी-प्रथम) मनोज कुमार शासन की अदालत में सुनवाई हुई। अदालत ने अभियुक्त को 10 साल के कठोर कारावास व 30 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है।

एडीजीसी महेशचंद्र द्विवेदी व रामबाबू अवस्थी ने बताया कि थाना मुस्करा के एक गांव में नौ नवंबर 2021 को शाम चार बजे महिला खेत में चारा काटने गई थी। तभी पहले से खेत में कुल्हाड़ी लेकर मौजूद अभियुक्त ज्ञान सिंह यादव ने उसे दबोच लिया और दुष्कर्म किया। बताया वह पहले भी एक बार रास्ते में छेड़खानी कर चुका है। यह व्यक्ति क्रिमनल एवं गुंडा है। इस मामले में पीड़िता ने थाने में 10 नवंबर 2021 को दुष्कर्म करने का प्रार्थना पत्र दिया, जिसमें उसने सारी घटना का विस्तार पूर्वक जिक्र किया है। सोमवार को अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एफटीसी-प्रथम) मनोज कुमार शासन की अदालत में इस मामले की सुनवाई हुई। अदालत ने अभियुक्त ज्ञान सिंह यादव को 10 साल के कठोर कारावास व 30 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई। वहीं अदालत ने दोषसिद्ध होने के उपरांत जेल में बिताई गई सजा को समायोजित करने करने का आदेश दिया है। साथ ही जुर्माने की रकम से 10 हजार पीड़िता को देने का आदेश पारित किया है।

चाकू की नोक पर नाबालिग से दुष्कर्म

मौदहा। दबंग युवक ने मां बाप को जान से मारने की धमकी देकर चाकू की नोक पर किशोरी से दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। पुलिस मामले की जांच करने की बात कह रही है।

कस्बा निवासी एक पीड़ित पिता एक किसान के नलकूप में परिवार सहित रहता है। कोतवाली में दिए शिकायती पत्र में बताया कि नरायच निवासी आरोपी ने पहले उसकी नाबालिग बेटी को जबरदस्ती चाकू दिखाकर धमकी देकर मोबाइल फोन दिया और बात करने का दबाव बनाया फिर 23 अप्रैल को रात में नलकूप पर आकर उन लोगों को जान से मारने की धमकी दे बेटी के साथ दुष्कर्म किया। पीड़ित पिता ने नाबालिग का मेडिकल परीक्षण कराकर मामला दर्ज करने की गुहार लगाई है। कोतवाली प्रभारी राम आसरे सरोज ने बताया कि तहरीर आई है मामले की जांच की जा रही है जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

ब्यूटी पार्लर गई किशोरी हुई लापता

हमीरपुर। जरिया थाना क्षेत्र के सरीला कस्बे के एक इलाके में ब्यूटी पार्लर के लिए घर से निकली किशोरी अचानक लापता हो गई। पीड़ित मां ने एक गांव निवासी युवक पर पुत्री को बहला फुसलाकर भगा ले जाने का आरोप लगा मामला दर्ज कराया है। महिला ने थाने में दर्ज रिपोर्ट में बताया कि उसकी 17 वर्षीय पुत्री घर से ब्यूटी पार्लर जाने की बात कहकर निकली थी। जब वह काफी देर तक वापस घर नहीं लौटी तो उन्होंने सभी संभावित स्थानों पर खोजबीन की, लेकिन कहीं भी पता नहीं चल सका। बताया पुत्री को थानाक्षेत्र के एक गांव का निवासी युवक बहला फुसलाकर अपने साथ भगा ले गया है।

दो बाइकों की भिड़ंत में युवक की मौत, कोहराम

संवाददाता, मौदहा (हमीरपुर)

अमृत विचार। तेज रफ्तार दो बाइकों की हुई सीधी टक्कर में एक युवक की मौत हो गई। जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

सोमवार सुबह हमीरपुर बिवांर मार्ग पर महेरा मोड़ के निकट दो बाइकों की सीधी टक्कर हो गई। हादसे में खड़ेहीलोधन निवासी मधुरम (24) पुत्र राम औतार और उसकी बहन अनामिका (20) थे। दूसरी बाइक में खरेहटा राठ निवासी सुरेंद्र (30) पुत्र धर्मदास गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने तीनों घायलों को सीएचसी छानी पहुंचाया। जहां पर डॉक्टरों ने सुरेंद्र को मृत घोषित कर दिया।

बाइक की टक्कर से साइकिल सवार घायल : सुमेरपुर। नेशनल हाईवे 34 में दोपहर को सौंखर मोड़ के पास बाइक सवार युवक ने साइकिल सवार मुनीम को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में मुनीम के साथ बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। सोमवार को दोपहर करीब 1.30 बजे नवीन गल्ला मंडी की आढ़त का मुनीम गोपनाथ साइकिल से सौंखर की ओर जा रहा था। वहीं कस्बे की तरफ से बाइक सवार युवक धीरेंद्र पुत्र शिवपाल निवासी गंगपुर थाना चांदपुर फतेहपुर ने साइकिल में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर से गंभीर रूप से घायल को राहगीरों ने एंबुलेंस की मदद से पीएचसी में भर्ती कराया गया। हालत गंभीर होने पर सदर अस्पताल रेफर किया गया।

घायल युवक ने तोड़ा दम

राठ। कोतवाली के नौहाई गांव निवासी रामप्रकाश राजपूत ने बताया कि उनका 45 वर्षीय पुत्र विक्रम सिंह राजपूत रविवार रात बाइक से शादी समारोह में शामिल होने कस्बे में जा रहा था, तभी गल्ला मंडी के पास अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे वह घायल हो गया। उसे सीएचसी ले जाया गया जहां चिकित्सक ने मेडिकल कालेज उरई रेफर कर दिया। उरई से झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। इलाज के दौरान सोमवार की सुबह विक्रम सिंह ने दम तोड़ दिया।

सार-संक्षेप

कस्बे में चल रहा अमान्य विद्यालय। अमृत विचार

बिना स्वीकृत के चल रहे स्कूल को तीन दिन में बंद करने का आदेश

मौदहा (हमीरपुर)। नगर क्षेत्र के हैदरगंज मोहल्ले में मानक विहीन स्कूल की जांच पड़ताल करने के लिये खंड शिक्षाधिकारी राम गोपाल पहुंचे। निरीक्षण के बाद उन्होंने विद्यालय को अमान्य घोषित कर दिया और स्कूल संचालक को नोटिस जारी कर हरहाल में तीन दिन के अंदर स्कूल बंद करने के निर्देश दिए हैं। हर साल नए शिक्षा सत्र के साथ ही कुछ नए अमान्य स्कूल सामने आ जाते हैं। ऐसे ही एक स्कूल को खंड शिक्षा अधिकारी ने जांच के बाद बंद करने का आदेश जारी किया है। कस्बे के मोहल्ला हैदरगंज भुईयांरानी के निकट लंबे समय से एक रिहायशी मकान में नेशनल क्रिएटिव एकेडमी के नाम से विद्यालय संचालित हो रहा है, जिसमें न तो बच्चों के बैठने की उचित व्यवस्था है और न ही शौचालय आदि की। सूचना पर खंड शिक्षा अधिकारी ने जांच कर तीन दिन के भीतर विद्यालय बंद करने का नोटिस जारी किया है।

रंजिश के चलते युवक को पीटकर किया घायल

राठ। कस्बे के दीवानपुरा मोहल्ला निवासी दीपक पुत्र प्रमोद कुमार ने बताया कि वह बाराखंबा चौराहा पर बैठा हुआ था। उसी दौरान कस्बे का रहने वाला करन उसके पास आया और गाली गलौज करने लगा। बताया कि जब उसने गाली गलौज करने का विरोध किया तो आरोपी ने उसे पीटना शुरू कर दिया जिससे युवक का सिर फट गया।

अतरैया चोरी कांड की जांच सीओ सदर को सौंपी गई

सुमेरपुर। पिछले माह 13 अप्रैल की रात ग्राम अतरैया में पीडब्ल्यूडी एवं मनरेगा योजना के जेई के पैतृक आवास में हुई लाखों रुपये की चोरी में चोरों के द्वारा गांव के एक व्यक्ति पर चोरी की घटना कबूल करने का दबाव बनाने के प्रकरण की जांच पुलिस अधीक्षक ने सीओ सदर को सौंपी है। पीडब्ल्यूडी के अवर अभियंता पुष्पेंद्र कुमार के अतरैया स्थित आवास से चोरों ने बहन एवं मां के करीब 20 लाख के जेवरात चोरी कर लिए थे। गत 30 अप्रैल को जेवरात का एक डिब्बा कल्लू पुत्र मुरलिया के घर पर फेंका गया था। यह मकान दस्सी के मकान के बगल में है। पुलिस ने सूचना पर बिंदा पुत्र दस्सी तथा दस्सी पुत्र भूरियों के साथ गांव निवासी छोटे पुत्र सिद्धा को हिरासत में लेकर पूछताछ की थी और शाम को सभी को रिहा भी कर दिया था। छोटे का आरोप है कि गांव पहुंचने पर दस्सी एवं बिंदा ने उसे घर के भीतर ले गए और गला दबाकर जमकर मारपीट करते हुए चोरी का जुर्म अपने सिर पर लेने का दबाव बनाया। सोमवार को छोटे ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र सौंपकर दावा किया है कि चोरी की घटना में बिंदा और दस्सी शामिल हैं। पुलिस अधीक्षक ने मामले की जांच सीओ सदर राजेश कमल को सौंपी है।

पिता की पुण्यतिथि पर शिक्षकों को किया सम्मानित

बच्चों को सम्मानित करते रणजीत व मनोज।

राठ। कस्बे के चरखारी रोड स्थित एक विद्यालय में एक शिक्षक ने अपनी पिता की पुण्य तिथि पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया। इस दौरान मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री पूर्व विधायक धूराम चैधरी ने गरीब एवं मेधावी बच्चों को लेखन सामग्री देकर पुरस्कृत किया। एक सादे समारोह के दौरान शिक्षक रणजीत सिंह ने अपने पिता की पुण्यतिथि पर शिक्षक रमेश चंद, रामजीवन, नीलम, सर्वेश, श्रीराम राजपूत व पीयूष पुष्कर को सम्मानित किया। इस दौरान शैलेंद्र सिंह ने सूचना ब्रह्मानंद विराट मेला महोत्सव से संबंधित विचार रखे गए। इस मौके पर पूर्व शिक्षक रामसहोदर गुबरेले, शंकर लाल सक्सेना, कुंवर बहादुर, विश्वजीत सिंह, आसाराम, झानेंद्र सिंह, मनोज लाक्षाकार, घासीराम, संगीता, सुलोचना, वंदना, गीता देवी आदि लोग रहे।

महिला ने जहरीला पदार्थ खाकर दी जान

मौदहा। कोतवाली क्षेत्र के गांव सिजवाही में पति के उत्पीड़न से तंग आकर एक विवाहिता ने सल्फास की गोली खाकर जान दे दी। सिजवाही गांव निवासी शोभना (27) का पति मुन्नी सिंह शराब पीने का आदी है। जिसके चलते पति आए दिन शोभना के साथ गाली गलौज व मारपीट करता था। रविवार को भी पति पत्नी के बीच झगड़ा हुआ। जिसके चलते शोभना ने रात घर में रखी सल्फास की गोलियां खा ली। जिससे उसकी हालत बिगड़ गई। जिस पर पति उसे रात करीब 2:30 बजे सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने उसे सदर अस्पताल रेफर कर दिया। सदर अस्पताल में उसकी मौत हो गई। कोतवाल रामआसरे सरोज ने बताया कि घटना की जानकारी मिली है। तहरीर मिलने पर मामले में आगे कार्रवाई की जाएगी।

विवाह घर में खाना खाने से 16 लोगों की बिगड़ी हालत

संवाददाता, राठ (हमीरपुर)

- उल्टी-दस्त होने पर सीएचसी में कराया गया भर्ती

अमृत विचार। कस्बे के मलौंहा रोड पर स्थित एक विवाह घर में शादी समारोह के दौरान खाना खाने के बाद फूड प्वाइजनिंग से 16 लोगों की हालत बिगड़ गई। सभी को इलाज के लिए सीएचसी में भर्ती कराया गया।

कस्बे के मलौंहा रोड़ स्थित एक विवाह घर में सोमवार को शादी समारोह का कार्यक्रम चल रहा था। इस दौरान वहां बने खाने को लोग खा रहे थे। खाना खाने के बाद कुछ लोगों की अचानक हालत बिगड़ने लगी। लोगों को उल्टी करते देख आनन-फानन इलाज के लिए सीएचसी ले जाया गया। फूड प्वाइजनिंग का शिकार हुए बाराखम्बा मोहल्ला निवासी निखिल (23) पुत्र देवसिंह, भूनेंद्र (30) पुत्र अमरचंद निवासी महोबा, हरिश्चंद्र (42) पुत्र फूलसिंह निवासी नौहाई, बरगांव निवासी चिंटू (20) पुत्र रामधनी, अचल (18) पुत्र देवसिंह, हिमांचल पुत्र अमर सिंह जराखर, प्रिंस (18) पुत्र मानसिंह, स्वामीप्रसाद (70) पुत्र गोपाल, दीपेंद्र(18) पुत्र वीरपाल, श्यामजी (17) पुत्र लाल सिंह, सुनील (30) पुत्र साधुराम, राजेश (45) पुत्र काशीप्रसाद, रज्जू महाराज (60) पुत्र देवकी, संगीता (22) पत्नी अनूप निवासी सिमरिया, मनोज (50) पुत्र रामगोपाल निवासी नौहाई, दर्शनसिंह(28) पुत्र रामप्रकाश निवासी कुम्हरिया के अलावा रामजी निवासी बरगवां को तत्काल इलाज के लिए कस्बे के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। मौके पर मौजूद सीएचसी के अधीक्षक डॉ .अखिलेश कुमार ने बताया कि फूड प्वाइजनिंग का शिकार हुए लोगों का इलाज किया जा रहा है। अधीक्षक ने लोगों से कहा कि इस भीषण गर्मी में बासी खाना खाने की वजह से अथवा दूषित पानी पीने से फूड प्वाइजनिंग हो सकता है। उन्होंने कहा कि इससे बचने के लिए गर्मी के मौसम में ताजा भोजन करें और साफ पानी पिएं तथा मौसमी फल खायें।

आईसीएसई बोर्ड परीक्षा में निकेता पाल बनीं जिला टॉपर

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

- डॉक्टर बनकर करना चाहती हैं देश व समाज की सेवा
- 93 फीसद अंक पाकर विद्यालय और घर का नाम रोशन किया

माता-पिता के साथ छात्रा निकेता पाल । अमृत विचार

अमृत विचार। आईसीएसई बोर्ड परीक्षा में जिले के इकलौते विद्यालय अजय मेमोरियल की दसवीं की छात्रा निकेता पाल ने 93 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय एवं घर परिवार का नाम रोशन किया है। छात्रा इंटरमीडिएट के बाद नीट की परीक्षा उत्तीर्ण करके डॉक्टर बनने के सपना संजोये हुए है। छात्रा के पिता सेना में कार्यरत है और मां गृहणी हैं।

अजय मेमोरियल के प्रधानाचार्य अमित कुमार ने बताया कि उनका विद्यालय आईसीएसई बोर्ड का जिले का इकलौता संस्थान है। इस वर्ष हाईस्कूल परीक्षा में विद्यालय के 44 छात्र-छात्राएं शामिल हुए थे। विद्यालय का परीक्षाफल शत प्रतिशत रहा है।

छात्रा निकेता पाल ने प्रथम, रवि कुमार 89.2 प्रतिशत अंक पाकर दूसरा तथा शुभ तिवारी ने 88 प्रतिशत अंक पाकर तीसरा स्थान हासिल किया है। छात्रा निकेता पाल ने बताया कि उसकी इच्छा डॉक्टर बनकर देश व समाज की सेवा करने की है।

वह इंटरमीडिएट के बाद नीट परीक्षा में शामिल होकर अपना सपना पूरा करना चाहती है। निकेता पाल के पिता रावेंद्र पाल सेना में कार्यरत हैं वहीं मां सरला देवी गृहणी हैं। छात्रा की सफलता पर प्रबंधक प्रेमचंद्र गुप्ता, शिक्षक राकेश कुमार सिंह, प्रांशु शिवहरे, मो.अबूजर, प्रतिष्ठा गुप्ता, श्यामकरण यादव, विशंभर नाथ, बाबूराम, कौशलेंद्र आदि ने हर्ष जताते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। बेटी की इस कामयाबी से माता पिता व अन्य परिजनों के साथ-साथ आस पास के लोग भी काफी खुश दिखे।

जेसीबी की खुदाई से पेयजल लाइन टूटी

कुरारा। कस्बे में हमीरपुर कालपी हाईवे किनारे नाले का निर्माण कार्य होने से जल संस्थान की पाइप लाइन टूट जाने से बेरी रोड व भौली रोड के किनारे बसे मोहल्लों में पानी की आपूर्ति ठप है। इससे वार्ड वासियों को पेयजल समस्या पैदा हो गई है। जिससे लोगों को पीने के पानी के लिए हैंडपंप का सहारा लेना पड़ रहा है।

कस्बे के बेरी तिराहे के हमीरपुर कालपी हाईवे किनारे बन रहे नाला के लिये जेबीसी से खुदाई होने से पाइप लाइन क्षतिग्रस्त हो गई है। रविवार से पानी की आपूर्ति बाधित हो जाने पर कस्बे के वार्ड तीन, नौ, छह व चार नौटंकी मैदान भगत ताला सहित कई वार्डो में आपूर्ति बंद है। लोग दूसरे वार्डो के हैंडपंपों से पानी भरने जाने को मजबूर हो रहे हैं। इस बाबत जल संस्थान के लिपिक राजेंद्र प्रसाद यादव ने बताया कि मशीन से खुदाई करने पर पाइप लाइन कई जगह से क्षतिग्रस्त हुई है। जिसको सही करने में एक-दो दिन का समय लग सकता है। पाइप लाइन की लीकेज सही करने के बाद पानी की आपूर्ति से शीघ्र कराई जाएगी।

पति, सास और जेठ पर मुकदमा दर्ज

सुमेरपुर। सुरौली बुजुर्ग के चुनकी डेरा निवासी राजेंद्र सिंह की पुत्री सुषमा देवी का विवाह एटा जनपद के गठिया माखन थाना जैथारा में 17 जून 2017 को मोहित सिंह के साथ हुआ था। शादी के बाद से ही पति मोहित सिंह, जेठ अतुल, सास मिथलेश सिंह अतिरिक्त दहेज के लिए प्रताड़ित करने लगे विगत दिनों उन्होंने बुरी तरह से जमकर पीटा और जान से मार देने की धमकी दी। थक-हार कर वह मायके लौट आई। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर ससुराली जनों के खिलाफ दहेज के लिए प्रताडित करने का मुकदमा दर्ज किया है।

पार्सल में नशीली दवाओं का डर दिखा कर ठगे 50 हजार

संवाददाता, मौदहा (हमीरपुर)

अमृत विचार। पुलिस साइबर अपराधों से बचने के लिए आमजन को जागरूक कर रही है। इसके बाद भी साइबर ठग लोगों को ठगने में कामयाब हो जाते हैं। ऐसे ही एक व्यक्ति से उसके आधार कार्ड की डिटेल के आधार पर उसके द्वारा चीनी कोरियर के माध्यम से नशीली दवाओं को भेजने का भय दिखाकर 50 हजार रुपये ठगने का मामला सामने आया है ।

कस्बे के मराठीपुरा चर्च कम्पाउंड निवासी उपेंद्र सिंह ने कोतवाली में दिए शिकायती पत्र में बताया कि उसके पास एक काल आई थी, जिसमें उसके आधार कार्ड की डिटेल के द्वारा बताया गया कि उसने एक कोरियर चाइना भेजा है, जिसमें नशीली दवाएं हैं और उसके बाद स्काईप काल को अंधेरी मुम्बई के प्रदीप सावंत को ट्रांसफर कर दी गई और कथित पुलिस अधिकारी प्रदीप सावंत ने बातचीत की और उसके एसबीआई मौदहा के खाते से 50 हजार रुपये ट्रांसफर करा लिए। कोतवाली प्रभारी राम आसरे ने बताया कि उन्हें ऐसे किसी मामले की जानकारी नहीं है।

शत प्रतिशत मतदान कराने की ली शपथ

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

मतदान करने के लिए शपथ लेते छात्र-छात्राएं। अमृत विचार

अमृत विचार। ॐ हरिहर स्नातकोत्तर महाविद्यालय स्नातक एवं स्नातकोत्तर के छात्र/छात्राओं ने मतदाता जागरुकता के तहत अनिवार्य रूप से मतदान करने की शपथ ली।

कुंडौरा के ॐ हरिहर स्नातकोत्तर महाविद्यालय में स्नातक एवं स्नातकोत्तर के छात्र/छात्राओं को आगामी लोकसभा सामान्य निर्वाचन में अनिवार्य रूप से मतदान करने की शपथ कराई गई। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ स्वामी प्रसाद ने छात्र/छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि सशक्त लोकतन्त्र के लिए सभी को मतदान प्रक्रिया में उत्साह पूर्ण ढंग से भाग लेना चाहिए। मतदान के दिन सबसे पहले मतदाताओं को अपने मत का उपयोग करना चाहिए उसके पश्चात कोई अन्य कार्य। राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रथम इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ.रक्षादीन ने छात्र/छात्राओं को मतदान की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में महाविद्यालय के डॉ.सरिता दुबे, अवधेश कुमार, मनोज कुमार, स्वयंबर सिंह, अजय कुमार, डॉ.अंजली मिश्रा, प्रियंका, सूरज सिंह, अजीत सिंह, नईम बक्श आदि उपस्थित रहे।

ग्रामीणों को मतदान के प्रति किया जागरूक

कुरारा। विकासखंड क्षेत्र के कंडौर गांव में मतदाता जागरुकता अभियान के अंतर्गत रैली निकालकर ग्रामीणों को मतदान के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही ज्यादा से ज्यादा मतदान की शपथ दिलाई गई। लोकसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान के बाद क्षेत्र के ग्रामीणों को जागरूक करने के लिए प्रशासन के निर्देश पर प्रतिदिन मतदाता जागरुकता रैली के माध्यम से ग्रामीणों को जागरूक किया जा रहा है। सोमवार को बीडीओ विपिन गुप्ता के नेतृत्व में कंडौर गांव में जागरूक महिलाओं व स्वयं सहायता समूह की दीदियों द्वारा मतदाता जागरुकता रैली निकाल कर ग्रामीणों को आने वाले लोकसभा चुनाव में वोट डालने के लिए जागरूक किया गया। उन्होंने कहा कि आने वाले लोकसभा चुनाव में ज्यादा से ज्यादा लोग अपने मत का प्रयोग करें। गांव के विद्यालय में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए शपथ दिलाई गई। मतदाता जागरुकता रैली में प्रदीप कुमार, आंगनबाड़ी, आशा बहुएं आदि मौजूद रहीं।

कंडौर में जागरुकता रैली निकालते बीडीओ व अन्य।

लोक सभा चुनाव-2024

संबंधित अधिकारियों व लोगों से वार्ता करने के बाद दिए आवश्यक दिशा-निर्देश, कहा- किसी भी प्रकार की कमी न रहने पाये

सात वल्नरेबिल मतदान केंद्रों का प्रेक्षक ने किया निरीक्षण

संवाददाता, मौदहा (हमीरपुर)

मतदान केंद्र का निरीक्षण करतीं प्रेक्षक प्रियंका दास। अमृत विचार

अमृत विचार। लोकसभा चुनाव क्षेत्र में निर्वाचन आयोग से तैनात सामान्य प्रेक्षक प्रियंका दास ने सोमवार को तहसील क्षेत्र में हमीरपुर सदर विधानसभा के वल्नरेबिल सात मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया और वहां पर मौजूद लोगों से जानकारियां लेने के साथ साथ उन्हें आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

प्रेक्षक ने सुबह मंकराव स्थित मतदान केंद्र के निरीक्षण के बाद यहां के वल्नरेबिल रागौल मतदान केंद्र व गांधी इंटर कालेज तथा नेशनल इंटर कॉलेज के बाद रहमानिया इंटर कॉलेज के बूथों को देखा। संबंधित अधिकारियों व लोगों से वार्ता की। इतना ही नहीं इसी के बाद वह इस तहसील के सिसोलर थाना क्षेत्र के वल्नरेबिल केंद्र भैंसमरी, भुलसी गांव के मतदान केंद्रों में पहुंची और वहां के बूथों का एक-एक कर निरीक्षण किया और संबंधित को आवश्यक निर्देश भी दिए। इस अवसर पर उनके साथ लॉइजिंग अफसर के अलावा उप जिलाधिकारी राजेश चंद्र, क्षेत्राधिकारी श्रेयश त्रिपाठी, तहसीलदार बलराम गुप्ता, खंड शिक्षा अधिकारी रामगोपाल सहित संबंधित थानों के थाना प्रभारी मौजूद रहे।

एक भी प्रत्याशी ने नाम वापस नहीं लिया

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

- सभी 11 प्रत्याशियों को आवंटित किए गए चुनाव चिह्न

अमृत विचार। लोकसभा सीट के लिये चुनावी जंग 11 उम्मीदवारों के बीच होगी। सोमवार को नामांकन वापसी की प्रक्रिया में किसी प्रत्याशी ने नाम वापस नहीं लिए। नाम वापसी प्रक्रिया के बाद विभिन्न दलों के प्रत्याशी और निर्दलीयों को चुनाव चिह्न का आवंटन किया गया। चुनाव चिन्ह मिलते ही प्रत्याशियों ने प्रचार शुरू कर दिया है। यहां पर 20 मई को मतदान होना है।

लोकसभा सीट पर चुनाव लड़ने के लिए 13 लोगों ने नामांकन किया था। जांच में दो प्रत्याशियों के नामांकन पत्रों में कमी पाए जाने पर जिला निर्वाचन अधिकारी ने निरस्त कर दिए थे। इसके बाद 11 प्रत्याशी चुनाव मैदान में बचे थे। सोमवार को नामांकन वापस लेने का अंतिम दिन था, लेकिन एक भी प्रत्याशी ने नाम वापस नहीं लिया। सोमवार की सुबह 11 बजे से तीन बजे तक निर्धारित समय में किसी भी प्रत्याशी की ओर से नाम वापस नहीं लिया गया। इसके बाद रिटर्निंग ऑफिसर की ओर से प्रत्याशियों को चुनाव चिह्न आवंटित कर दिए गए। भाजपा प्रत्याशी पुष्पेंद्र सिंह को पार्टी चुनाव चिह्न कमल का फूल, सपा प्रत्याशी अजेंद्र सिंह को साइकिल और बसपा के निर्दोष दीक्षित को हाथी चुनाव चिह्न आवंटित है। इसके अलावा भारतीय शक्ति चेतना पार्टी के प्रत्याशी अनुपम कुमार त्रिपाठी को बांसुरी, अल हिन्द पार्टी प्रत्याशी धर्मराज को हरी मिर्च, राष्ट्र उदय पार्टी प्रत्याशी ब्रजेश कुमार पाल को ट्रक, एकलव्य समाज पार्टी प्रत्याशी सुरेश कुमार को फोन चार्जर, स्पष्टवादी जन आधार पार्टी प्रत्याशी संजीव कुमार को बल्ला चुनाव चिह्न आवंटित हुए है। इसके आलावा निर्दलीय प्रत्याशियों में भूवेन्द्र नारायण सिंह को फूलगोभी, राजेश सिंह को बाल्टी एवं संतोष कुमार को आरी का चुनाव चिह्न मिला है।

चुनाव के लिए खाली हुई गल्ला मंडी, तैयारियां तेज

संवाददाता, सुमेरपुर (हमीरपुर)

सुमेरपुर मंडी में की गई बैरिकेडिंग।

अमृत विचार। लोकसभा चुनाव के लिए कस्बे की नवीन गल्ला मंडी पूरी तरह से खाली होकर चुनाव संपन्न कराने के लिए तैयार होने लगी है। हमीरपुर सदर एवं राठ (अनुसूचित) विधानसभा सीटों के लिए बनाए गए स्ट्रांग रूम के बाहर बैरिकेडिंग का कार्य पूर्ण हो गया है। साथ ही सभी खराब सड़कों को मरम्मत कराकर उनको चकाचक कर दिया गया है। व्यवस्था को इस तरह से अंजाम दिया जा रहा है कि यहां परिंदा पर नहीं मार सकता है।

हमीरपुर लोकसभा का मतदान पांचवें चरण में प्रस्तावित है। चुनाव की समस्त प्रक्रिया नवीन गल्ला मंडी में संपन्न होगी। इसके लिए प्रशासन ने गल्ला मंडी को पहली मर्तबा पूरी तरह से खाली कराया है। मंडी खाली होने के बाद प्रशासन की ओर से तैयारियां जारी है। जिले की दोनों विधानसभा सीटों की ईवीएम मशीनों के लिए अलग-अलग स्ट्रांग रूम बनाकर चारों तरफ से बैरिकेडिंग कराकर सुरक्षित किया है। अन्य कार्यों के लिए बैरिकेडिंग का पूरा खाका तैयार करके चिहांकन किया गया है ताकि समय रहते कार्य को पूर्ण कराकर अंतिम रूप दिया जा सके। मंडी की खराब सड़कों को चकाचक कर दिया गया है। 19 मई को मतदान के लिए यहां से पोलिंग पार्टियों को रवाना किया जाएगा।

छह प्रत्याशियों के बीच होगा लोस चुनाव का मुकाबला

छह पर्चे हुए खारिज, प्रत्याशियों को आवंटित हुए चुनाव चिह्न, किसी उम्मीदवार ने नहीं वापस लिया नाम

कार्यालय संवाददाता, उरई (जालौन)

अमृत विचार। जालौन-गरौठा-भोगनीपुर लोकसभा निर्वाचन में नाम वापिसी, चुनाव चिह्न आवंटन की प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई। किसी भी प्रत्याशी के द्वारा पर्चा नहीं उठाने से मैदान में अब छह प्रत्याशियों के बीच मुकाबला है। वहीं छह पर्चे खारिज कर दिए गए हैं।

जिला निर्वाचन अधिकारी राजेश कुमार पांडेय ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 16 मार्च 2024 को लोकसभा निर्वाचन की तिथियां घोषणा के साथ ही जनपद में स्वतंत्र, निष्पक्ष, शान्तिपूर्ण, भयमुक्त, प्रलोभनमुक्त, समावेशी व सुरक्षित मतदान कराए जाने की प्रक्रिया संचालित है। लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 के पांचवें चरण में जालौन-गरौठा-भोगनीपुर लोकसभा निर्वाचन में नाम वापिसी व चुनाव चिन्ह आवंटन की प्रक्रिया पूर्ण की गई।

लोकसभा निर्वाचन में किसी भी प्रत्याशी द्वारा नाम वापस नहीं लिया गया। लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 में चुनाव लड़ने वाले 6 प्रत्याशियों को चुनाव चिह्न आवंटित किया गया। जिसमें मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और राज्य राजनीतिक दलों के प्रत्याशी नारायण दास अहिरवार समाजवादी पार्टी चुनाव चिन्ह साइकिल, भानु प्रताप सिंह वर्मा भारतीय जनता पार्टी चुनाव चिन्ह कमल, सुरेश चन्द्र गौतम बहुजन समाज पार्टी चुनाव चिह्न हाथी आवंटित किए गए वहीं दलों से भिन्न नगेन्द्र कुमार भारतीय शक्ति चेतना पार्टी को चुनाव चिन्ह बांसुरी आवंटित हुई हैं। अन्य प्रत्याशी प्रेमलता वर्मा निर्दलीय को चुनाव चिन्ह एसी, बृज मोहन निर्दलीय को चुनाव चिन्ह शिमला मिर्च दिया गया है।

चुनाव चिह्न आवंटित करते जिला निर्वाचन अधिकारी राजेश कुमार पांडेय। अमृत विचार

26 अप्रैल से शुरू हुई थी नामांकन प्रक्रिया

नामांकन प्रक्रिया 26 अप्रैल से शुरू हुई थी। नामांकन के दौरान कुल 27 नामांकन पत्र खरीदे गए, जिसमें भाजपा, सपा व बसपा के तीन प्रत्याशियों ने कुल 9 पर्चे खरीदे थे। इसके अलावा डमी प्रत्याशियों और निर्दलीय मिलाकर 11 नामांकन पत्र जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय में जमा किए गए थे, जिनके शनिवार को हुई नामांकन पत्रों की जांच में 6 पर्चे खारिज कर दिए गए थे। इस तरह से भाजपा, सपा बसपा के तीन प्रत्याशी और भारतीय शक्ति चेतना पार्टी के नागेंद्र कुमार, निर्दलीय प्रेम लता और ब्रजमोहन का मिला कर कुल 6 दावेदारों के नामांकन पत्र सही पाए गए हैं।

14 से 16 मई तक पोस्टल बैलट से कर सकेंगे मतदान

उरई (जालौन)। उप जिला निर्वाचन अधिकारी संजय कुमार ने बताया कि लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 में भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार अनुपस्थित मतदाताओं (85 वर्ष से अधिक) को अपने मताधिकार का प्रयोग पोस्टल बैलट से करने की व्यवस्था प्रदान की गयी है। 30 अप्रैल तक 2024 तक प्राप्त फार्म 12 डी के आधार पर ऐसे मतदाताओं का उनके दिये पते पर पोस्टल बैलेट से मतदान कराया जाना है। इसके तहत जालौन विधानसभा क्षेत्र में 219, माधौगढ़ में 220, कालपी में 221 ऐसे मतदाता हैं जिन्होंने प्रारूप-12 डी पर पोस्टल बैलट से मतदान करने की सहमति दी है। उनके दिये पते पर पोस्टल बैलेट से मतदान के लिए 14 मई, 15 मई एवं 16 मई 2024 की तिथि निर्धारित की गई है।

उरई में बनेंगे छह मॉडल बूथ, दिए निर्देश

कार्यालय संवाददाता उरई (जालौन)

- जिला निर्वाचन अधिकारी राजेश कुमार पांडेय ने बूथों का किया निरीक्षण
- कहा, मतदेय स्थलों पर आधारभूत सुविधाओं की नहीं होनी चाहिए कमी

अमृत विचार। जिला निर्वाचन अधिकारी राजेश कुमार पांडेय ने शहीद भगत सिंह कॉलेज व जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केंद्र उरई में बने मतदान केंद्रों के 6 बूथों का निरीक्षण कर जानकारी प्राप्त करते हुए, मॉडल बूथ बनाने के निर्देश दिए। स्थलीय निरीक्षण करते हुए मतदेय स्थलों पर आधारभूत सुविधाओं जैसे पीने का पानी, शौचालय, व्हीलचेयर एवं रैंप की व्यवस्था, लंबी लाइन में बैठने की व्यवस्था, प्रतीक्षा स्थल आदि का अवलोकन किया। साथ ही निर्देशित किया कि संबंधित अधिकारी मतदान केन्द्रों का भ्रमण करते रहें, जिससे मतदाताओं को प्राप्त होने वाली आधारभूत सुविधाओं की व्यवस्थाएं सुनिश्चित रहें। उन्होंने कहा कि मतदान केंद्रों पर जहां तक मतदाताओं की कतार हो वहां तक छाया की व्यवस्था सुनिश्चित रहे। उन्होंने कहा कि मतदाता पर्चों का शत प्रतिशत वितरण सुनिश्चित किया जाए। मतदाताओं एवं मतदान कार्मिकों को लू से बचने के लिए आवश्यक प्रबंध रहें। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के पर्व को उत्सव के रूप में मनाया जाए, जिससे प्रत्येक मतदाता को मतदान करने के बाद गर्व की अनुभूति हो। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे विशाल यादव, नगर मजिस्ट्रेट अजीत कुमार जायसवाल, उप जिलाधिकारी अतिरिक्त ज्योति सिंह, उप जिलाधिकारी प्रशिक्षु आरती साहू, जिला विद्यालय निरीक्षक राजकुमार पंडित आदि सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

बूथों का निरीक्षण करते अधिकारी। अमृत विचार

सर्विस लेन से नहीं निकलतीं बसें

संवाददाता,कालपी (जालौन)

अमृत विचार। परिवहन निगम के उच्च अधिकारियों की अनदेखी का खामियाजा कालपी नगर के यात्रियों को भुगतना पड़ रहा है। रोडवेज बसें कालपी नगर से गुजरने वाली सर्विस लेन सड़क से न हो करके सीधे ओवरब्रिज से फर्राटा भरते हुए गुजर जाती हैं। स्थानीय लोग पिछले तीन वर्ष से इसकी शिकायत कर रहे हैं। लेकिन सुनवाई नहीं हुई।

विदित हो कि राष्ट्रीय राजमार्ग फोरलेन सड़क चौड़ीकरण परियोजना के तहत कालपी नगर में पौने दो किमी. बाईपास मार्ग तथा दोनों तरफ सर्विसलेन मार्ग बनाया गया था। जबकि करीब 1 किमी. लंबा फोरलेन ओवरब्रिज भी बनाया गया था। लखनऊ, कानपुर, उरई, झांसी, आगरा, इटावा आदि की रोडवेज बसें कालपी से होकर गुजरती हैं। यात्रियों के उतरने व चढ़ने के लिए ओवरब्रिज के दोनों ओर को पॉइंट बना दिया गया है। एक यमुना नदी के पुल के पास दुर्गा मंदिर चौराहा तथा दूसरा खानकाह शरीफ के आगे अमलतास तिराहा को रोडवेज बसों के चालको ने उतरने चढ़ने का प्वाइंट बना दिया हैं। नरेंद्र कुमार तिवारी, रवींद्र नाथ गुप्ता, यतेंद्र रजावत, रहीस यादव, नारायण द्विवेदी, आशु ठाकुर, इं. पुष्पेंद्र सिंह सेंगर, राघवेन्द्र सिंह चौहान,आदि ने बताया कि इन दोनों छोर में रोडवेज बसों के ठहराव पर छाया के इंतजाम नहीं है। चिल्लाती धूप, लू-लपट में खुले आसमान के नीचे महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों तथा यात्रियों को खड़ा रहकर अपने गंतव्य स्थान तक जाने के लिए बसों की प्रतीक्षा करनी पड़ती है। नगर पालिका की ओर से जो यात्री प्रतीक्षालय बनाए गए हैं वह काफी दूर है।

इस संबंध में परिवहन निगम के अधिकारियों से कई बार मांग उठाई। लेकिन एक-दो दिन तो सर्विस लेन से बसें निकालीं लेकिन बस चालकों का फिर से वही रवैया हो गया। उक्त समस्या से आजिज आकर नगरवासियों ने कई बार शिकायत भी की लेकिन परिवहन निगम के मनमाने रवैये के कारण नगरवासियों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। इसलिए इस मुद्दे को लेकर नगर में अब फिर से चर्चाएं होने लगी हैं।

- समस्या से सवारियों को हो रही खासी परेशानी

ओवरब्रिज के पास रोडवेज बस में सवार होते यात्री। अमृत विचार

राठ रोड पुल के ऊपर नीचे रोजाना लगता है जाम

कार्यालय संवाददाता, उरई (जालौन)

अमृत विचार। शहर के मौनी मंदिर से राठरोड की ओर जाने के लिए ओवरब्रिज का निर्माण करवाया गया है। इस ओवरब्रिज से राठरोड, गल्लामंड़ी से आने-जाने वाले गुजरते हैं। जहां हर रोज हजारों की संख्या में वाहनों के निकलने से ओवरब्रिज के ऊपर सैकड़ों की संख्या में वाहनों का जाम लग जाता है। इसकी वजह से आम राहगीरों को यहां से निकलने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। ओवरब्रिज की यातायात व्यवस्था को नियंत्रण करने के लिए आधा दर्जन के लगभग ट्रैफिक सिपाहियों व होमगार्ड जवानों की डयूटी भी हर रोज लगाई जाती है इसके बाद भी लोगों को हर रोज लगने वाले जाम से निजात नहीं मिल पा रही है। बताते चलें कि राठरोड ओवरब्रिज से क्षेत्र के पड़ने वाले दर्जनों ग्रामों के ग्रामीण भी वाहन लेकर यहीं से बाजार खरीददारी करने आते-जाते हैं। इसके अलावा भारी वाहनों का भी आना जाना ओवरब्रिज से रहता है, इसके अलावा शहर के अंदर आने के लिए कोई रास्ता भी नहीं है, यही कारण है कि राठरोड ओवरब्रिज पर जाम की स्थिति दिनों-दिन बढ़ती ही जा रही है।

राठ रोड ओवरब्रिज पर लगा वाहनों का जाम। अमृत विचार

गोवर्धन कथा सुन कर श्रद्धालु हुए भाव-विभोर

कुठौंद जालौन। विकास खंड कुठौंद की ग्राम पंचायत दौन में चल रही श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ में कथा वाचक आचार्य पंडित सतीश अवस्थी सरस ने भागवत के महत्व की कथा सुनाई। उन्होंने कहा कि प्रभु कृष्ण की कथा जोगी, भोगी, रोगी तीनों को लाभ प्रदान करती है। इस दौरान उन्होंने मार्मिक ढंग से गोवर्धन कथा सुनाई, जिसे सुनकर श्रोता भावविभोर हो गए। कार्यक्रम के प्रेरणा स्रोत पंडित बद्री विशाल दुबे एवं आयोजक राघव दास महाराज महंत संकट मोचन आश्रम दौन बिचोली चौराहा, परीक्षित रामदेवी एवं जगत सिंह सेंगर सहयोगी माया शंकर द्विवेदी फौजी, विनीत बाजपेई, प्रधान प्रतिनिधि गंभीर सिंह कुशवाहा, क्षेत्र पंचायत सदस्य प्रमेंद्र सिंह राजावत, रमाकांत दुबे, बृजपाल सिंह, अमित सिंह सेंगर, कुलदीप सिंह, रोहित सिंह, विवेक सिंह, अनिल चौहान, संजय सिंह, रिंकू सिंह, देशराज सिंह आदि मौजूद थे।

हादसे के 10 दिन बाद दर्ज हुई रिपोर्ट, दो की हो गई थी मौत

संवाददाता,कालपी (जालौन)

अमृत विचार। सड़क हादसे में दो लोगों की मौत के मामले में 10 दिन बाद रिपोर्ट दर्ज की गई है। उस्मान पुत्र स्व. सुल्तान अली, निवासी ग्राम छौंक ने कालपी कोतवाली में एफआईआर दर्ज कराते हुए बताया कि 26 अप्रैल को प्रार्थी अपनी पत्नी सन्नो खातून, पुत्री शिफा, पुत्र शोएब अली व सैफ अली के साथ ग्राम उसरगांव से करीब 1 किमी पहले पेट्रोल पम्प के पास सड़क के किनारे खड़े होकर गाड़ी का इन्तजार कर रहा था। इस दौरान पीछे से आ रहे डीसीएम ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में उसकी पत्नी सन्नो खातून व पुत्र शोएब अली की मृत्यु हो गई तथा एक पुत्र व पुत्री का अभी भी झांसी में इलाज चल रहा है।

स्टांप वेंडरों की बैठक करते उपजिलाधिकारी हेमंत पटेल। अमृत विचार

निर्धारित दर पर ही बेचें स्टांप

संवाददाता,कालपी (जालौन)

अमृत विचार। सोमवार को उपजिलाधिकारी हेमंत पटेल की अध्यक्षता में तहसील के स्टांप वेंडरों की मीटिंग हुई। इस मौके पर उन्होंने स्टाम्प वेंडरों को आवश्यक निर्देश दिये। तहसील स्थित कार्यालय में आयोजित बैठक में उपजिलाधिकारी ने कहा कि सभी लाइसेंस धारक स्टांपों को निर्धारित रेट पर ही विक्रय करें। निर्धारित मूल्य से अधिक मूल्य पर स्टांप पेपर को कतई न बेंचे। अगर किसी ने भी निर्धारित मूल्य से अधिक में बिक्री की तो प्रभावी कार्रवाई अमल में लाई जायेगी। इसी तरह उन्होंने कहा कि वकालत नामा को बहुत अधिक दाम में बिक्री करने की शिकायत मिल रही है। यह स्थिति अच्छी नहीं है।

गर्मी का कहर शुरू, अस्पतालों में मरीज बढ़े

उरई (जालौन)। जैसे-जैस गर्मी का प्रकोप बढ़ता जा रहा वैसे-वैसे मरीजों की संख्या बढ़ रही है। जिला अस्पताल में इन दिनों महिला-पुरुषों के अलावा छोटे-छोटे बच्चों में भी बीमारी पैर पसार रही है। बढ़ते गर्मी के प्रकोप के चलते खांसी, जुकाम, पेटदर्द के अलावा उल्टी-दस्त के मरीज डाक्टरों के कक्ष में उपचार करवाते देखे जा सकते हैं तो दवा काउंटर एवं पर्चा काउंटर पर लाइनें लगी हुई हैं। इस सम्बंध में चिकित्साकों का कहना है कि धूप से बचाव करना चाहिए तथा पानी ज्यादा उपयोग करना चाहिए।

पालिका ने चलाया सफाई अभियान

संवाददाता,कालपी (जालौन)

अमृत विचार। नगर में जलभराव व गंदगी की समस्या का समाधान करने के लिए नगर पालिका प्रशासन ने सफाई अभियान शुरू कर दिया है। पालिकाध्यक्ष अरविद यादव तथा अधिशासी अधिकारी अवनीश शुक्ला ने निरीक्षण कर कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए तथा कार्यों का स्थलीय निरीक्षण भी किया।

नगर पालिका परिषद के राजस्व निरीक्षक रामभुवन सिंह ने बताया कि वार्डों को अलग-अलग सात सेक्टरों में बांटा गया है। प्रत्येक सेक्टर में एक सफाई नायक की तैनाती है व प्रत्येक सेक्टर में 14 से लेकर 20 कर्मचारियों की तैनाती की गई है। सुबह तथा शाम को अलग-अलग दो शिफ्टों में कर्मचारियों के द्वारा सफाई अभियान चलाया जा रहा है। पालिका कर्मचारी शिशुपाल सिंह यादव तथा सरफराज खान की निगरानी में सफाई अभियान का कार्य कर रहे हैं। पालिका सूत्रों के अनुसार कालपी में दो अलग-अलग पांच किमी. से अधिक लंबे नाले हैं, जिसका पानी सीधे यमुना में गिरता है। पहले साढ़े 3 कमी. लंबाई का नाला उदनपुरा, रामचबूतरा, पचपिण्डा देवी, काशीराम कॉलोनी के पीछे से होकर यमुना में मिलता है। दूसरा नाला 2 किमी. लंबा राजघाट, जुल्हैटी होते हुए निकला है।

नाले की सफाई करते पालिका कर्मचारी। अमृत विचार

अमृत विचार
एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि हम अपने पुत्र शुभांक सिंह चौहान व पुत्रवधू शिखा सिंह के गलत कार्य व व्यवहारों से व्यथित होकर अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ उनके द्वारा किये गये किसी भी लेन–देन व क्रिया– कलापो से मेरा एवं मेरे परिवार के अन्य सदस्यो से मेरा कोई वास्ता एवं सरोकार नहीं होगा। **–सुरेन्द्र सिंह चौहान पुत्र स्व0 रघुराज सिंह चौहान, निवासी– 549/282क बड़ा बरहा, पी.आर.डी. ग्राउण्ड, आलमबाग, लखनऊ**

सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा हाईस्कूल का अंकपत्र और सह प्रमाण पत्र वर्ष 2023 रोल नंबर 1232714985 वास्तव में कहीं खो गया है। **–श्रषभ मिश्रा पुत्र ईश्वर शरन मिश्रा निवासी ग्राम भरहापारा वजीरगंज जिला, गोंडा।**

सूचना
सूचित करना है कि मेरा नाम ज्ञानचंद पुत्र शिव प्रसाद है। त्रुटिवश मेरे आधार कार्ड पर मेरा नाम ज्ञानी अंकित हो गया है जो कि पूर्णतया गलत है। अब मुझे ज्ञान चंद के नाम से जाना व पहचाना जाए। **–ज्ञानचंद पुत्र शिवप्रसाद, निवासी– अहियाचेत, थाना कौड़िया, तहसील– करनैलगंज, जिला गोंडा।**

सूचना
सूचित हो कि मैने अपने पुत्र श्याम जी पुत्र राम कृपाल द्विवेदी व उसकी कथित पत्नी रेनू को इनके गलत आचरणों, चाल –चलन के कारण व इनके संसर्ग से उत्पन्न संतानों को अपनी चल व अचल संपत्ति से बेदखल कर रही है। मैं व मेरे पति राम कृपाल से इनके द्वारा गैरकानूनी कार्यो व लेन–देन किये जाने पर कोई वास्ता व सरोकार नहीं होगा। उपरोक्त स्वयं जिम्मेदार होंगे।– **श्रीमती रेखा पत्नी राम कृपाल द्विवेदी, निवासिनी– ग्राम– बजेहटा, थाना–ललपुरा, तहसील– मौदहा, जिला– हमीरपुर उ0प्र0।**

सूचना
सूचित हो कि मैनें अपना नाम MOHAMMAD ARIF SARKAR FAIZY से बदल कर MOHAMMAD ARIF SARKAR रख लिया है अब से मेरे सभी अभिलेखों में इसी नाम को लिखा पढ़ा व समझा जाये। -MOHAMMAD ARIF SARKAR S/O AFAQ AHMAD, निवासी- 617/335, UJRION, VIJAY KHAND -2 LUCKNOW, ERAM GIRLS SCHOOL GOMTI NAGAR, LUCKNOW

सूचना
सूचित हो कि मैं भारतीय सेना में NK, ACP (HAV) के पद से सेवानिवृत हो गया हूॅ।तथा मेरा नम्बर 14583597 H है। मेरा आर्मी रिकार्ड में नाम प्रमोद कुमार, (PROMOD KUMAR) अंकित हो गया है। जबकि आधार कार्ड, पेन कार्ड व अन्य सभी प्रमाण पत्रो में मेरा नाम प्रमोद कुमार (PRAMOD KUMAR) अंकित है। जो कि सही है। अब इसी नाम से लिखा व जाना जाये। – **प्रमोद कुमार पुत्र यातेन्द्र नारायण, निवासी– भैंसोल मकान नं0– 155 परगना व तहसील – विधूना जिला – औरैया, मो0– 6280310392**

सूचना
सूचित हो कि मै नं. JC481588X **सूबेदार सन्तोष कुमार पाण्डेय पुत्र पुत्तू लाल पाण्डेय यूनिट 24बी बटालियन दि राजपूत रेजीमेंट,** मेरे सर्विस रिकार्ड में त्रुटिवश मेरे पिता की जन्मतिथि 01.07.1949 दर्ज है जबकि उनकी सही जन्मतिथि 16.02.1954 है तथा मेरी माता का नाम SHUSHEELA तथा जन्मतिथि 01.07.1954 दर्ज है जबकि सही नाम SUSHEELA तथा जन्मतिथि 25.03.1956 है। अतः मेरे सर्विस रिकार्ड में मेरे पिता की जन्मतिथि 16.02.1954 तथा माता का सही नाम SUSHEELA तथा सही जन्मतिथि 25.03.1956 दर्ज किया जाये।

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा विवाह के पूर्व नाम गीता देवी था किन्तु गोपाल दीक्षित से विवाह होने के पश्चात ससुराल पक्ष की रूतियों एवं रीति रिवाजो के अनुसार मेरा नाम गीता दीक्षित हो गया है जिस कारण मुझे गीता दीक्षित के नाम से जाना पहचाना व पुकारा जाय तथा अभिलेखो मे मेरा नाम गीता दीक्षित दर्ज किया जाय । –श्रीमती गीता दीक्षित पत्नी श्री गोपाल दीक्षित पुत्री स्व0 शम्भूनाथ मिश्रा निवासिनी–म0 नं0 592/146 रथीन्द्र नगर तेलीबाग, लखनऊ

सूचना
सूचित किया जाता है की मेरा बैंक आफ बड़ौदा शाखा संडीला में बचत खाता जूनियर हाईस्कूल अंकपत्र के आधार पर खोला गया था जिसमे मेरा नाम राकेश कुमार है किंतु त्रुटिवश पासबुक पर राकेश कुमार गुप्ता हैजबकि अन्य सभी अभिलेखों में मेरा नाम राजेश कुमार गुप्ता है। यह दोनो नाम मेरे है अलग अलग व्यक्ति नही है। सूचना प्रकाशन के 15 दिन के अंदर यदि किसी को आपत्ति हो तो बैंक आफ बड़ौदा में कर सकता है। **–राजेश कुमार गुप्ता पुत्र बद्री प्रसाद गुप्ता, निवासी– ग्राम समद खेड़ा मजरे मीतो, जिला– हरदोई**

सूचना
सूचित हो कि मैं रेखा रानी पत्नी मनेन्द्र कुमार, निवासिनी–41, अल्हैयारपुर, फूना, फीना, बिजनौर, उ.प्र., मेरे पति मनेन्द्र कुमार आर्मी नं.–4202728P के सर्विस रिकार्ड में त्रुटिवश मेरा नाम रेखा देवी दर्ज है जबकि मेरा सही नाम रेखा रानी है। अतः मेरे पति के सर्विस रिकार्ड में मेरा नाम रेखा रानी दर्ज किया जाये।

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं प्रिया सिंह पुत्री जितेंद्र सिंह मेरा बीएससी होम साइंस वर्ष 2010, 2013 रोल नंबर फाइनल ईयर का 947316 तथा एनरोलमेंट नंबर U 1011018 इलाहाबाद यूनिवर्सिटी की डिग्री थी जो वास्तव में खो गई है। **– प्रिया सिंह पुत्री जितेंद्र सिंह पता प– 1 नेह निकुंज कालोनी, बघाम्बरी गद्दी, अल्लापुर प्रयागराज**

सूचना
सूचित हो कि मैं **आसिफ खान पुत्र माजिद, निवासी– जमाल नगर, गैर एहतमाली, तहसील–सफीपुर, जनपद– उन्नाव,** पहले मेरा नाम आसिफ हुसैन पुत्र माजिद था। जिसे बदलकर मैने अपना नाम आसिफ खान रख लिया है । भविष्य में मुझे आसिफ खान के नाम से जाना– पहचाना व समस्त अभिलेखों में दर्ज किया जाये।

सूचना
सूचित हो कि मेरी एन.पी. बोर रायफल सं0 – ए0बी0 –05–4982 आफ 315 बोर व लाइसेन्स सं0 –9034/फतेहपुर–84 जिला उन्नाव। मेरा उक्त लाइसेन्स वास्तव में खो गया है। जिसकी द्वितीय प्रति निर्गत किया जाना आवश्यक है। **जीत बहादुर सिंह पुत्र विशम्भर सिंह, निवासी– भड़सर, नौशहरा, थाना– फतेहपुर–84, जिला उन्नाव**

लोस चुनाव

अखिल भारतीय साहित्य परिषद ने की मतदाता जागरुकता संगोष्ठी

चुनाव को त्योहार समझ कर उत्साह पूर्वक करने जाएं मतदान

संवाददाता,माधौगण ,जालौन

अमृत विचार। अखिल भारतीय साहित्य परिषद (कानपुर-बुंदेलखंड प्रांत) द्वारा मतदाता जागरुकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें सुदृढ़ लोकतंत्र की स्थापना व लोक कल्याणकारी सरकार बनाने के लिए मतदान की अनिवार्यता पर बल दिया। जनपद जालौन के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल पंचनद संगम के बाबा साहब मंदिर पर अखिल भारतीय साहित्य परिषद (कानपुर-बुंदेलखंड प्रांत) द्वारा मतदाता जागरुकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें प्रसिद्ध समाजसेविका चेतना शर्मा, भीमसेन यादव मौखरी, महेश पांडेय, विजय द्विवेदी जगम्मनपुर ने ग्राम कंजौसा की दर्जनों महिलाओं व पुरुषों की उपस्थिति में मतदान के महत्व व इसकी अनिवार्यता पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर चेतना शर्मा ने कहा कि मजबूत लोकतंत्र को बहाल रखने के लिए संविधान में वोट डालने के मिले अधिकार को बेकार न जाने दें, मतदान करके अपना मन मुताबिक अच्छा जनप्रतिनिधि चुने। इंजीनियर महेश पांडे ने ब्रिटिश काल के अत्याचारों की याद दिलाते हुए कहा कि बहुत कुर्बानियों के बाद मिली आजादी में प्राप्त मतदान का अधिकार लोकतंत्र का सबसे बड़ा संवैधानिक हथियार है इसका प्रयोग अवश्य करें। भीमसिंह यादव मौखरी में कहा कि इस पवित्र स्थल से संकल्प लें कि आगामी 20 मई को हमारा कितना भी काम खराब होता हो लेकिन सबसे पहले हम मतदान अवश्य करेंगे। विजय द्विवेदी जगम्मनपुर ने कहा कि लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा पर्व चुनाव हैं जिस प्रकार लोग किसी भी त्योहार को बहुत उत्साह से मनाते हैं। उसी प्रकार हम सब लोग बहुत उत्साह पूर्वक बढ़-चढ़ कर मतदान के दिन अमूल्य वोट डालकर लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व के भागीदारी अवश्य करें। इस अवसर पर बाबासाहब मंदिर पंचनद धाम के महंत सुमेरवन, महेश यादव कोटेदार भिटौरा, प्रज्ञादीप गौतम प्रधान जगम्मनपुर, पंकज, अजय श्रीवास सहित अनेक लोग व महिलाएं उपस्थित थीं।

संगोष्ठी को संबोधित करतीं वक्ता। अमृत विचार

महिला कल्याण विभाग द्वारा निकाली गई मतदाता जागरुकता रैली।

महिला कल्याण विभाग की चाइल्ड हेल्पलाइन टीम ने निकाली रैली

उरई (जालौन)। जिला निर्वाचन अधिकारी राजेश कुमार पांडेय के निर्देश पर जनपद में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के उद्देश्य से महिला कल्याण विभाग की चाइल्ड हेल्पलाइन टीम द्वारा टाउन हॉल से स्टेशन रोड तक मतदाता जागरुकता अभियान के तहत घर–घर दस्तक देते हुए लोगों से जनपद में होने वाले 20 मई को मतदान में अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की। कहा कि आपका वोट आपकी आवाज है, अपना वोट जरूर दें। मतदाताओं को 20 मई को बूथ पर जाकर अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही दिव्यांग मतदाताओं से विशेष अपील की गई कि आप बूथ तक पहुंचें और बढ़ चढ़कर मतदान करें। इस दौरान टीम से सामाजिक कार्यकर्ता आदर्श खरे, राजा भारद्वाज, प्रिंसी, कुसुमलता, रिचा, दीप्ति आदि मौजूद थे।

हर हाल में करें अपने मताधिकार का उपयोग

माधौगढ़ जालौन। विकासखंड माधौगढ़ की ग्राम पंचायत गोरा भूमिका में जिला अधिकारी के निर्देश पर मतदाता जागरुकता अभियान के अंतर्गत बच्चों ने रैली निकालकर लोगों को जागरूक किया। ग्राम प्रधान धर्मेंद्र प्रजापति ने मतदाताओं को जागरूक करते हुए कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए सभी मतदाताओं को अपने मताधिकार का उपयोग हर हाल में करना चाहिए। आपके वोट से सरकार बनती है। सचिव सुमित यादव ने कहा कि सभी लोग अपने–अपने वोट की चोट से सरकार बनाएं। आपका वोटअमूल है इसे आप लोकतंत्र के हित में जरूर उपयोग करें। इस मौके पर शिक्षक स्वीप प्रभारी अजय सिंह भदौरिया गजेन्द्र, शिवम नाथूराम, प्रीतम, आंगनबाड़ी स्टाफ, ग्रामीणों के साथ स्कूली बच्चों की उपस्थित रही।

उत्साह तो दिख नहीं रहा, क्या दौड़ रहा कोई अंडर करंट

दिग्विजय सिंह

- मौसम गर्म लेकिन चुनावी माहौल नजर आ रहा ठंडा
- नारे व मुद्दे कम नहीं पर 2014 व 2019 वाला जोश है नदारद
- आरोप-प्रत्यारोप ने रोचकता बढ़ाई पर चर्चाएं बेनतीजा निकल रहीं

अमृत विचार । मौसम गर्म है, पर चुनाव ठंडा। 40 डिग्री से ऊपर तापमान में लू का तो असर है, पर लहर गायब है। नारे और मुद्दे कम नहीं हैं, लेकिन माहौल 2014 और 2019 वाला नहीं है। चौपालों और चाय-पान की दुकानों पर चर्चा है, दोनों गठबंधनों के आरोप-प्रत्यारोप को लेकर रोचकता है, लेकिन बहस-मुबाहिसा बेनतीजा है। ऐसा लगता है, जैसे वोटर पहले से मन बनाए बैठा है कि उसे किसे वोट देना है या फिर उसे पता है कि इस बार चुनाव का नतीजा क्या रहने वाला है। क्या इसी कारण ऊपर से उदासीनता नजर आ रही है, लेकिन मतदाता के मन में अंडर करंट दौड़ रहा है। हकीकत क्या है, इसका इशारा तो मंगलवार को तीसरे चरण में प्रदेश में 10 सीटों पर होने वाले मतदान से मिलेगा। लेकिन जमीनी हालात दो-तीन सीटों को छोड़कर बाकी जगह कुछ ऐसे नजर आ रहे हैं, जैसे उत्साह में कहीं कोई कमी रह गई है।

प्रदेश में पहले दो चरणों में पिछली बार 2019 के लोकसभा चुनाव से कम वोट डाले गए थे। इस बार चुनाव आयोग और राजनीतिक दलों में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के तमाम जतन किए हैं। वोटर को बूथ तक पहुंचाने के लिए प्रत्याशियों के साथ चुनाव संचालन समितियों ने नए सिरे से रणनीति तय की है। यह सारी कवायद कितनी सफल रही, इसका खुलासा तीसरे चरण में मंगलवार को होने वाले मतदान के आंकड़ों से ही होगा, लेकिन जिस तरह रविवार शाम प्रचार बंद होने के बाद सोमवार को पूरे दिन मतदान वाली सभी दस लोकसभा सीटों पर नेताओं, प्रत्याशियों और उनकी बूथ मशीनरी में सिर्फ एक ही चिंता अपने-अपने वोटर को अधिक से अधिक संख्या में बूथ तक पहुंचाने की नजर आयी, उससे यह कहना बेमानी नहीं होगा कि जीत का भरोसा मजबूत करने के लिए हर उम्मीदवार का गुणा-गणित वोटर पर ही आकर अटक गया है।

बड़ा सवाल

10 का दम, मतदाता बना चुके मन

अमृत विचार। प्रदेश में तीसरे चरण में मंगलवार को 10 लोकसभा सीटों आगरा, फतेहपुर सीकरी, मैनपुरी, फिरोजाबाद, हाथरस, संभल, आंवला, बरेली, बदांयू और एटा में वोट डाले जाएंगे। प्रमुख प्रत्याशी आगरा से केंद्रीय राज्य मंत्री एसपी सिंह बघेल, मैनपुरी से सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव और योगी सरकार के मंत्री जयवीर सिंह, हाथरस में प्रदेश सरकार के एक और मंत्री अनूप वाल्मीकि तथा एटा में पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के बेटे राजवीर सिंह हैं। इस

- एक केंद्रीय मंत्री के साथ योगी सरकार के दो मंत्रियों की प्रतिष्ठा का फैसला तो सपा के लिए अग्नि परीक्षा

चरण में सपा की अग्नि परीक्षा है। सपा महासचिव रामगोपाल यादव के बेटे अक्षय यादव फिरोजाबाद से तो शिवपाल यादव के बेटे आदित्य यादव बदांयू से मैदान में हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में इस चरण की दस सीटों में मैनपुरी और संभल को छोड़कर आठ सीटें भाजपा ने जीती थीं। इस बार इंडिया गठबंधन की ओर से सपा नौ सीटों पर जबकि कांग्रेस एक सीट फतेहपुर सीकरी में चुनाव लड़ रही है। भाजपा सभी 10 सीटों पर मैदान में है।

2022
मैनपुरी सीट पर मुलायम सिंह के निधन के बाद डिंपल यादव जीत चुकीं हैं उपचुनाव

नये चेहरे
आगरा लोकसभा सीट पर दिग्गज नेता केंद्रीय मंत्री के सामने सपा और बसपा ने उतारे हैं नये उम्मीदवार

एटा में जीत की राह बनी थोड़ी पेचीदा
- एटा में पूर्व सीएम कल्याण सिंह के पुत्र भाजपा प्रत्याशी राजवीर सिंह ने जीत की हैट्रिक लगाने के लिए कड़ी मेहनत की है। सपा द्वारा यादव के बजाय देवेश शाक्य को मैदान में उतारने से भाजपा को थोड़ी मुश्किल पेश आयी है। लेकिन बसपा प्रत्याशी इरफान ने सपा के जीत के गुणा-भाग को पेचीदा बना दिया है।

आंवला में कड़े मुकाबले के आसार
- भाजपा के धर्मेंद्र कश्यप यहां हैट्रिक लगाने के इरादे से फिर से मैदान में हैं। लेकिन सपा ने नीरज मौर्य को मैदान में उतारकर कड़ी टक्कर दी है। यहां मौर्य वोटरों की भारी संख्या है। भाजपा के लिए राहत की सांस बसपा के आबिद अली बने हैं, जो साइकिल की रफ्तार रोकने के लिए मजबूती से डटे रहे हैं।

संभल में उलझे दिख रहे समीकरण
- संभल में समीकरण उलझे नजर आ रहे हैं। सपा के जियाउर्रहमान बर्क और भाजपा के पुराने दिग्गज परमेश्वर लाल सैनी के बीच कड़ा मुकाबला देखने में आया है। लोग मान रहे हैं कि बसपा से उतरे पूर्व विधायक सौलत अली ने मामला फंसा दिया है। वह सपा के वोटों में सेंध लगा रहे हैं।

बरेली में चुनाव ध्रुवीकरण की तरफ
- बरेली में जीत की राह ध्रुवीकरण की तरफ बढ़ती नजर आ रही है। यहां बसपा प्रत्याशी के मैदान से बाहर होने के कारण भाजपा-सपा में सीधी लड़ाई है। भाजपा से सांसद संतोष गंगवार की जगह आए कुर्मी बिरादरी के ही छत्रपाल गंगवार की सपा के प्रवीण सिंह ऐरन से कड़ी टक्कर है।

बदायूं में तीसरे कोण से संघर्ष रोचक
- भाजपा से मौजूदा सासंद की जगह मैदान में आए दुर्विजय सिंह का मुकाबला सपा नेता शिवपाल यादव के बेटे आदित्य यादव से है। आदित्य पहला चुनाव लड़ रहे हैं। बसपा ने मुस्लिम खां पर दांव लगाकर चुनाव रोचक बना दिया है। बसपा का समीकरण राह में रोड़े न अटका दे, इसे लेकर सपा में खासी बेचैनी है।

मैनपुरी में विरासत या बदलाव
- हाई प्रोफाइल बनी इस सीट पर मुलायम सिंह यादव की विरासत और बदलाव के बीच जंग छिड़ी रही है। भाजपा से प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री जयवीर सिंह की चुनौती के चलते सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव को साइकिल गांव-गांव में दौड़ानी पड़ी है। बसपा के शिवप्रसाद यादव से यादव मतों में सेंधमारी बचाने से जूझना पड़ा है।

आगरा में केंद्रीय मंत्री का इम्तिहान
- आगरा से 2019 में भाजपा से चुने गए केंद्रीय मंत्री एसपी सिंह बघेल की प्रतिष्ठा फंसी है। सपा और बसपा ने जाटव समुदाय के प्रत्याशी उतारे हैं। दोनों ही नए चेहरे हैं। बसपा से पूजा अमरोही प्रत्याशी हैं। सपा के सुरेश चंद कर्दम ने कड़ी चुनौती पेश की है। ऐसे में बघेल की प्रतिष्ठा की परीक्षा चुनाव में हो रही है।

फतेहपुर सीकरी में बसपा का फंसाव
- भाजपा ने दिग्गज राजकुमार चाहर को फिर से मैदान में उतारा है। कांग्रेस ने पूर्व फौजी रामनाथ सिकरवार पर दांव लगाया है। उनकी इलाके में अपनी पहचान है। भाजपा विधायक के पुत्र मैदान में उतरकर चाहर का विरोध कर रहे हैं। उधर, बसपा के रामनिवास शर्मा भाजपा और कांग्रेस को परेशान कर रहे हैं। उनका समीकरण खेल बिगाड़ सकता है।

हाथरस में वोटों की सेंधमारी का खेल
- भाजपा ने यहां भी टिकट बदलकर योगी सरकार के मंत्री अनूप प्रधान वाल्मीकि को मैदान में उतारा है। उनकी राह रोकने के लिए सपा ने जसवीर वाल्मीकि को चुनावी रण में उतार दिया। बसपा के हेमबाबू धनगर भी शिद्दत से डटे हैं। यहां मुकाबले का ताना-बाना कुछ इस तरह बुना गया है कि सभी एक-दूसरे की राह में रोड़े अटकाते नजर आ रहे हैं।

फिरोजाबाद में त्रिकोणीय मुकाबला
- भाजपा ने टिकट बदलकर ठाकुर विश्वदीप सिंह को उतारा था। सपा से वर्ष 2014 में चुनाव जीते अक्षय यादव उन्हें कड़ी टक्कर दे रहे हैं। पिछली बार सपा में फूट के बावजूद भाजपा यह सीट कम अंतर से जीत पाई थी। बसपा ने चौधरी बशीर को टिकट देकर सपा को झटका देने की कोशिश के साथ ही अलग राह बनाने की कवायद की है।

परवान चढ़ेगा प्रयोग या साइकिल फिर होगी पंचर

चुनाव डेस्क। पहले 2017 के विधान सभा चुनाव में कांग्रेस के साथ गठबंधन करके चुनावी नतीजों में फेल होने फिर वर्ष 2019 का लोकसभा चुनाव बसपा के साथ मिलकर लड़ने के बावजूद सपा को मनमाफिक सफलता नहीं मिली थी। उसके खाते में सिर्फ पांच सीटें ही आई थीं।

इसके चलते इस बार सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोशल इंजीनियरिंग का नया प्रयोग किया है। इसमें सिर्फ अपने परिवार को छोड़कर किसी यादव को टिकट नहीं दिया है। 2019 में सपा ने प्रदेश में 37 सीटों पर चुनाव लड़ा था। तब उसने एम-वाई समीकरण के तहत सर्वाधिक प्रत्याशी यादव फिर मुस्लिम उतारे थे। सपा के 27 प्रतिशत प्रत्याशी यादव और 11 प्रतिशत मुस्लिम थे।

कुर्मियों को सिर्फ आठ प्रतिशत टिकट दिए थे। इस बार यादव प्रत्याशियों का हिस्सा सिर्फ 7 फीसदी है, जबकि कुर्मी-पटेल प्रत्याशी 16 प्रतिशत, पासी समाज के 11 प्रतिशत, कुशवाहा-शाक्य-सैनी समाज के 10 प्रतिशत, जाटवों के भी 10 प्रतिशत, निषाद समाज के 8 प्रतिशत और मुस्लिम प्रत्याशी सिर्फ 6 प्रतिशत ही उतारे हैं। इसके मुकाबले प्रदेश में भाजपा 75 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। उसने 21 प्रतिशत ब्राह्मण और 17 प्रतिशत ठाकुर प्रत्याशी उतारे हैं। पार्टी के 8 प्रतिशत उम्मीदवार कुर्मी हैं। भाजपा ने लगभग ऐसी ही रणनीति वर्ष 2019 के चुनाव में भी अपनायी थी, तब ब्राह्मण प्रत्याशी 22 प्रतिशत और ठाकुर प्रत्याशी 18 प्रतिशत उतारे थे। कुर्मी समाज के 9 प्रतिशत प्रत्याशी थे।

इंडिया गठबंधन के प्रमुख घटक दल कांग्रेस नार्थ ईस्ट दिल्ली से उम्मीदवार कन्हैया कुमार ने आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ रोड शो किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार पर हमला बोला। कहा कि देश का विकास इंडिया गठबंधन ही कर सकता है।

आजमगढ़ में प्रधानमंत्री मोदी की रैली कराने की तैयारी

चुनाव डेस्क। आजमगढ़ लोकसभा सीट भाजपा के लिए नाक का सवाल बन गई है। ऐसे में भाजपा यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभा कराने की तैयारी कर रही है। उप चुनाव में इस पर भाजपा के दिनेश लाल यादव निरहुआ जीते थे। जबकि 2019 में उन्हें सपा मुखिया अखिलेश यादव के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। आजमगढ़ जिले की ही लालगंज लोकसभा सीट भी भाजपा पिछले चुनाव में हार गई थी। तब बसपा की संगीता आजाद यहां से जीतीं थीं। घोसी संसदीय सीट भी बसपा के कब्जे में गई थी। बसपा के अतुल राय यहां से जीते थे। इस बार सपा ने आजमगढ़ से धर्मेंद्र यादव तो भाजपा ने दिनेश लाल यादव को पुनः मैदान में उतारा है। लालगंज से भाजपा ने पूर्व सांसद नीलम सरोज तो सपा ने पूर्व सांसद दरोगा प्रसाद सरोज पर दांव लगाया है।

भाजपा से पुराने चेहरे, सपा ने लगाया है ओबीसी-दलित दांव

चुनाव डेस्क

अमृत विचार। प्रदेश में तीसरे चरण के मतदान के बीच चौथे चरण के चुनाव वाली 13 लोकसभा सीटों पर प्रचार अभियान अंतिम चरण में प्रवेश कर गया है। रुहेलखंड से लेकर सेंट्रल यूपी तक फैला यह चरण भाजपा का गढ़ माना जाता है। पिछली बार 2019 में भाजपा ने सभी 13 सीटों पर कमल खिलाया था। पार्टी ने एक बार फिर सभी सीटें जीतने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। ऐसे में इंडिया गठबंधन की सारी कोशिश इस बार भाजपा से कुछ सीटें छीनने की ही नजर आ रही है। सपा के 11 प्रत्याशियों में पांच दलित, चार ओबीसी और दो सवर्ण हैं। भाजपा ने 13 में से 11 पुराने चेहरों पर ही दांव लगाया है। केवल कानपुर और बहराइच में नए प्रत्याशी को मैदान में उतारा है।

चौथे चरण के मतदान वाली 13 सीटों पर कुल 130 उम्मीदवार मैदान में हैं। इस चरण में अकबरपुर, बहराइच, धौराहरा, इटावा, खीरी, फर्रूखाबाद, हरदोई ,कन्नौज, कानपुर, मिश्रिख, शाहजहांपुर, सीतापुर और उन्नाव लोकसभा सीट पर 13 मई को वोट डाले जाएंगे। कन्नौज लोकसभा सीट से समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव चुनाव लड़ रहे हैं। इसके अलावा उन्नाव से साक्षी महाराज, खीरी से केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा टेनी की किस्मत का फैसला भी इसी चरण में होना है। विपक्ष के लिहाज से यह चरण बेहद अहम है। बीते चुनाव में यही अकेला ऐसा चरण था, जिसमें विपक्ष को एक भी सीट नहीं मिली थी। भाजपा ने सभी 13 सीटों पर प्रत्याशी उतारे हैं। जबकि इंडिया गठबंधन से सपा 11 और 2 सीटों सीतापुर और कानपुर में कांग्रेस चुनाव लड़ रही है। भाजपा ने 2019 के चुनाव में कन्नौज, मिश्रिख और इटावा लोकसभा सीट को छोड़कर बाकी 10 सीटें 12 से लेकर 32 प्रतिशत मतों के अंतर से जीती थीं। इस बार चौथे चरण की सभी सीटों पर भाजपा और सपा-कांग्रेस ही मुख्य मुकाबले में नजर आ रही हैं। तीन से चार सीटों पर बसपा लड़ाई को त्रिकोणीय बनाने की कोशिश में लगी है।

- 2019 में चौथे चरण की सभी सीटों पर खिला था कमल, विपक्ष के हाथ एक भी सीट नहीं लगी थी
- भाजपा प्रत्याशी सभी 13 सीटों पर इंडिया गठबंधन से सपा 11 और कांग्रेस दो सीटों पर मैदान में
- सपा के प्रत्याशियों में पांच दलित समाज, चार ओबीसी वर्ग और दो सवर्ण जाति से
- भाजपा ने 13 में से 11 सीटों पर मौजूदा सांसद उतारे, कानपुर बहराइच में नए प्रत्याशी

कन्नौज
संसदीय सीट

समाजवाद के गढ़ में मोदी की गारंटी बनाम विरासत की जंग

- सपा मुखिया अखिलेश यादव और भाजपा के सुब्रत पाठक ठोक रहे ताल
- बसपा प्रत्याशी मुकाबले को त्रिकोणीय बनाने में नहीं छोड़ रहे कोई कसर

इरा अवस्थी, कन्नौज

अमृत विचार। कन्नौज का नाम आते ही इत्र की खुशबू दिलो दिमाग में छा जाती है। इत्र ही इस नगरी की पहचान है। समाजवाद के गढ़ में 1996 के बाद 2019 में कमल खिला। तब सुब्रत पाठक सांसद बने, लेकिन इस बार राह आसान नहीं दिख रही है। सुब्रत के सामने खुद सपा प्रमुख अखिलेश यादव मैदान में हैं तो बसपा से इमरान बिन जफर ने ताल ठोक रखी है। हालांकि मुख्य मुकाबला तो सपा और भाजपा के बीच है, लेकिन बसपा की कोशिश है कि किसी तरह इसे त्रिकोणीय बनाया जाए। अखिलेश जहां 2019 में पत्नी डिंपल यादव को मिली हार का बदला लेने को व्यग्र दिख रहे हैं तो सुब्रत पाठक की कोशिश है कि इस सीट पर मोदी की गारंटी के सहारे वे जीत दर्ज कर भगवा रंग को और गाढ़ा कर दें। कमल खिलेगा या वर्षों से अखिलेश यादव हार का बदला ले पाएंगे यह तो मतदाताओं को तय करना है फिलहाल इस सीट पर लड़ाई रोमांचक दिख रही है। भाजपा कार्यकर्ताओं को उम्मीद थी कि पीएम नरेंद्र मोदी कन्नौज मुख्यालय पर सभा करेंगे पर इस बार उनके हाथ निराशा लगी है।

कन्नौज की पहचान पूरी दुनिया में इत्र के कारोबार को लेकर है। कभी यहां के लोगों ने फ्रांस की ग्रासे सिटी जैसा बनाने का सपना दिखाया गया तो कभी विकसित कन्नौज का लेकिन नतीजा ढाक के तीन पात ही रहा। अब फिर से वादों की झड़ी लगाई जा रही है। अब देखना यह है कि किसके वादे मतदाताओं के दिल में उतरते हैं और वे उसे अपना सांसद चुनते हैं। फिलहाल चुनाव में राम और मुफ्त राशन की गूंज है तो बेरोजगारी और संविधान बदलकर आरक्षण खत्म करने देने का शोर भी। सबके अपने- अपने दावे भी हैं। मतदाता तो खामोश है वह यह बताने को तैयार नहीं वोट किसे देना है। अखिलेश यादव का रोड शो हो या सीएम योगी आदित्यनाथ की रैली भीड़ तो हर जगह जुट रही है पर भीड़ वोट में कितना बदलेगी इसका अंदाजा लगा पाना बड़े बड़े धुरंधरों के लिए कठिन हो रहा है।

लोहिया और उनके शिष्य मुलायम भी यहां से बने सांसद

डॉ. राममनोहर लोहिया हों या मुलायम सिंह यादव और दिल्ली की मुख्यमंत्री रहीं शिला दीक्षित इस सीट से सांसद बन चुकी हैं। यहां तक कि अखिलेश यादव भी जीत की हैट्रिक लगा चुके हैं। अब यहां से चौथी बार मैदान में हैं। डॉ. राममनोहर लोहिया तो 1967 के चुनाव में यहां से सांसद बने थे। हालांकि जब 1971 में चुनाव हुआ तो कांग्रेस को यहां से जीत मिली। आपात काल लगाए जाने से नाराज यहां के मतदाताओं ने 1977 में कांग्रेस को नकार दिया तो फिर कांग्रेस को उबरने में काफी समय लगा। यहां से जनता पार्टी के टिकट पर 1977 में रामप्रकाश त्रिपाठी जीते तो 1980 के चुनाव में छोटे सिंह यादव सांसद बने। हालांकि जब 1984 का चुनाव हुआ तो कांग्रेस ने शीला दीक्षित को उतारा और फिर क्या था यहां के मतदाता हाथ के साथ हो गए। शीला सांसद बन गईं। 1989 और 1991 की रामलहर में भी यहां के मतदाताओं ने समाजवाद को नहीं छोड़ा। दोनों ही चुनावों में छोटे सिंह यादव जनता दल के टिकट पर जीते, लेकिन 1996 की राम लहर में यहां से चंद्रभूषण सिंह भाजपा से सांसद बनने में कामयाब हो गए। इसके बाद भाजपा हो या कांग्रेस और बसपा मैदान में प्रत्याशी उतारे जरूर पर सफलता के लिए तरस गए। यहां तक की 2014 की प्रचंड मोदी लहर में भी यहां के मतदाता सपा के साथ रहे और उन्होंने डिंपल यादव को ही सांसद चुना। 2012 के उप चुनाव में भी डिंपल यहां से जीती थीं तब यह सीट अखिलेश यादव के मुख्यमंत्री बनने के बाद खाली हुई थी।

युवा मतदाताओं पर सपा की निगाह
- समाजवादी पार्टी की निगाह युवा और नए मतदाताओं पर है। पार्टी मुखिया अखिलेश यादव लगातार बेरोजगारी का मुद्दा इसी लिए उठा रहे हैं ताकि युवाओं को वे अपने से जोड़कर खुद की जीत सुनिश्चित कर सकें। भाजपा में बाहर से भले ही अंतरकलह नहीं दिख रही है लेकिन अंदरखाने भितरघात भी खूब हो रही है। सपा के लोग नाराज और खुद को उपेक्षित महसूस कर रहे नेताओं और कार्यकर्ताओं को साधने में लगे हुए हैं। ऐसे नेताओं की बकायदा सूची तैयार की गई है जो सांसद से नाराज हैं और गाहे बगाहे अपनी नाराजगी जाहिर करते रहे हैं।

बसपा की मजबूती में खुद का फायदा देख रही सपा
- बसपा ने वैसे तो कानपुर निवासी इमरान बिन जफर को उम्मीदवार बनाया है। इसलिए उन पर बाहरी को होने का ठप्पा है। इमरान और उनकी टीम लगातार अनुसूचित जाति की बस्तियों में भ्रमण कर रही है। पार्टी के रणनीतिकारों को लगता है कि भाजपा में जा चुके उनके परंपरागत मतदाता यदि पार्टी के साथ आएंगे तो इमरान चुनाव जीत सकते हैं। जबकि सपा इसमें अपना फायदा देख रही है। भाजपा की मजबूती की वजह ही बसपा के परंपरागत मतदाता बन गए हैं। ऐसे मतदाता जितनी ज्यादा संख्या में बसपा में लौटेंगे उतना ही फायदा सपा को होगा।

अखिलेश यादव के नाम जीत की हैट्रिक का रिकार्ड
- इस सीट पर 1998 में सपा के टिकट पर प्रदीप यादव जीते थे। हालांकि जब 1999 का चुनाव हुआ तो सपा प्रमुख मुलायम सिंह खुद मैदान में उतरे। मतदाताओं ने उन्हें सिर माथे पर बिठाया। वे भी सांसद बने। इसके बाद उन्होंने इस सीट को अपने पुत्र अखिलेश यादव को सौंप दिया। 2000 के उप चुनाव में पहली बार अखिलेश यादव यहां से सांसद बने और फिर 2004 और 2009 में भी जीते। 2012 में मुख्यमंत्री बनने के बाद त्यागपत्र दिया तो पत्नी डिंपल को विरासत सौंप दी। डिंपल भी यहां से 2014 में भी जीतीं पर 2019 में हार गईं।

1977
में कांग्रेस को नकार दिया तो फिर उबरने में काफी समय लगा

2014
की मोदी लहर में भी यहां के मतदाता सपा के साथ रहे

छह में से पांच सीटें भाजपा के पास
- इस लोकसभा क्षेत्र में कानपुर देहात की रसूलाबाद, औरैया की बिधूना और कन्नौज की छिबरामऊ, तिर्वा व कन्नौज विधानसभा सीट है। बिधूना पर सपा का कब्जा है। इस सीट पर सपा की रेखा वर्मा विधायक हैं। जबकि अन्य सीटों पर भाजपा काबिज है। कन्नौज सीट से विधायक असीम अरुण राज्य सरकार में मंत्री भी हैं। ऐसे में इस सीट पर जीत दिलाना उनके लिए भी प्रतिष्ठा का प्रश्न है।

उप चुनाव में डिंपल निर्विरोध जीतीं थीं
- 2012 के उप चुनाव में डिंपल यादव को सपा ने टिकट दिया था। इस चुनाव में उन्हें भाजपा, बसपा और कांग्रेस के किसी उम्मीदवार ने पर्चा ही नहीं भरा था परिणाम स्वरूप वह निर्विरोध जीत गईं थीं।

राजपूतों की नाराजगी के ग्राउंड जीरो राजकोट में मुद्दा दिख रहा फीका

राजपुरूष

- केंद्रीय मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला की टिप्पणी से उपजा था विवाद, देश भर में हुए थे प्रदर्शन
- रूपाला कड़वा पाटीदार समाज से तो कांग्रेस प्रत्याशी परेश धनानी लेउवा पाटीदार

अमृत विचार। राजकोट में सात मई के मतदान के लिए चुनाव प्रचार बंद हो चुका है, लेकिन पूरा शहर प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्री पुरूषोत्तम रूपाला की होर्डिंग्स से भरा पड़ा है। इन होर्डिंग्स में शानदार नया अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, एम्स की सौगात मिलना, राजकोट को अहमदाबाद से जोड़ने वाला छह-लेन राजमार्ग, हर घर में नल से पानी, स्मार्ट सिटी की सुविधा जैसे विकास के तमाम बड़े काम पूरे करने की भरमार के साथ आगे और तेजी से विकास के वादे लिखे नजर आते हैं। यहां 22 साल बाद दो पुराने प्रतिद्वंद्वियों के बीच टकराव देखने को मिल रहा है। भाजपा प्रत्याशी केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री परषोत्तम रूपाला के सामने पूर्व नेता प्रतिपक्ष कांग्रेस के परेश धनानी ने डटकर मुकाबला किया है, ऐसा अधिकतर लोग मानते हैं। लेकिन राजपूतों की भाजपा के नाराजगी के सवाल पर जवाब टाल जाते हैं। कांग्रेस-भाजपा दोनों के उम्मीदवार अमरेली जिले के मूल निवासी हैं और राजकोट में नए चेहरे हैं। परेश धनानी ने 2002 के विधानसभा चुनाव में अमरेली सीट से रूपाला को हराया था।

राजकोट अगर इस चुनाव में हॉट सीट हैं और सभी कि निगाहें टिकी हैं, तो उसकी वजह इस क्षेत्र का इस बार के चुनाव में राजपूतों की भाजपा से नाराजगी का ग्राउंड जीरो बनना रहा है। चुनावी अभियान की शुरूआत में केंद्रीय मंत्री रूपाला के एक बयान ने पूरे उत्तर भारत में क्षत्रिय समाज के बीच तूफान खड़ा कर दिया था। हालांकि रूपाला ने जल्दी ही माफी मांग ली, इसके बावजूद क्षत्रियों की भाजपा से नाराजगी का मुद्दा तमाम लोकसभा सीटों पर सामने आया और भाजपा ने उसे ठंडा करने, क्षत्रियों को मनाने में तमाम ताकत भी लगाई। लेकिन रूपाला को चुनाव मैदान से नहीं हटाया। दरअसल, 22 मार्च को केंद्रीय मंत्री पुरूषोत्तम रूपाला ने दलितों की एक सभा को संबोधित करते हुए अपनी टिप्पणियों से विवाद खड़ा कर दिया था, उन्होंने रुखी समाज (दलित समुदाय) की बड़ाई करते हुए कहा था कि इस समाज ने विदेशी आक्रांताओं के तमाम अत्याचार के बाद भी न तो अपना धर्म बदला और न वैसे पारिवारिक संबंध स्थापित किए, जैसे कि अनेक राजाओं और राजघरानों ने झुक कर बनाए थे। इसके बाद राजपूत समाज में आक्रोश और नाराजगी के स्वर फूट पड़े थे। राज्य भर में विरोध प्रदर्शन हुए थे। समाज के लोगों ने भाजपा के प्रति निराशा व्यक्त की थी। शासन में उचित हिस्सा नहीं मिलने की बात उठाई थी।

मतदान से पहले राजपूतों की नाराजगी की बात राजकोट लोकसभा क्षेत्र में चर्चा में तो है, लेकिन जमीन पर कोई बड़ा मुद्दा है, ऐसा नजर नहीं आता है। हालांकि इसकी एक वजह यह भी है कि 20 लाख से अधिक मतदाताओं वाली इस सीट पर क्षत्रियों का वोट सीमित संख्या में है, इसलिए उनके असंतोष से भाजपा की संभावनाओं पर असर पड़ने की संभावना नहीं है। इसके बावजूद रूपाला और भाजपा ने यहां जमकर आपदा प्रबंधन भी किया है। रूपाला को जीत तक पहुंचाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम के साथ जाति का जमकर सहारा लिया गया है। भाजपा कार्यकर्ता रूपाला की जीत के लिए दम लगाए हैं। पार्टी की एक खास इकाई ने लोगों के बीच जाकर यह प्रचार किया है कि क्षत्रिय समाज की नाराजगी रूपाला से हो सकती है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से नहीं। इसके साथ ही पार्टी ने क्षत्रिय समुदाय के विरोध की आशंका के मद्दे नजर अन्य प्रमुख जातियों को साध रखा है।

इस सबके बीच कांग्रेस उमीदवार परेश धनानी कहते हैं कि राजकोट राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का गढ़ है। यहां भाजपा ने विकास की परिभाषा को संकुचित करके समुदायों का धार्मिक और जातीय आधार पर ध्रुवीकरण कर दिया है। भाजपा राजकोट में व्यापारिक समुदाय को लुभाने के लिए बुनियादी ढांचे के विकास का कार्ड खेल रही है। उनके मुताबिक इस बार लड़ाई सांसद बनने की नहीं, बल्कि संवैधानिक अधिकारों की रक्षा की है। मुद्रास्फीति, व्यापार में मंदी और बेरोजगारी है, लेकिन लोगों को इन मूल मुद्दों से हटाने के लिए भाजपा धार्मिक और जातीय विभाजन कर रही है। आम लोग अपने हक की आवाज उठाते हैं तो उन्हें धमकाया जाता है, उन पर झूठे मुकदमे लाद दिये जाते हैं। महात्मा गांधी और सरदार वल्लभभाई पटेल के राज्य में देश की विविधता में एकता को नष्ट किया जा रहा है।

पीएम मोदी के राजनीतिक सफर का हुआ था आगाज

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चुनावी राजनीतिक सफर का आगाज राजकोट से ही हुआ था। वर्ष 2001 में मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी मिलने के बाद वह राजकोट सीट से ही उपचुनाव में जीतकर विधानसभा पहुंचे थे।

18 सीटें ढाई लाख से ज्यादा वोटों से जीती थीं भाजपा

- गुजरात में मंगलवार को तीसरे चरण में 25 सीटों पर वोट पड़ेंगे। सूरत सीट भाजपा पहले ही निर्विरोध जीत चुकी है। भाजपा यहां क्लीन स्वीप की हैट्रिक लगाना चाहती है। कांग्रेस इसे रोकने की कोशिश में भले जुटी हो, लेकिन पार्टी का वोट बैंक यहां लगातार गिरावट की ओर है। जब नरेंद्र मोदी गुजरात के सीएम या देश के पीएम नहीं थे तब भी गुजरात में लोकसभा चुनाव में कांग्रेस से भाजपा आगे रहती थी। यहां तक कि 2004 से 2014 तक जब केंद्र में कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार थी, तब भी भाजपा ने कांग्रेस से ज्यादा सीटें जीती थीं। 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने गुजरात की सभी 26 सीटों पर जीत दर्ज की थी। 2019 में गुजरात की 18 सीटों पर भाजपा के उम्मीदवार ढाई लाख से ज्यादा मतों के अंतर से जीते थे।

2019 में और बढ़ गया था भाजपा की जीत का अंतर

- 2019 के चुनाव में राजकोट में भाजपा के मोहन कुंडरिया ने 7,58,645 वोट पाकर जीते थे। कांग्रेस के कगथारा ललितभाई को 3,90,238 वोट मिले थे। 2014 में भाजपा के मोहन भाई कुंदरिया के 5,08,437 वोट और कांग्रेस के कुंवरजी भाई बावलिया ने 3,75,096 वोट पाए थे।

हरियाणा में इस बार जाति का रंग गाढ़ा

मनोज त्रिपाठी

जाट वोटरों के साथ ओबीसी और ब्राह्मणों को साधने में भाजपा और कांग्रेस दोनों ने दांव लगाएं

कई सीटों पर कांटे की टक्कर, दो जगह त्रिकोणीय, एक क्षेत्र में चतुष्कोणीय मुकाबले की तस्वीर

अमृत विचार। हरियाणा में पिछली बार 2019 के लोकसभा चुनाव में राज्य की सभी 10 सीटों पर कमल खिलाने वाली भारतीय जनता पार्टी के सामने इस बार परिस्थितियां पहले जैसी नहीं नजर आ रही हैं। हालांकि पार्टी ने कांग्रेस और अन्य दलों से काफी पहले अपने प्रत्याशी घोषित करके चुनावी अभियान में बढ़त जरूर बना रखी है। चुनावी रणनीति के तहत ही मुख्यमंत्री बदल दिया था। हालांकि जेजेपी ने साथ छोड़ दिया है, लेकिन 2019 के चुनाव में 1977 के बाद से राज्य के चुनावी इतिहास में सर्वाधिक 58 फीसदी से अधिक मत हासिल करने से भाजपा का हौसला बढ़ा हुआ है। इसके मुकाबले कांग्रेस को 2019 के लोकसभा चुनाव में 28.5 प्रतिशत मतों से ही संतोष करना पड़ा था। ऐसे में कांग्रेस के सामने सबसे बड़ी चुनौती मत पर्तिशत बढ़ाकर सीटों का सूखा खत्म करना है। पार्टी इस बार राज्य में आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन के तहत नौ सीटों पर चुनाव लड़ रही है। कुरुक्षेत्र लोकसभा सीट उसने आम आदमी पार्टी के लिए छोड़ी है। उधर, इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) तथा जननायक पार्टी (जेजेपी) विधानसभा चुनावों में अपना अस्तित्व बनाए रखने के लिए लोकसभा चुनाव के मैदान में हैं।

कांग्रेस ने भाजपा को घेरने के लिए जातीय संतुलन साधा है। पार्टी ने जो नौ उम्मीदवार उतारे हैं, उनमें दो जाट, दो दलित, दो ओबीसी, एक-एक पंजाबी, ब्राह्मण तथा एक वैश्य प्रत्याशी शामिल हैं। भाजपा ने भी जातीय और क्षेत्रीय समीकरण साधकर एक बार फिर सभी सीटें जीतने की व्यूह रचना की है। पार्टी ने ब्राह्मणों को खास तरजीह दी है। जाट वोट 22 प्रतिशत हैं, उन्हें भाजपा ने दो सीटें दी हैं, तो ब्राह्मण आठ फीसदी होने के बावजूद दो सीटें पाने में सफल रहे हैं। भाजपा ने दो दलित, एक पंजाबी, एक अहीर, एक वैश्य तथा एक गुर्जर प्रत्याशी को मैदान में उतारा है। दोनों प्रमुख दलों द्वारा जातीय संतुलन और जीत की संभावना वाले उम्मीदवार उतारे जाने से राज्य में इस बार तीन हॉट सीट बन गई हैं, जिन पर सभी की निगाहें टिकी हैं। पहले रोहतक और हिसार को हॉट सीट माना जाता था। लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के मैदान में आने से करनाल और उद्योगपित नवीन जिंदल व आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सुशील गुप्ता के आमने-सामने होने से कुरूक्षेत्र का नाम हॉट सीटों में जुड़ गया है। अब कांग्रेस से पूर्व अभिनेता राज बब्बर के आने से गुरुग्राम सीट चर्चा में है। फिलहाल चुनावी अभियान में जो समीकरण उभर रहे हैं, उनके मुताबिक राज्य की आठ सीटों पर कांटे की टक्कर मानी जा रही है। कुरुक्षेत्र समेत दो सीटों पर त्रिकोणीय संघर्ष दिख रहा है, जबकि सिरसा में चतुष्कोणीय मुकाबले की तस्वीर है।

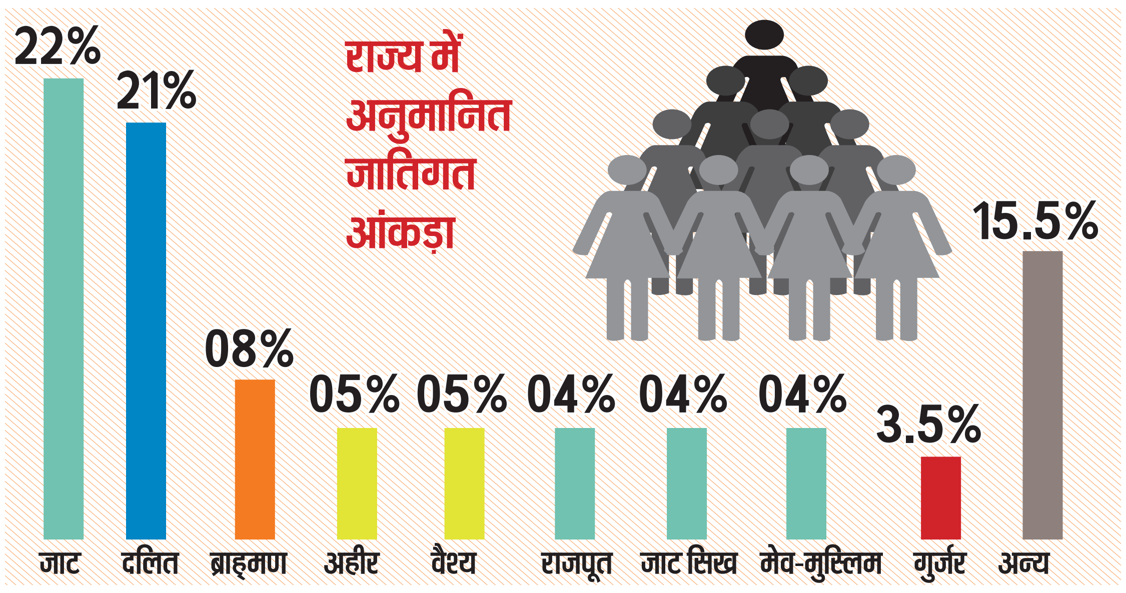

भाजपा ने बनाई है गैर जाट वोटरों को साधने की रणनीति

- हरियाणा में इस बार भाजपा ने गैर जाट मतदाताओं पर ज्यादा ध्यान दिया है। अंबाला से पूर्व सांसद रत्न लाल कटारिया की पत्नी बंतो कटारिया और सिरसा से पूर्व सांसद अशोक तंवर को चुनावी मैदान में उतारा है। यह दोनों सीटें आरक्षित हैं। बंतो कटारिया पहले भी भाजपा में कई पदों पर रह चुकी हैं, जबकि अशोक तंवर हाल ही में भाजपा में शामिल हुए हैं। फरीदाबाद लोकसभा सीट से पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर और गुरुग्राम सीट से पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत यादव चुनाव मैदान में हैं। दोनों ही ओबीसी समाज से आते हैं। जाटलैंड नाम से मशहूर रोहतक और सोनीपत लोकसभा क्षेत्र में गैर जाटों को उतारकर भाजपा ने बड़ा राजनीतिक कार्ड खेला है। रोहतक से पार्टी ने एक बार फिर से पूर्व सांसद अरविंद शर्मा को उम्मीदवार बनाया है। सोनीपत में पूर्व सांसद रमेश कौशिक की जगह ब्राह्मण विधायक मोहन लाल बड़ौली को मैदान में उतारा गया है। हिसार और भिवानी-महेंद्रगढ़ सीट से पार्टी ने जाट प्रत्याशी उतारे हैं। कुरुक्षेत्र सीट से अभी तक मुख्यमंत्री नायब सैनी सांसद थे। भाजपा ने यहां से दो बार सांसद रह चुके नवीन जिंदल को चुनाव मैदान में उतारकर वैश्य समुदाय को साथ जोड़ने का काम किया है।

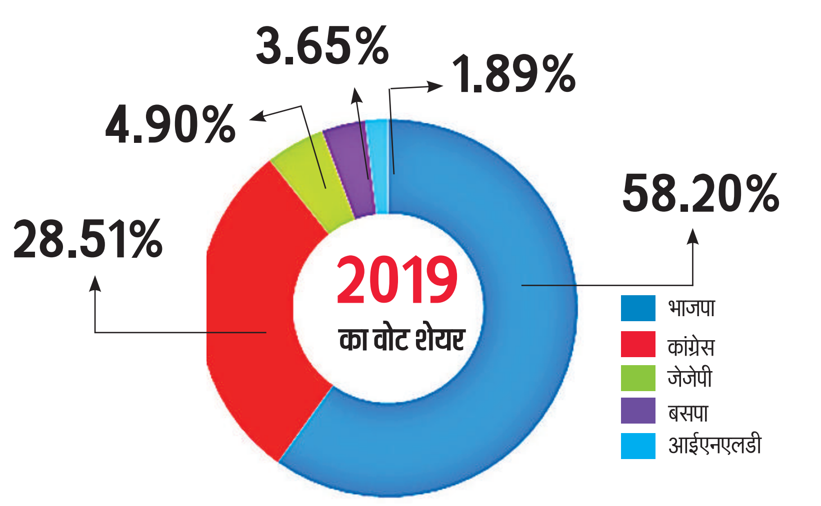

किस दल से किस जाति के प्रत्याशी

जाति	भाजपा	कांग्रेस	इनेलो	जेजेपी
जाट	2	2	4	5
गुर्जर	1	1	–	–
अहीर	1	1	–	2
वैश्य	1	1	–	–
ब्राह्मण	2	1	2	–
दलि	2	2	2	–
पंजाबी	1	1	–	–
सैनी	–	–	–	1
मराठा	–	–	1	–

10 लोकसभा की सीटें हैं राज्य में

25 मई को छठे चरण में मतदान

1.98 करोड़ से अधिक हैं मतदाता

3.63 युवा पहली बार डालेंगे वोट

कांग्रेस में हुड्डा का वर्चस्व, जातीय संतुलन

- कांग्रेस ने भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा सीट से श्रुति चौधरी पूर्व सीएम बंसीलाल की पोती की जगह राव दान सिंह को उतारा है। वह हुड्डा के करीबी हैं। भिवानी-महेंद्रगढ़ बंसीलाल के परिवार की पारंपरिक सीट मानी जाती रही है। लेकिन इस बार पार्टी ने जाट समुदाय से आने वाले मौजूदा भाजपा सांसद धर्मबीर सिंह के खिलाफ ओबीसी समुदाय के सदस्य को मैदान में उतारते हुए अपनी रणनीति बदल दी है। कांग्रेस ने बृजेंद्र सिंह को हिसार सीट से मैदान में नहीं उतारा। वह पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी बीरेंद्र सिंह के बेटे हैं और उन्होंने भाजपा उम्मीदवार के रूप में हिसार से 2019 का संसदीय चुनाव जीता था। इसी साल मार्च में वह कांग्रेस में शामिल हुए थे। कांग्रेस ने हुड्डा के करीबी पूर्व केंद्रीय मंत्री जय प्रकाश को हिसार से मैदान में उतारा है। अंबाला से पार्टी ने मौजूदा विधायक वरुण चौधरी को मैदान में उतारा है। वरुण हरियाणा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष फूल चंद मुलाना के बेटे हैं, जो लंबे समय से हुड्डा के सहयोगी रहे हैं। सोनीपत से हुडा के सहयोगी सतपाल ब्रह्मचारी को मैदान में उतारा गया है, जबकि पूर्व राज्य मंत्री महेंद्र प्रताप फरीदाबाद से चुनाव लड़ रहे हैं। दीपेंद्र हुड्डा और जय प्रकाश जाट समुदाय से हैं, जबकि अन्य दो राव दान सिंह और महेंद्र प्रताप ओबीसी वर्ग से हैं। कुमारी शैलजा और वरुण चौधरी अनुसूचित जाति से हैं, जबकि सतपाल ब्रह्मचारी ब्राह्मण हैं। करनाल से उतरे बुद्धिराजा पंजाबी समुदाय से हैं।

2019 में मिलीं सीटें

10 भाजपा — 00 कांग्रेस

2014 का परिणाम

07 भाजपा — 02 इनेलो — 01 कांग्रेस

हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने मंडी लोकसभा सीट से भाजपा की उम्मीदवार कंगना रानौत के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने अबकी बार चार सौ पार का नारा दिया। कहा कि आज भारत की कमान सुरक्षित हाथों में है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी के बारे में बताया। कहा कि कंगना मंडी का विकास करेंगी। उन्होंने राज्य की कांग्रेस सरकार पर भी हमला बोला और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों का गुणगान किया।

भाजपा ने पूर्व विधायक चिंतामणि महाराज पर लगाया है दांव

अभेद्य किला बचाने और जीतने की जंग में एसटी वोटर हथियार

सरगुजा संसदीय सीट

चुनाव डेस्क

- कांग्रेस ने शशि सिंह को सौंपा है अजेय किले को जीतने का जिम्मा

अमृत विचार। छत्तीसगढ़ प्रांत की सरगुजा लोकसभा सीट भजपा का अजेय किला है। 2004 से पार्टी लगातार यहां जीत रही है। इस चुनाव में भाजपा के इस अभेद्य दुर्ग को जीतने की जिम्मेदारी कांग्रेस ने युवा नेता शशि सिंह को सौंपा है तो भाजपा ने विधानसभा चुनाव से पहले बगावत कर भगवा खेमे में आए चिंतामणि महाराज पर दांव लगाया है। चिंतामणि महाराज पूर्व विधायक रहे हैं तो शशि सिंह के पिता पूर्व मंत्री। इस चुनाव में स्थानीय समस्याओं को कांग्रेस मुद्दा तो बनाना चाहती है पर राष्ट्रीय मुद्दों के शोर में स्थानीय मुद्दे दब से गए हैं। मोदी की गारंटी का शोर तो यहां सुनाई देता है पर भाजपाई रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह को भी खूब भुनाने की कोशिश कर रहे हैं। इसकी वजह भी है। वनवास के समय प्रभु राम यहां भी कुछ समय तक रहे थे। कांग्रेस महंगाई, बेरोजगारी के मुद्दे को भी हवा दे रही है।

2019 में भाजपा नेता रेणुका सिंह यहां सांसद बनीं थीं। उन्हें केंद्र सरकार में मंत्री बनने का मौका भी मिला। विधानसभा चुनाव में उन्हें पार्टी ने भरतपुर- सोनहत से विधानसभा का टिकट दिया और वह विधायक बन गईं। ऐसे में पार्टी ने उन्हें इस बार लोकसभा का टिकट नहीं दिया है। रेणुका सिंह को मुख्यमंत्री पद का भी प्रमुख दावेदार माना जा रहा था। सरगुजा सीट भाजपा जीते इसकी जिम्मेदारी रेणुका सिंह को भी दी गई है। वैसे भाजपा में इस सीट से टिकट के कई दावेदार थे लेकिन बाजी चिंतामणि महाराज के हाथ लगी। इसी शर्त पर ही वे भाजपा में शामिल हुए थे। इस क्षेत्र में उनका जबरदस्त प्रभाव माना जाता है। वह सामरी से विधायक रहे हैं। कांग्रेस ने उन्हें टिकट नहीं दिया था इससे नाराज होकर वे भाजपा में आए थे। उनके मुकाबले में कांग्रेस ने राहुल गांधी की खास युवा कांग्रेस की राष्ट्रीय सचिव शशि सिंह को मैदान में उतारा है। वह जिला पंचायत की सदस्य हैं। उनके पिता तुलेश्वर सिंह अजित जोगी सरकार में मंत्री भी रह चुके हैं। कंवर और गोंड जनजाति के मतदाता यहां हर बार बड़ी भूमिका निभाते हैं। इस जाति के मतदाताओं पर हर दल की निगाह है।

विधानसभा की सभी आठ सीटें भाजपा के पास

- इस लोकसभा क्षेत्र में आठ विधानसभा क्षेत्र आते हैं। सभी आठ सीटों पर भाजपा के विधायक हैं। यहां की रामानुजगंज सीट से विधायक राम विचार नेता तो प्रदेश सरकार में मंत्री भी हैं। वे राज्यसभा के सदस्य भी रह चुके हैं। इससे पहले रमन सरकार में भी वे मंत्री पद पर रह चुके हैं।

स्थानीय समस्याएं कम नहीं, पर राष्ट्रीय मुद्दे भारी

- यहां बनाए गए एयरपोर्ट को चालू करने की मांग हो रही है पर अभी तक हवाई सेवा शुरू नहीं हो सकी है। इसी तरह पड़ोसी राज्यों को जोड़ने के लिए रेल सुविधा का अभाव। दिल्ली के लिए हफ्ते में एक बार ट्रेन की सुविधा है तो अंबिकापुर से रेनुकूट रेल मार्ग व बरवाडीह रेल मार्ग को जोड़ने के प्रस्ताव पर भी अभी तक काम नहीं हो पाया है। हालांकि चुनाव में इन मुद्दों पर राष्ट्रीय मुद्दे भारी पड़ रहे हैं। कांग्रेस भाजपा पर संविधान बदलकर आरक्षण खत्म करने का आरोप बड़ी तेजी से लगा रही है तो भाजपा यह बताने में जुटी है कि न संविधान बदलेगा न आरक्षण खत्म होगा।

माता यस्य गृहे नास्ति भार्या चाप्रियवादिनी।
अरण्यं तेन गन्तव्यं यथारण्यं तथा गृहम् ॥

जिसके घर में न माता हो और न स्त्री प्रियवादिनी हो, उसे वन में चले जाना चाहिए क्योंकि उसके लिए घर और वन दोनों समान ही हैं ।

संपादकीय

स्कूलों को धमकी

दिल्ली के बाद अब अहमदाबाद में आठ स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी वाला ईमेल मिला है। इससे अभिभावकों में दहशत है। प्रारंभिक जांच के अनुसार ईमेल भारत के बाहर से भेजा गया है। दरअसल लोकसभा चुनाव के मद्देनजर मंगलवार को तीसरे चरण के लिए मतदान किया जाना है। गुजरात की 25 लोकसभा सीटों के लिए मतदान होगा। इससे ठीक एक दिन पहले सुबह के समय एक ईमेल मिला, जिसमें स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। अहमदाबाद में वीआईपी आवागमन बना रहता हैं। मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल समेत तमाम बड़ी हस्तियों के वोट डालने की संभावना है। इसके चलते अहमदाबाद पुलिस डॉग स्क्वायड और बम निरोधक दस्ते के साथ स्कूलों की जांच में जुटी है। बेंगलुरु, दिल्ली के बाद अब अहमदाबाद में अफरातफरी का माहौल है। इस धमकी के बाद परिजन परेशान हो गए। पुलिस ने अभिभावकों से परेशान नहीं होने की अपील की है। निश्चित रूप से बम संबंधी ईमेल भेजने का मकसद बड़े पैमाने पर दहशत पैदा करना और सार्वजनिक व्यवस्था को बिगाड़ना था।

गौरतलब है कि 1 मई को दिल्ली-एनसीआर में करीब 100 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी ईमेल के जरिए भेजी गई थी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और नोएडा के अलावा बेंगलुरु, कोलकाता और चेन्नई सरीखे महानगरों के स्कूलों में भी ऐसी फर्जी और अफवाह वाली मेल भेजी जा चुकी हैं। दहशत फैलाने वाले का मकसद क्या था, इस बाबत पुलिस की जांच जारी है। पुलिस का मानना है कि संभव है कि इसके लिए 'डार्कनेट' या 'प्रॉक्सी सर्वर' का प्रयोग किया गया हो। पुलिस की आतंकवाद विरोधी ईकाई, स्पेशल सेल भी जांच में जुटी है। साजिशकर्ता कहीं भी बैठकर ये मेल भेज सकते थे। दो वर्ष पहले भोपाल के मिशनरी स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी भरा ईमेल भेजने के मामले में साइबर क्राइम पुलिस ने खुलासा किया था कि वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क के जरिए जनरेट होने वाले इंटरनेट प्रोटोकोल एड्रेस के माध्यम से ईमेल स्कूलों की मेल आईडी पर आने की जानकारी एवं साक्ष्य उस विवेचना में मिले। उस समय भी सवाल था कि यह किसी आतंकी हमले का पूर्वाभ्यास भी हो सकता है? क्या आतंकी ताकतें हमारी व्यवस्था को सचेत कर, अंततः लापरवाह कर देना चाहती हैं, ताकि असल हमला किया जा सके। हालांकि इन ईमेल के मूल तक पहुंचना या साजिशकर्ता को चिह्नित करना लगभग 'असंभव' है। क्योंकि ईमेल भेजने के बाद ऐसे अकाउंट समाप्त कर दिए जाते हैं। ऐसी धमकियां भी 'साइबर अपराध' का हिस्सा हैं, जिसके खिलाफ कार्रवाई के लिए अतिरिक्त सक्रियता बरतने की जरूरत है।

जीतेगी पार्टी और हारेगी जनता

डॉ. अजय कुमार मिश्रा
लखनऊ

एक तरफ एनडीए का गठबंधन और दूसरी तरफ इंडिया का गठबंधन अपने अनुभव के आधार पर सत्ता का ख्वाब देख रहा है। देश को मिली आजादी के बाद से अनेक अप्रत्याशित बड़े बदलाव हुए हैं, पर यह भी जमीनी सच्चाई है कि अपेक्षित प्रगति और बदलाव आज तक नहीं हुआ है जिसकी वजह से अस्थिरता और व्यापक अंतर हर तबके में विद्यमान है।

18 वीं लोकसभा के गठन के लिए चुनाव प्रक्रियारत है। देश में अनेक राजनैतिक पार्टियां अपना भविष्य आजमा रही हैं, जबकि मुख्य रूप से दो पार्टी बीजेपी और कांग्रेस सत्ता पाने की दौड़ में है। एक तरफ एनडीए का गठबंधन और दूसरी तरफ इंडिया का गठबंधन अपने अनुभव के आधार पर सत्ता का ख्वाब देख रहा है। देश को मिली आजादी के बाद से अनेक अप्रत्याशित बड़े बदलाव हुए हैं, पर यह भी जमीनी सच्चाई है कि अपेक्षित प्रगति और बदलाव आज तक नहीं हुआ है जिसकी वजह से अस्थिरता और व्यापक अंतर हर तबके में विद्यमान है। दुनियां के सबसे बड़े लोकतंत्र में निष्पक्ष चुनाव भी विवादों से बच नहीं पाया है। यदि आप कुछ लोगों से और राजनैतिक पार्टियों के प्रवक्ताओं से बात करेगे तो ईवीएम पर भी बड़ा प्रश्न समझ में आएगा। पर इन सभी बातों के बीच एक महत्वपूर्ण बात जो आजादी के बाद से चली आ रही है उस पर ध्यान शायद ही किसी का हो और इस लोकसभा चुनाव भी यही होगा- "जीतेगी पार्टी, हारेगी जनता"। यह केवल एक वाक्य नहीं है बल्कि अपने देश की वास्तविक सच्चाई भी है यह तभी समझ में आएगा जब आप निष्पक्ष और गहराई से इसका आकलन करके निष्कर्ष पर पहुंच पाए।

साम्प्रदायिकता : आप क्या है? एक इन्सान या फिर एक जाति और धर्म जिसे मानवीय नेतृत्व ने निर्धारित किया है। आजादी के पश्चात से लेकर अभी तक में सांप्रदायिकता अपने चरम पर है। शिक्षित और अशिक्षित सभी श्रेणी के लोगों में इसका जहर अपना अमिट प्रभाव बना चुका है, जिसका खामियाजा छुट-पुट रूप में दिख रहा है पर आगामी समय में इसके बड़े दुष्परिणाम को रोकना लगभग असंभव होगा और यदि आप यह सोच रहे हैं कि आप इससे बचे रह जाएंगे तो आप गलत हो क्योंकि इसका खामियाजा प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष तौर पर सभी को कुछ न कुछ उठाना पड़ेगा। हां प्राप्त नुकसान का प्रतिशत कम या अधिक हो सकता है और हां इस बात के लिए सभी राजनैतिक पार्टियों को बराबर का जिम्मेदार बनाया जा सकता है।

भ्रष्टाचारः दशकों से अलग-अलग नेतृत्वकर्ताओं के द्वारा किया गया वायदा और बनाए गए नियम एक बार नहीं लगातार विफल सभी को दिखाई दे रहे हैं। समय और तकनीकी के विकास के साथ भ्रष्टाचार का नया स्वरुप सामने आया है। कमी होने के बजाय इसमें वृद्धि हुई है। इसके लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार किसे बनाया जाए, यह कहा नहीं जा सकता, क्योंकि अघोषित इस संगठन के कितने हिस्से और लोग हैं, आज तक किसी को नहीं पता। पर यह आपके जीवन का एक अभिन्न हिस्सा हो गया है और यह कहा जा सकता है की यह कुछ एक को छोड़ करके सभी के ब्लड में शामिल हो गया है।

आजादी पर रोक : आजादी के पश्चात से लेकर आज तक सभी सत्ताधारियों ने अपने हित के लिए अनेक लोगों की आजादी पर रोक लगाई है। फिर चाहे जेल में डालना हो या लोगों को पब्लिक में जाने से रोकना या फिर लोगों को एकजुट होने से तोड़ना हो। आखिर आज भी कोई निर्भय होकर कुछ बातों का प्रश्न जान सकता है क्या? यह कहा जा सकता है नहीं और ऐसे में समय के बढ़ने के साथ साथ इसमें अधिक रोक की संभावना दिखाई पड़ रही है। बेरोजगारी : जब देश पर शासन करने वाले लोगों को सरकारी बैलेंसशीट लाभ में चाहने लगे तो रोजगार की अपेक्षा करना सबसे बड़ा झूठा ख्वाब देखने जैसा है। अब सरकारें चाहें वो केंद्र की हो या राज्य की सभी रोजगार के मुद्दे को लेकर विफल हो चुकी है।

आजादी पर रोकः आजादी के पश्चात से लेकर आज तक सभी सत्ताधारियों ने अपने हित के लिए अनेक लोगों की आजादी पर रोक लगाई है। फिर चाहे जेल में डालना हो या लोगों को पब्लिक में जाने से रोकना या फिर लोगों को एकजुट होने से तोड़ना हो। आखिर आज भी कोई निर्भय होकर कुछ बातों का प्रश्न जान सकता है क्या? यह कहा जा सकता है नहीं और ऐसे में समय के बढ़ने के साथ साथ इसमें अधिक रोक की संभावना दिखाई पड़ रही है। बेरोजगारीः जब देश पर शासन करने वाले लोगों को सरकारी बैलेंसशीट लाभ में चाहने लगे तो रोजगार की अपेक्षा करना सबसे बड़ा झूठा ख्वाब देखने जैसा है। अब सरकारें चाहें वो केंद्र की हो या राज्य की सभी रोजगार के मुद्दे को लेकर विफल हो चुकी है। बढ़ती कॉन्ट्रैक्ट प्रणाली, निजीकरण भले ही सरकारी रोजगार ख़त्म कर रहे हों पर इस बात को भी झुठलाया नहीं जा सकता कि ठेका प्रणाली के विस्तार से आज कार्यरत सभी आदमी मानसिक बीमारी का शिकार है जिसका आकलन भी कोई नहीं करना चाहता। कार्य के घंटे, भुगतान, शिकायत निवारण न होना जैसे अनेक ऐसी बातें है जो आम आदमी के जीवन को खत्म कर रही हैं।

बढ़ती महंगाई और सीमित होते सामाजिक कार्य : महंगाई की स्थिति इतनी भयानक है कि आज हर आदमी अपनी जमीनी आवश्यकताओं से समझौता कर रहा है। वहीं दूसरी तरफ आम आदमी के हितों की अनदेखी के साथ-साथ सरकारी योजनाओं की घटती संख्या उनमें अवसाद उत्पन्न कर रही है। वैश्विक मानकों के तहत आज देश में शायद ही कोई प्रभावशाली योजना हो जो आम आदमी के जीवन में ऐतिहासिक बदलाव सहयोग करके ला रही हो ।

लिखने और कहने को अनेक मुद्दे और बातें है पर वर्तमान सच्चाई यह है कि दशकों पूर्व हम जिन मुद्दों से लड़ रहे थे अब वो मुद्दे अपने नए स्वरुप में सभी के सामने हैं और समाधान किसी के पास नहीं है। जमीनी आवश्यकता रोटी, कपड़ा, मकान, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, न्याय से दशकों पहले हम अपने जीवन में इनकी अनुपस्थिति से लड़ रहे थे। अब हम इनकी उपस्थिति के बावजूद इनकी लागत को न उठा पाने से लड़ रहे है। आज प्रत्येक आदमी इन मुद्दों के नए स्वरुप से लड़ रहा है और बिना किसी भेदभाव या पक्षपात के यह आसानी से कहा जा सकता है कि "जीतेगी पार्टी, हारेगी जनता"। क्योंकि इन समस्याओं ने इतना विकराल स्वरुप बना लिया है जिसका समाधान करने की शायद ही कोई सोचे। आज भी चुनाव हो रहे है आगे भी होते रहेंगे। एक दो नहीं बल्कि ऐसी अनेक बातें आएंगी और जाएंगी, जो सभी को आश्चर्यचकित कर देंगी। पर यह भी अमिट सत्य है कि इन अव्यवस्था के लिए सिर्फ एक पार्टी या राजनैतिक दल जिम्मेदार नहीं है बल्कि शासन करने वाला प्रत्येक सख्श जिम्मेदार है जिसने इन मुद्दों से लड़ने के लिए समय पर सही कार्यवाही नहीं की।

प्रसंगवश

हमारे परिवार नहीं है

इन दिनों प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चुनावी जन सभाओं में यह बात जोर शोर से कह रहे हैं कि, 'हमारे तो परिवार नहीं है, हम तो आपके परिवार, बच्चों के लिए खप रहे हैं'। इस तरह वे अपने को त्यागमूर्ति साबित करके देश हित हेतु समर्पित सिद्ध कर रहे हैं। विचार करने पर उनके इस उद्घोष में सत्यता नहीं परिलक्षित होती है। उनके परिवार तो है। विधि सम्मत विवाहिता पत्नी अभी विद्यमान होकर परित्यक्त जीवन व्यतीत कर रही हैं। रही दूर रखने की बात, तो यह हिंदू धर्म व संस्कृति तथा कानूनी प्रावधानों से भी मेल नहीं खाता। विष्णु और शिव संसार का प्रभार उठाए हैं। उनकी पत्नियां साथ हैं। शिव जी ने तो अपने अर्द्ध वाम अंग में ही पार्वती माता को स्थान दे दिया है और अर्द्धनारीश्वर होकर लोक पूज्य है। यही नहीं भारत के महापुरुष, जिनकी राष्ट्र व समाज के प्रति अप्रतिम सेवाएं रहीं हैं, पत्नी साथ रखते रहे हैं। गांधी और डा.राजेन्द्र प्रसाद के नाम इस प्रसंग में हम ले सकते हैं। जहां तक कानून का प्रश्न है, तो वैध तलाक के लिए हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 13 के अंतर्गत न्यायालय की डिग्री होनी चाहिए। मोदी जी के केस में ऐसा कुछ नहीं है, यानी देश के कानून के अनुसार पृथकत्व नहीं है। परिवार में भाई, भतीजे भी आते हैं। भतीजी विगत में गुजरात में, पार्षद चुनाव लड़ने का भाजपाई टिकट चाहती थी, जो उसे नहीं दिया गया, ताकि वंश में कोई और आगे न बढ़ सके। फैसला तो जनता करती। एक सुभाषित है-परिवर्तिनि संसारे मृतः को वा न जायते।/स जातो येन जातेन याति वंशः समुन्नतिम्।। (अर्थात् परिवर्तनशील संसार में मरता जीता कौन नहीं है? किंतु उसी का जन्म सार्थक है, जिससे वंश/कुल की उन्नति हो।)

रघोत्तम शुक्ला
सेवानिवृत्त पीसीएस

पत्नी व परिवार के त्यागी मोदी ने क्या भव्य बंगला और उच्चकोटि की सुख सुविधाएं भी त्यागीं? नहीं। चार करोड़ से ऊपर का सूट पहना। वैसे चाणक्य भी समृद्धतम राज्य के प्रधानमंत्री थे, जो नगर के बाहर कुटिया में रहकर राजकाज करते और बेहद सादा जीवन व्यतीत करते थे।

पहाड़ों में धधकी हुई है आग

अशोक पांडे
हल्द्वानी

विकास और वैज्ञानिक प्रगति का आलम यह है, हमेशा की तरह हर कोई इस बार भी बारिश का इंतज़ार कर रहा है। उसी का सहारा है। हमेशा की तरह।

अकेले कुमाऊं में पांच सौ से अधिक जगहों पर दावानल का कहर बरपा है। पांच लोग जल कर मर चुके हैं और तमाम जगहों से आग के विकराल स्वरूप के डरावने वीडियो सामने आ रहे हैं। शहरों-गांवों की हवा में इस कदर धुआं घुल चुका है कि लोग बीमार पड़ रहे हैं, बच्चों-बुजुर्गों को सांस लेने में तकलीफ हो रही है। जो अभी घट रहा है उसकी पहले से ही आशंका थी क्योंकि जंगलों का सुलगना इस साल जनवरी में ही शुरू हो गया था। यह और बात है कि हमेशा की तरह इस बार भी किसी ने समय रहते उसकी सुध न ली।

पहाड़ की सुंदरतम जगहों में हफ्तों से धुएं का गहरा परदा पड़ा हुआ है, हवा गाढ़ी हो गई है, धूप का निशान नहीं है। उसके बावजूद कल मैं देख रहा था भीमताल की झील का पानी हेलीकॉप्टरों की मदद से उठा कर जंगलों की आग के ऊपर बरसाया जा रहा था। इस दृश्य से मुदित कुछ युवा पर्यटक हेलीकॉप्टर के साथ सेल्फी ले रहे थे। पास के खोखे में उनके लिए मैगी उबल रही थी। पर्यटन और रोजगार का अद्भुत मॉडल सामने था।

पहाड़ों में अमूमन इस मौसम में आग लगना आम है। सदियों से यह परंपरा रही है कि चारे के लिए अच्छी घास उगाने की नीयत से जंगलों में फैली हुई चीड़ की सूखी पत्तियों यानी पिरूल को नियंत्रित रूप से जलाया जाता था। इस आग को नियंत्रित करने के लिए जंगलात विभाग ने बाकायदा पतरौल और अगलैन जैसे पदों पर लोग तैनात किये हुए थे। इस विभाग में काम कर चुके पुराने अफसरों के संस्मरण पढ़िए तो पता चलता है समूचा डिपार्टमेंट इस बात को सुनिश्चित करता था कि हर साल अप्रैल-मई-जून में लगने वाली इस आग से कम से कम नुकसान हो। उत्तराखंड बनने के बाद जंगल में लगने वाली आग से निबटने के लिए अलग से बाकायदा एक विभाग भी बनाया गया। अपने उद्देश्यों में वह कितना सफल रहा है सबको दिखाई देता है।

हमसे पहले की पीढ़ियां इस आपदा से साल-दर-साल सलीके से लड़ती रही हैं। इधर के सालों में ऐसा क्या हुआ होगा कि तमाम अफसरशाही, नेतागिरी, अखबारबाजी और सोशल मीडिया के बावजूद हालात बिगड़ते चले गए।

समझ में आता है कि हमने एक समुदाय के रूप में सोचना और काम करना बंद कर दिया है। हम एक जिम्मेदार और सभ्य समाज के रूप में रहना भूल चुके हैं। इस तरफ रहने वाले सोचते हैं उधर की आग से हमें क्या, उधर वाला सोचता है अभी मेरा घर बचा हुआ है। आगे की आगे देखेंगे। जब दोनों तरफ के गांव आग की चपेट में आ जाते हैं तो दोनों मिलकर सोचते हैं इतनी बड़ी सरकार है, यह तो उसका काम है। वन विभाग कहता है उसकी व्यवस्था तो पूरी तरह चौकस है, शरारती तत्व आग लगाने से बाज नहीं आते।

जंगल में आग लगती है तो कीड़े-मकोड़े मरते हैं, तितलियां मरती हैं, छोटी झाड़ियां और नए पेड़ मरते हैं, उड़ने से लाचार चिड़ियों के नन्हे बच्चे घोंसले में ही मर जाते हैं, वन्य जीवों के कुनबे उजड़ जाते हैं। प्रकृति और उसकी पारिस्थितिकी का संतुलन ऐसा डावांडोल होता है कि अगर सब ठीक चला तब उसे सम्हलने में दस-बारह साल लग जाते हैं। पानी के प्राकृतिक स्रोत तबाह हो जाते हैं। यह कॉमन सेंस की बात है जिसे अनिवार्य रूप से स्कूलों के पाठ्यक्रमों में जगह मिलनी चाहिए।

सरकार के पास तमाम संसाधन हैं लेकिन उसके पास न कोई तैयारी है, न कोई विजन। आग बुझाने की ट्रेनिंग के जो कार्यक्रम दिसंबर जनवरी में गांव-गांव में चलाए जाने चाहिए थे उनकी याद मई-जून में आती है। जिन वनकर्मियों को अत्याधुनिक उपकरणों से लैस कर दिया जाना चाहिए था उनके पास एक लाठी है या हद से हद एक रेक जिसके दांते टूट चुके हैं। जंगल जलता है तो वे उसी जंगल के बचे हुए पेड़ों के पत्तों को तोड़ कर उनकी झाड़ू बनाते हैं। फिर उसी झाड़ू से पीट-पीट कर आग बुझाने का प्रागैतिहासिक तरीका अपनाया जाता है।

पर्यावरण किसी भी राजनैतिक पार्टी के एजेंडे में कहीं नहीं है। हिमालय और उसके सरोकार किसी मैनीफेस्टो का हिस्सा नहीं बनते। एक जमाने में आग को बुझाने का काम सरकार और जनता दोनों का साझा होता था। अब दोनों के बीच कैसी दूरी है बताने की ज़रूरत नहीं। जो सरकार जागेश्वर जैसी जगह के पांच सौ साल पुराने देवदारों को काटने की योजना तक बना सकती है, उसके सरोकारों में पेड़ और जंगलों की जगह कहां होगी यह भी बताना बेमानी है।

विकास और वैज्ञानिक प्रगति का आलम यह है , हमेशा की तरह हर कोई इस बार भी बारिश का इंतजार कर रहा है। उसी का सहारा है। हमेशा की तरह।

सोशल फोरम

ये गारंटियां पे गारंटियां

ये चुनाव भी क्या शै हैं, जैसे गारंटियां ही गारंटियां दिए जा रहे हैं नेता। एक से बढ़कर एक गारंटी। पहले तो व्यावसायिक कंपनियां गारंटियां दिया करती थीं और कोई भी चीज़ खरीदने के बाद गारंटी संभाल कर रखते थे ताकि समय आने पर कंपनी को दिखाई जा सके। अब पिछले दस वर्षों से राजनीति वाले भी गारंटियां देने लगे हैं और जनता इनसे कुछ पूछने के मूड में दिख रही है -पुरानी गारंटियां दिखा कर। जैसे अच्छे दिन आने की गारंटी दी गई थी, जैसे स्विटजरलैंड से काला धन लाकर सीधे हर किसी के खाते में पंद्रह पंद्रह लाख रुपये आने की गारंटी और दो करोड़ युवाओं को रोज़गार जैसी गारंटियां दी गई थीं। अच्छे दिनों की बात तो चुनावी जुमला कहकर टाल दी गई और युवाओं को रोजगार के नाम पर कितने युवाओं को रोजगार मिला, ये आंकड़े आए नहीं कभी। हां, महंगाई की कोई गारंटी नहीं थी, सो महंगाई खूब बढ़ी और रसोई गैस सिलेंडर एक हज़ार से ऊपर चला गया। किसानों को तीन कृषि कानूनों का विरोध एक साल से ऊपर तक करना पड़ा, तब कभी जाकर जान छूटी। अब एमएसपी के लिए फिर संघर्षरत हैं, किसान और हरियाणा में तो भाजपा प्रत्याशियों को इसके बारे मे काले झंडे दिखा कर सवाल पूछे जा रहे हैं। इस गारंटी का क्या होगा और कौन पूरी करेगा? क्या कांग्रेस यह गारंटी देगी कि यदि सत्ता में आई तो कोई डमी प्रधानमंत्री नहीं बनाएगी? क्या कांग्रेस यह गारंटी देगी कि इमरजेंसी जैसी कोई भूल फिर नहीं करेगी? क्या यह अग्निवीर योजना रद करेगी और रसोई गैस व पेट्रोल की कीमतों पर काबू रखेगी ? ओल्ड पेंशन बहाल करेगी?

कमलेश भारतीय
वरिष्ठ पत्रकार

यह शहजादा या शाही परिवार पर हमले करने से जनता की समस्याओं का हल निकल आएगा या सत्ता में आने पर कौन -कौन सी गारंटी राहुल पूरी कर पाएंगे? उतनी ही गारंटियां दो, जितनी पूरी कर सको। बाद में चुनावी जुमले साबित न हों ये गारंटियां ।
चुनाव में मारी एंटरियां/ तो देने लगे गारंटियां।

-फेसबुक वॉल से

ऐतिहासिक बरेली कॉलेज की विरासत

सुधीर विद्यार्थी
वरिष्ठ लेखक, बरेली

सत्तावनी क्रांति में यहां अध्यापक रहे कुतुबशाह के साथ 1857 में ही लखनऊ में फांसी चढ़ने वाले इस कॉलेज के छात्र रहे शहीद जैमिग्रीन के नाम के हर्फ तक यहां ढूंढे नहीं मिलते।

बरेली कॉलेज अपनी स्थापना के 187 वर्ष पूरे कर चुका है। 1937 में शुरू हुए इस शिक्षा संस्थान के 1905 में बने नए भवन का उद्घाटन करने अवध-आगरा क्षेत्र के लेफ्टीनेंट गवर्नर सर जेम्स जोन्स डिगस लाटूश आए थे। महाविद्यालय बनते-बनते इस कॉलेज ने अपने लंबे सफरनामे में बहुत उतार-चढ़ाव देखे। वर्ष 1987 में इस कॉलेज की डेढ़ सौवीं जयंती मनाई गई। तब 'शताब्दियों में बरेली कॉलेज' को कुछ इस तरह याद किया गया था- शताब्दियों से जिनका उच्च शिक्षा से कोई संबंध न रहा हो उन्हें किसी विशेष शिक्षण संस्था का प्राचीन इतिहास कुछ भी आकर्षित न करे पर पिछले डेढ़ सौ वर्षों से बरेली और उसके आसपास दूर-दूर के क्षेत्रों में जिनके किसी संबंधी का भी कोई संबंध बरेली कॉलेज से रहा है वह उसके अस्तित्व के विगत इतने वर्षों के इतिहास से अपने को जुड़ा हुआ समझ सकता है। आगरा के आगरा कॉलेज और दिल्ली के दिल्ली कॉलेज की तरह बरेली कॉलेज भी देश के प्राचीनतम शिक्षण संस्थाओं में से एक है। उसकी स्थापना सन् 1837 में एक स्कूल के रूप में हुई थी तो देश में समझौते की नई शिक्षा नीति का ऐलान हो चुका था और उसकी शिक्षा का उद्देश्य प्रशासनिक कार्यों में सहयोग के लिए बाबू तैयार करना था। सन् 1950 में उसे राजकीय कॉलेज का स्तर तो दे दिया गया था, पर उस समय तक जो भारतीयता की भावना इस क्षेत्र में फैल गई थी वह प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के आते-आते स्वयं ब्रिटिश शासन के लिए पर्याप्त सिर दर्द बन चुकी थी। मार्च अप्रैल सन् 58 तक उस संग्राम के महान नेता नाना साहब अपने साथियों के साथ तत्कालीन बरेली कॉलेज की इमारत में रहे थे और 31 मई को सवेरे जिस दिन संग्राम छिड़ गया तो अंग्रेज अधिकारी मारे गए उनमें बरेली कॉलेज के अंग्रेज प्रिंसिपल बक़ भी थे। ब्रिटिश शासन की पुनर्स्थापना के बाद बरेली कॉलेज को अपने विकास में इस बगावत का परिणाम वर्षों तक भुगतना पड़ा। अपनी बीए और वकालत की परीक्षाओं के लिए वर्षों तक कलकत्ता, इलाहाबाद और आगरा विश्वविद्यालयों से संबद्ध रहने के बाद अब बरेली कॉलेज इस क्षेत्र के विश्वविद्यालय रूहेलखंड से संबद्ध सर्वाधिक प्रमुख शिक्षण संस्थान हैं। लगातार शिक्षण कार्य के इस लंबे काल में बरेली कॉलेज ने सत्ता के सर्वोच्च पदों को प्राप्त करने वाले अधिकारी ही नहीं, अनेक क्रांतिकारी और स्वतंत्रता सेनानी भी उत्पन्न किए। अपने एक निर्णय में प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को अपदस्थ करने वाले भूतपूर्व जस्टिस सिन्हा और राज्यपाल श्री बर्नी इसी बरेली कॉलेज की देन हैं। बरेली कॉलेज के हिंदी प्राध्यापक और कवि वीरेन डंगवाल के संपादन में एक स्मारिका भी प्रकाशित हुई थी जिसमें उन्होंने इस ऐतिहासिक शिक्षा संस्थान के अतीत का उत्खनन करके हमें हमारी विरासत सौंपने का बड़ा काम किया था, जिसमें 1857 में इस कॉलेज में फारसी के अध्यापक रहे कुतुबशाह को याद किया गया था,जो क्रांतिकारी नेता खान बहादुर खां के प्रकाशक थे और बगावत के उन दिनों छपने वाले इश्तहारों में उनका नाम होता था। कुतुबशाह को फांसी की सजा तजवीज की गई थी,लेकिन बाद को उसे देश निकाला में तब्दील कर दिया गया। आज कुतुबशाह के नाम का कोई पत्थर बरेली कॉलेज की किसी दीवार पर नहीं लगा है। कितना अजीब है कि सत्तावनी क्रांति के इस अप्रतिम योद्धा की कोई तस्वीर भी हमारे पास नहीं है। कॉलेज के सभागार में देश के प्रसिद्ध राजनेताओं की आदमकद तस्वीरें सजी हैं, लेकिन यहां से जुड़ी रही बड़ी शख्सियतों के निशानात पूरी तरह गायब हैं।

सत्तावनी क्रांति में यहां अध्यापक रहे कुतुबशाह के साथ 1857 में ही लखनऊ में फांसी चढ़ने वाले इस कॉलेज के छात्र रहे शहीद जैमिग्रीन के नाम के हर्फ तक यहां ढूंढे नहीं मिलते। शहीद भगतसिंह के चाचा क्रांतिकारी सरदार अजीत सिंह, हिन्दी एकांकी के जनक भुवनेश्वर, प्रसिद्ध छायावादी कवि होरीलाल शर्मा 'नीरव', साहित्यकार निरंकार देव सेवक, पं. छेदालाल (1870 में कॉलेज के पहले बीए) या प्राच्यशास्त्री और भाषाविद् प्रो. भोलानाथ शर्मा का इस कॉलेज से सघन जुड़ाव रहा। यहां आने वाले कवि साहित्यकार रामधारी सिंह 'दिनकर', हरिवंश राय 'बच्चन', सुभद्रा कुमारी चौहान, मदर टेरेसा, विजय लक्ष्मी पंडित, सेठ गोविन्द दास और डॉ. कर्णसिंह जैसों के नाम को हम गर्व के साथ स्मरण कर सकते हैं।

तर्क और विज्ञान का रास्ता

मैंने ओशो का पढ़ा और गुना। वह सागर विश्वविद्यालय में दर्शन शास्त्र के विद्यार्थी और प्रवक्ता रहे। दर्शन में वह बौद्ध दर्शन से प्रभावित हुए और बौद्ध दर्शन में भी लगता है वह महायान की वज्रयान शाखा से क्योंकि तभी तो उन्होंने संभोग से समाधि जैसी किताब लिखी। हर दार्शनिक की एक सोच होती है, वह जिंदगी जीने का एक दर्शन बनाता है, उसे ही ज़िंदगी में आगे बढ़ने का दर्शन, आगे बढ़ने का रास्ता बताता है। ओशो हो या कृष्णमूर्ति हो, उनका भी पसंदीदा एक रास्ता है, जिसे ही वह ज़िंदगी जीने का सही रास्ता समझते है। घूम फिर कर वह उसी रास्ते पर बार बार आ जाते है। एक बात साफ है इनके रास्ते में कर्मकांड कहीं नहीं है। यह तर्क और विज्ञान का रास्ता है।

शैलेन्द्र प्रताप सिंह
से.नि., पुलिस महानिरीक्षक

मैं भी बौद्ध दर्शन से बहुत प्रभावित हूं। राहुल सांकृत्यान ने नरम मंत्रयान के रूप में 400 से 700 ई. तक और गरम मंत्रयान या जिसे वज्रायान कह सकते हैं, उसका समय 800 से 1200 ई० तक माना है। महायान से ही आगे चलकर मंत्रयान, तंत्रयान, वज्रयान आदि पंथ निकले थे। उल्लेखनीय है हीनयान में व्यक्तिगत निर्वाण को प्रमुखता, अष्टांगिक मार्ग की साधना (विपश्यना ध्यान) पर जोर है, वहीं महायान में बोधिसत्व की कल्पना, परोपकार, महामैत्री, महाकरुणा एवं आदर्श अवतार की कल्पना है, जो चोरों तक के दुःखी रहने तक निर्वाण नहीं चाहता। महायानी (माध्यामिक मत के) नागार्जुन का शून्यवाद सभी पदार्थों चित्त और पंच स्कन्धों को भी शून्य मानता था, जबकि मैत्रेय और असंग (जो क्रमशः लगभग 375 व 400 ई. में जन्मे थे) का योगाचार मत (विज्ञानवाद) विज्ञान या चित्त को सत मानता है, शेष सब कुछ असत है। योगाचार्रियों का यह चित्त अकुशल कर्मों के प्रभाव से, स्मृति, वासना, कल्पना आदि से अशुभ हो जाता है। योगाचार मत ने इसी कारण प्रज्ञा के साथ योग और आचार को महत्ता दी। चौथी शताब्दी के असंग कृत 'प्रज्ञा पारमिता' ही आधार बनी 'गुह्य समाज तंत्र' की। हुआ यह कि युवा बौद्ध भिक्षु और भिक्षुणियों के एक साथ रहने से ब्रह्मचर्य के पालन में कठिनाईयां आने लगीं और कालान्तर में वे अपना धर्मशास्त्र 'गुह्य समाज तंत्र' लेकर सामने आए । बुद्ध ने कहा था कि न तो भोग से और न कृच्छ साधनाओं से निर्वाण मिलता है। इसी को आगे बढ़ाते हुए गुह्य समाज तंत्र ने घोषणा की कि सांसारिक सुखों से मुंह मोड़कर शरीर को दंडित करना निर्वाण की राह नहीं है और उन्होंने योग द्वारा समाधि में सफलता के लिए नारी (प्रज्ञा) की पूजा और उसका सहयोग अनिवार्य बताया। गुह्य समाज तंत्र (शास्त्र) की सबसे बड़ी विशेषता बौद्ध धर्म में शक्ति तत्व की प्रतिष्ठा करना है।

चुनावी चक्कर

● कैसा होगा श्याम रंगीला का राजनीतिक रंग?:

नाम है श्याम रंगीला। नाम ही नहीं काम भी इनका कुछ ऐसा ही है। दरअसल, श्याम रंगीला कॉमेडियन हैं और मोदी की मिमिक्री के बूते चर्चा में रहते हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर अपनी विशेष पहचान बना रखी है। रंगीला की चर्चा फिलहाल लोकसभा चुनाव में वाराणसी से उतरने की है। वह राजस्थान से वाराणसी के लिए रवाना भी हो गए हैं। इससे पहले उन्होंने इंस्टाग्राम पर वीडियो साझा करके लिखा कि घर से निकलने से पहले दादी और पापा का आशीर्वाद लिया। इसके बाद वह स्थानीय ग्रामीणों से भी आशीर्वाद लेते नजर आ रहे हैं। तीन दिन पहले भी इंस्टाग्राम पर पोस्ट करके श्याम रंगीला ने लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए वाराणसी को चुनने की वजह भी बताई थी। कहा था कि देश में ऐसा माहौल बन गया कि विपक्षी पार्टी के उम्मीदवार टिकट लौटा रहे हैं। मैं ऐसा नहीं करना चाहता। बहरहाल, वाराणसी पहुंचकर श्याम रंगीला का रंग वैसा ही रहता है या बदलता है, यह तो वक्त ही बताएगा।

● जूता फेंकने वाले का हाथ काटने पर इनाम!

फतेहपुर सीकरी में जनसभा को संबोधित करने के दौरान राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य पर एक शख्स ने जूता फेंक दिया था। अब स्वामी प्रसाद मौर्य की पार्टी के प्रत्याशी द्वारा जूता फेंकने वाले का हाथ काटने पर 11 लाख रुपए इनाम का ऐलान किया गया। पार्टी के प्रत्याशी द्वारा बाकायदा वीडियो जारी करके इसके लिए ऐलान किया गया है। जारी वीडियो में पार्टी के प्रत्याशी होतम सिंह निषाद द्वारा कहा गया कि धर्मेंद्र धाकड़ ने हमारे नेता पर काली स्याही फेंकी थी, काले झंडे भी दिखाए थे।

श्रीकला का टिकट कटने से गर्मायी पूर्वांचल की राजनीति

जौनपुर लोकसभा सीट पर भाजपा प्रत्याशी को दे रही थीं कड़ी टक्कर

टिकट कटा, काटा या कटवाया गया दिन भर होती रही चर्चा

टिकट कटने के पीछे कई थ्योरी पर होती रहीं चर्चाएं

विनय सिंह, लखनऊ

अमृत विचार: जौनपुर से बसपा प्रत्याशी एवं पूर्व सांसद धनंजय सिंह की पत्नी श्रीकला का टिकट कटने के बाद पूर्वांचल का राजनीतिक पारा अचानक चढ़ गया।

भाजपा प्रत्याशी को कड़ी टक्कर देने और लगभग जीत के आत्मविश्वास से परिपूर्ण होकर अचानक रणभूमि से ही बाहर होना अब खासा चर्चा का विषय बन गया है। श्रीकला का टिकट क्यों कटा ?, किसके कहने पर कटा ?, क्या बीएसपी भाजपा की मदद कर रही है ?, राजा भइया को अमित शाह ने क्यों बुलाया ? जेल जाते ही धनंजय सिंह को लारेंस विश्नोई गैंग से क्यों जोड़ा गया ? और धनंजय सिंह को जमानत मिलते ही श्रीकला का प्रचार अचानक कैसे धीमा पड़ गया ?.... जैसे प्रश्न पूर्वांचल, अवध और राजधानी की राजनीतिक गलियारों में गूंज रहे हैं। उत्तर की तलाश में सभी पार्टियां और जनता है। सोशल मीडिया और एक्स पर भी टिकट कटने की घटना लगातार ट्रेंड कर रही है।

थ्योरी-1 धनंजय सिंह की पत्नी के चुनाव लड़ने पर भाजपा के उम्मीदवार कृपाशंकर सिंह को काफी नुकसान पहुंचने का अनुमान था। क्योंकि धनंजय का जौनपुर में मजबूत पकड़ है। क्षत्रिय वोटों का बंटवारा तय था। सपा ने यहां पीडीए फार्मूले के तहत बाबू सिंह कुशवाहा को टिकट दिया है। इस सीट पर यादव, मुस्लिम और कुशवाहा वोटर्स की ठीक–ठाक आबादी है। यादव और मुसलमान वोट सपा के साथ जुड़ा है, तो कुशवाहा वोटर में बाबू सिंह की अच्छी पकड़ है। पिछली बार गाजीपुर उनकी पत्नी बहुत कम अंतर से चुनाव हारी थीं।

थ्योरी-2 कुछ लोगों का मानना है कि भाजपा ने क्षत्रिय लॉबी का सहारा लेकर धनंजय सिंह पर दबाव बनाया था। हाल ही में रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया की मुलाकात गृहमंत्री अमित शाह से हुई थी। इसके बाद बस्ती से जुड़े बड़े नेता राजकिशोर सिंह भाजपा में शामिल हुए। गोसाईगंज विधायक अभय सिंह को वाई कैटेगरी की सुरक्षा दी गई। बताया जा रहा है कि क्षत्रिय नेताओं ने भी धनंजय सिंह को पीछे हटने का काफी दबाव बनाया।

थ्योरी-3 बसपा के नेशनल कोआर्डिनेटर आकाश आनंद द्वारा दिए गए भाषणों में भाजपा सरकार को टारगेट किया जा रहा था। विश्लेषकों का मानना है कि ऐसे में आकाश आनंद के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराया गया था। कहना है कि सरकार आकाश आनंद को लगातार घेर रही थी। ऐसी स्थित में बसपा सुप्रीमो मायावती द्वारा एक अदृश्य दबाव महसूस किया जाने लगा था। रविवार की देर रात बसपा का कोआर्डिनेटर धनंजय सिंह के घर पर स्वयं मौजूद थे। टिकट कटने के पहले उसकी धनंजय सिंह से लंबी वार्ता हुई है।

थ्योरी-4 दूसरी चर्चा यह है कि धनंजय सिंह की गतिविधियों को तिहाड़ जेल में बंद लारेंस विश्नोई से जोड़ने की कोशिश हुई। इसके बाद जांच एजेंसियां भी सक्रिय हुई। इसके बाद धनंजय सिंह ने अपने कदम भी पीछे किए।

जिसको चाहूंगा वही बनेगा सांसद: धनंजय

इस पूरे घटनाक्रम में धनंजय सिंह बसपा पर भड़के रहे। उन्होंने कहा कि जौनपुर ही एक मात्र सीट थी जो बसपा के खाते में जा रही थी। कहा कि बसपा नेताओं के बयानों को लेकर वह आहत हैं। वह किसी से डरने वाले नहीं है। पहले भी मेरे ऊपर तमाम झूंठे मुकदमें दर्ज किए गए, लेकिन मैं डरा और डिगा नहीं। पहले भी मुकदमें लादकर मुझे चुनाव लड़ने से रोका गया, आज भी वही हो रहा है। यह भी तय है कि जौनपुर से वही जीतेगा जिसे हम चाहेंगे। बसपा सिर्फ जौनपुर सीट की वजह से चर्चा में थी। उन्होंने कहा कि बसपा सरकार में भी मेरे ऊपर मुकदमें लादे गए क्या मैं उनसे डरा। अब हम आगे क्या करने वाले हैं इसका निर्णय हम लोग बैठकर लेंगे। अभी तत्काल मैं कुछ नहीं कह सकता। उन्होंने कहा कि बसपा को टिकट नहीं काटना चाहिए था। बसपा कोआर्डिनेटर भी झूंठ बोल रहे हैं।

अपनी ढपली अपना राग

मोदी जी ने आतंकवाद का खात्मा कर दिया। आज हमारे देश में पटाखा भी फट जाए तो पाकिस्तान सामने आकर सफाई देता है कि मेरा हाथ नहीं है। –योगी आदित्यनाथ

आजादी के शताब्दी वर्ष में निश्चित रूप से स्वावलंबी और विकसित भारत को पुन: विश्वगुरु बनने से दुनिया की कोई ताकत रोक नहीं सकती।

– मनोज सिन्हा

कोई राजपाट नहीं है कि पिता छोड़ेंगे पुत्र राजा बन जाएंगे। यह लोकतंत्र है। जनता जिसको आशीर्वाद देगी, वहीं नेतृत्व करेगा।

– ब्रजेश पाठक

वे शहजादे नहीं शहीदजादे हैं, गठबंधन के प्रत्याशियों को अवाम का जबर्दस्त समर्थन मिलते हुए देख रहा हूं।

– अविनाश पाण्डेय

रायबरेली व अमेठी में प्रियंका की अग्निपरीक्षा

▶ कांग्रेस जिला संगठन की कमजोरी को भांप चुनाव तक रहेंगी सक्रिय

जनता के बीच जाकर पारिवारिक रिश्तों की डोर को करेंगी मजबूत

दिलीप सिंह, रायबरेली

अमृत विचार : 2024 लोकसभा चुनाव आने वाले भविष्य को तय करेगी। अमेठी हो या फिर रायबरेली। कांग्रेस का गढ़ एक जगह से ध्वस्त हो चुका है। ऐसे में पार्टी किसी भी कीमत पर अमेठी की सीट जीतना चाहती है। वहीं रायबरेली से राहुल गांधी मैदान में है। स्वाभाविक है ये सीटें कहीं ना कहीं कांग्रेस के लिए सबसे महत्वपूर्ण है। इन दोनों सीटों पर सबकी निगाहें लगी हुई है। इन सबके बीच यदि किसी की अग्निपरीक्षा है तो वह प्रियंका गांधी वाड्रा।

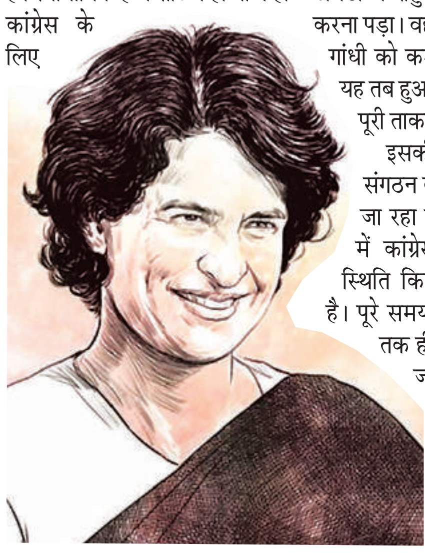

वह भले ही चुनाव मैदान में नहीं हैं, लेकिन हमेशा की तरह अपनी पार्टी की बतौर स्टार प्रचारक हैं। पिछले चुनाव में उन्होंने दोनों लोकसभा चुनाव की बागडोर अपने हाथ में लिया था। इसमें अमेठी में राहुल को हार का सामना करना पड़ा। वहीं रायबरेली में सोनिया गांधी को कड़ा संघर्ष करना पड़ा। यह तब हुआ, जब प्रियंका ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी।

इसकी वजह कहीं ना कहीं संगठन का कमजोर होना माना जा रहा है। जीत के बाद जिले में कांग्रेस पदाधिकारियों की स्थिति किसी से छिपी नहीं हुई है। पूरे समय तक सिर्फ कार्यालय तक ही सिमटे रहे। एक ओर जहां भाजपा बूथ स्तर पर लगातार पकड़ मजबूत बनाए हुए है। वहीं कांग्रेस धरातल पर कम कागजों पर ज्यादा सक्रिय रही। यही वजह है कि पिछले विधानसभा चुनाव में उम्मीदवारों को करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा। ऐसे में संगठन के भरोसे जीत का दम भरना दिवास्वप्न से कम नहीं है। यही वजह है कि माहौल को भांपते हुए प्रियंका ने खुद ही मोर्चा संभालने का निर्णय लिया है।

संगठन की सक्रियता न के बराबर

लोकसभा चुनाव की तैयारियों की बात करने से पहले अगर विधानसभा में पार्टी उम्मीदवारों को मिले मतों को देखे तो साफ पता चलता है कि जिले में संगठन की सक्रियता न के बराबर है। शुरू सदर विधानसभा से करते हैं। यहां पर प्रतिष्ठित डा. मनीष चौहान को उतारा गया। संगठन से कम उन्हें अपना व्यक्तिगत मत ज्यादा मिला। पूरे चुनाव में मेहतन के बावजूद महज 6.50 प्रतिशत मत ही प्राप्त कर सके। वहीं सबसे खराब दशा ऊंचाहार विधानसभा की रही। यहां पर अतुल सिंह को महज 4.71 मत से संतोष करना पड़ा। इसी तरह हरचंदपुर विधानसभा से सुरेंद्र विक्रम सिंह को 8.05, सरेनी विधानसभा से सुधा द्विवेदी को 19.71 और बछरावां से सुशील पासी को सबसे अधिक 27.13 प्रतिशत मत मिले।

विस चुनाव में मिले डेढ़ लाख से कम मत

लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता भले ही दम भर रहे हों, लेकिन वह कितने प्रभावशाली रहे वह विधानसभा चुनाव के आंकड़ों से साफ पता चलता है। लोकसभा क्षेत्र में आने वाले पांच विधानसभा क्षेत्र में डेढ़ लाख से भी कम मत मिले। इसमें पार्टी के कम व्यक्तिगत प्रत्याशी के ज्यादा रहे। यदि बछरावां और सरेनी विधानसभा में संगठन की भूमिका सक्रिय रहती तो जरूर प्रत्याशी को जीत हासिल होती। डा. मनीष चौहान, अतलु सिंह और सुरेंद्र विक्रम सिंह को शर्मिंदगी का सामना ना करना पड़ता।

विधानसभा में कांग्रेस प्रत्याशी को मिले मत

विधानसभा	प्रत्याशी	मत
सदर	डा. मनीष चौहान	14,954
सरेनी	सुधा द्विवेदी	42,702
ऊंचाहार	अतुल सिंह	9,985
हरचंदपुर	सुरेंद्र विक्रम सिंह	16,230
बछरावां	सुशील पासी	56,835

7वें चरण में 13 लोस व एक विस सीट के लिए आज से नामांकन

अमृत विचार, लखनऊ: सातवें चरण में 13 लोकसभा व विधानसभा की एक सीट के लिए सात मई से नामांकन शुरू होंगे।

इस चरण में एक जून को मतदान होगा।मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि इस चरण में 11 सीटें सामान्य श्रेणी व दो सीटें आरक्षित श्रेणी की हैं। इस चरण के अंतर्गत लोकसभा सीटों में महराजगंज, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, बांसगांव (अजा), घोसी, सलेमपुर, बलिया, गाजीपुर, चंदौली, वाराणसी, मिर्जापुर, राबर्ट्सगंज (अजा) के लिए चुनाव होंगे। ये सीटें महाराजगंज, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, मऊ, बलिया, गाजीपुर, चंदौली, वाराणसी, मिर्जापुर व सोनभद्र समेत 11 जिलों के अंतर्गत आते हैं। इसी प्रकार दुद्धी (अजजा) विधानसभा क्षेत्र सोनभद्र के अन्तर्गत है।मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि नामांकन भरने की अंतिम तिथि 14 मई निर्धारित है। नामांकन पत्रों की जांच 15 मई को की जायेगी। 17 मई को नाम वापसी की अंतिम तारीख निर्धारित है। उन्होंने बताया कि इस चरण के लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में 2.49 करोड़ मतदाता हैं।

रामद्रोही और राष्ट्रद्रोही है इंडी गठबंधन

अमृत विचार, लखनऊ: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस और इंडी गठबंधन को रामद्रोही और राष्ट्रद्रोही बताया है। अपने सरकारी आवास पर मीडिया से बात करते हुए सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस ने लगातार रामभक्तों और राम का अपमान किया है। उसका ये आचरण दिखाता है कि वह वास्तव में सनातन राष्ट्र का अपमान करती रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने कभी कोई अवसर नहीं छोड़ा जब उसने देश और दुनिया में भारत को अपमानित न किया हो और सनातन धर्म को गाली न दी हो। योगी के मुताबिक, ये इंडी गठबंधन का चरित्र है। ये लोग लगातार भारत की आत्मा को गाली देते हैं। हर प्रकार का प्रयास करते हैं कि बहुसंख्यक समाज अपमानित महसूस करे। चाहे कांग्रेस हो, सपा हो, नेशनल कांफ्रेंस हो या डीएमके हो, इन सभी का आचरण निंदनीय है और इनका आचरण ही इन्हें रसातल की ओर ढकेल रहा है।योगी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लेकर कहा कि जो जितना बड़ा रामभक्त है वो उतना बड़ा राष्ट्रभक्त है। पीएम मोदी प्रखर राष्ट्रभक्त और रामभक्त हैं। 500 वर्षों का इंतजार समाप्त करके अयोध्या में रामलला फिर से विराजमान हुए हैं। अयोध्या का कायाकल्प मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में संभव हुआ है। आज जो नई अयोध्या है ये एक नई गाथा हमारे सामने प्रस्तुत करती है।

इलेक्शन बायस्कोप

उत्सव कोई भी हो फूल विक्रेताओं की तो बल्ले बल्ले रहती है। फिर मौका इन दिनों चुनाव का है। जहां कहीं भी जनसभा होती है वहां समर्थक यथासंभव विशाल माला लेकर अपने नेता को गदगद करने पहुंच जाते हैं। कुछ ऐसा ही दृश्य उप मुख्यमंत्री केशव मौर्य की जनसभा में श्रावस्ती में देखने को मिला। –अमृत विचार

मिश्रिख में पहली बार हो रहा है इतना शांत चुनाव

13 को होना है मतदान, मतदाता के मिजाज को नहीं भांप पा रहे प्रत्याशी

लोकसभा चुनाव में मतदाताओं की चुप्पी से बढ़ी प्रत्याशियों की चिंता

भाजपा ने मौजूदा सांसद अशोक रावत पर दोबारा जताया भरोसा

इंडी गठबंधन की प्रत्याशी संगीता और बसपा से बीआर अहिरवार हैं मैदान में

वीरेश शुक्ला, हरदोई

अमृत विचार: मिश्रिख लोकसभा क्षेत्र में 13 तारीख को मतदान होना है । भाजपा ने एक बार फिर यहां मौजूदा सांसद अशोक रावत पर फिर दांव लगाया है, तो वहीं इंडी गठबंधन ने सपा के चुनाव चिन्ह पर संगीता राजवंशी को मैदान में उतारा है। बसपा ने बीआर अहिरवार को उम्मीदवार घोषित किया है। जहां एक ओर अशोक राजनीति के मंजे खिलाड़ी हैं वहीं संगीता सपा के पूर्व मंत्री रामपाल राजवंशी की बहू है, दोनों की राजनीतिक पृष्ठभूमि काफी मजबूत है तो दूसरी ओर बीआर अहिरवार पहली बार जिले में चुनाव लड़ने के लिए आए हैं। इससे पूर्व व सरकारी सेवा में थे। इनको केवल बसपा के कोर वोटरों का ही भरोसा है। मतदान में अब गिनती के दिन रह गए है लेकिन इस बार के चुनाव में जनता कुछ भी बोलने को तैयार नहीं है। इससे पहले हुए चुनावों में कभी इतना शांत माहौल नहीं रहा।

अशोक रावत

संगीता राजवंशी

बीआर अहिरवार

2019 के लोकसभा चुनाव में मिश्रिख संसदीय सीट के परिणाम को देखें तो यहां पर भाजपा ने अशोक कुमार रावत को मैदान में उतारा तो उनके सामने बहुजन समाज पार्टी के डॉक्टर नीलू सत्यार्थी थे। चुनाव में समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी के बीच चुनावी तालमेल के तहत यह सीट बसपा के पास आई थी। लेकिन इसका लाभ नहीं मिला। कांग्रेस तीसरे स्थान पर रही थी। चुनाव में भाजपा के अशोक कुमार रावत को 534,429 वोट मिले तो नीलू सत्यार्थी को 433,757 वोट मिले थे। तीसरे नंबर पर रहने वाली कांग्रेस के प्रत्याशी को महज 26,505 वोट मिले थे, अशोक ने 100,672 मतों के अंतर से यह चुनाव जीता था।

2014 के लोकसभा चुनाव में मिश्रिख संसदीय सीट पर 57.86 फीसदी मतदान हुआ था। तब भाजपा उम्मीदवार अंजू बाला ने बसपा उम्मीदवार अशोक रावत को 87 हजार 363 वोटों से मात दी थी, अंजू बाला को 4,12,575 वोट और अशोक कुमार रावत को 3,25,212 वोट मिले थे, जबकि सपा के जय प्रकाश को 1,94,759 वोट मिले।

भाजपा-सपा की पकड़ मजबूत: सपा ने यहां पर पहले रामपाल राजवंशी को प्रत्याशी बनाया लेकिन स्वास्थ्य का हवाला देकर उन्होंने चुनाव लड़ने से मना कर दिया ।इसके बाद उनके पुत्र मनोज को सपा ने टिकट दिया वह भी चुनाव मैदान से हट गए अंत में उनकी बहू संगीता राजवंशी चुनाव मैदान में है । सपा प्रत्याशी के ससुर रामपाल राजवंशी का भी क्षेत्र में दबदबा है,भाजपा प्रत्याशी का कुनबा भी काफी पुराना राजनैतिक है ,लेकिन जनता की चुप्पी में सभी की धड़कनें बढ़ा रही है ।बसपा प्रत्याशी को लेकर कोई भी हलचल नहीं है ।वह दूसरे जिले के हैं। जनता पर वह अपनी कोई छाप नहीं छोड़ पा रहे हैं । उन्हें सिर्फ बसपा के पारंपरिक के वोट का ही भरोसा है ।फिलहाल इस क्षेत्र में चुनाव की कोई हलचल नजर नहीं आ रही है। जिसका असर प्रत्याशियों पर साफ दिखाई पड़ रहा है ।

2019 चुनाव के आंकड़े

दल	उम्मीदवार	वोट
भाजपा	अशोक कुमार रावत	5,34,429
बसपा	नीलू सत्यार्थी	4,33,757
कांग्रेस	मंजरी राही	26,505
पीएसपी	अरुण कुमारी कोरी	2,442

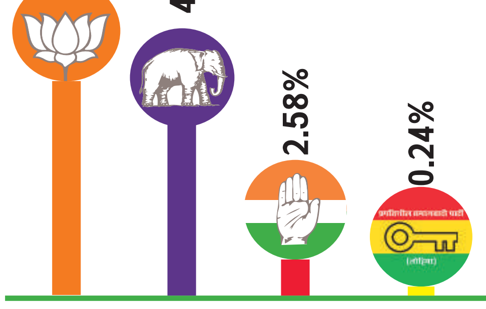

2014 चुनाव के आंकड़े

दल	उम्मीदवार	वोट
भाजपा	अंजू बाला	4,12,575
बसपा	अशोक कुमार रावत	3,25,212
सपा	जय प्रकाश	1,94,759
कांग्रेस	ओम प्रकाश	33,075

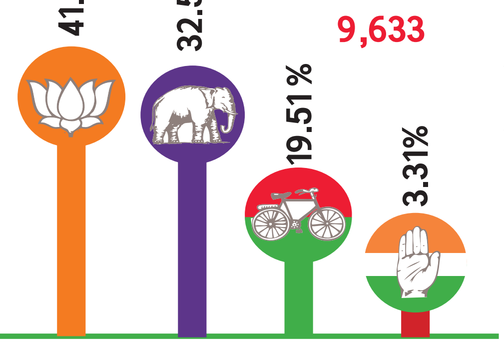

दिग्गज भी चुनावी प्रचार में

मल्लावां विधानसभा क्षेत्र में रविवार को मुख्यमंत्री योगी ने जनसभा की थी ।वहीं बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री मायावती माधौगंज क्षेत्र में 8 तारीख को जनसभा करने आ रही हैं ।सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मां मुख्यमंत्री अखिलेश यादव भी 8 तारीख को संडीला में वोटरों को रिझाने आ रहे हैं।

पांचों सीटों पर भाजपा का कब्जा

मिश्रिख संसदीय क्षेत्र को हरदोई, सीतापुर और कानपुर जिले की विधानसभा सीटों को मिलाकर बनाया गया है. इसमें सीतापुर की मिश्रिख विधानसभा सीट, कानपुर की बिल्हौर और हरदोई जिले की बालामऊ, मल्लावां तथा संडीला विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं। हरदोई संसदीय सीट की तरह यहां पर भी सभी पांचों सीटों पर भारतीय जनता पार्टी का कब्जा है।

सपा ने बदले चार प्रत्याशी

समाजवादी पार्टी ने मिश्रिख लोकसभा सीट पर चार बार प्रत्याशी बदला पहले समाजवादी पार्टी ने रामपाल राजवंशी उनके बाद बेटे मनोज राजवंशी और फिर मनोज राजवंशी की पत्नी संगीता राजवंशी को टिकट दिया था बाद में पूर्व सांसद राम शंकर भार्गव को प्रत्याशी बनाया है, लेकिन उनके चुनाव लड़ने से मना करने पर संगीता को फिर से टिकट दे दिया गया।

सभी दलों ने हासिल की जीत

यह क्षेत्र सन् 1962 में अस्तित्व में आया था, इस सीट पर सबसे पहले जनसंघ का कब्जा था, सन् 1967 से 1996 तक यह क्षेत्र कांग्रेस के खाते में रहा, उसके बाद सन् 1996–98 तक यहां भजपा वर्चस्व था, 1999 में हुए चुनाव में समाजवादी पार्टी की सुशीला सरोज, 2004 और 2009 में बहुजन समाज पार्टी के अशोक कुमार रावत ने यह सीट हासिल की थी।

युवा मतदाताओं की भूमिका रहेगी अहम

बेनीगंज/कोथावां,हरदोई

अमृत विचार: लोकसभा चुनाव में युवा मतदाताओं की भूमिका अहम होने वाली हैं, युवा अपनी पसंद की सरकार चुनने के लिए काफी उत्सुक नजर आ रहे है, खासकर वह जो पहली बार मतदान कर रहे हैं, मिश्रिख लोकसभा क्षेत्र में करीब ग्यारह लाख मतदाता मतदान करेंगे। जिनमें से बहुत से मतदाता पहली बार मतदान करेंगे, जबकि कुछ दूसरी बार भी। मिश्रिख लोकसभा क्षेत्र के लिए सांसद को लेकर हर किसी की अपनी सोंच व अपेक्षाएं हैं।

संसदीय क्षेत्र मिश्रिख की जनता व युवाओं की राय के मुताबिक उन्हें नेता नही लीडर चाहिए, जिनमें तेज व सही डिसीजन लेने की काबिलियत हो, उनका प्रतिनिधि ईमानदार, स्वच्छ छवि व विकास को तरजीह देने वाला होना चाहिए साथ ही साथ जनता के लिए सहजता से उपलब्ध हो, जनता के मुताबिक देश दुनिया की तरह उनके क्षेत्र की तस्वीर बदलनी चाहिए, युवाओं का कहना है कि प्राकृतिक संसाधनों से चलने वाले उद्योग ही काफी नहीं है, इसके लिए रोजगार परक योजनाओं पर ध्यान देने की भी काफी जरूरत है।

क्या कहते हैं मतदाता

सरकार द्वारा लोगों के हित मे महत्वाकांक्षी योजनाओं लाने व उस पर कार्य करने का मुद्दा सबसे ऊपर रहने वाला हैं, जो भी सरकार हमारे देश को विश्व मे एक नई पहचान दिलाने का कार्य करेगी हम सभी युवाओं का मत उसी को जाएगा। – मनीष कुमार वर्मा

मौजूदा सरकार ने लोगों के हित मे कार्य किया है चाहे वह गरीब हो या अमीर सरकार द्वारा सभी को समान रुप से देखा गया है, चिकित्सा से लेकर शिक्षा, राशन, वाहन, परिवहन आदि क्षेत्रों में भी बढ़ चढ़कर कार्य किया गया है जो कि मोदी की गारंटी है इसलिए हमारे नजरिए से एक बार फिर मोदी सरकार ही होनी चाहिए। – अशोक सिद्धार्थ,बेनीगंज

बीते दस वर्षों मे वह कार्य हुए हैं जो पिछले पचास सालों से अन्य सरकारों द्वारा नहीं किया जा सका था और आने वाले पांच वर्षों मे वह सबकुछ होने वाला है जिसकी किसी ने कल्पना तक नही की होगी क्योंकि इस बार विपक्ष जड़ से खत्म होने वाला है।–सत्यनारायण गुप्ता बेनीगंज

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↓
बंद हुआ	73,895.54	22,442.70
बढ़त/नुकसान	17.39	33.15
प्रतिशत में	0.02	0.15

मैंथा बाजार भाव

रामपुर-शिवालिक 995 फ्लैग 1105 डीएमओ 880 बोल्ड 1155, **सम्भल-चन्दौसी**-शिवालिक 990 फ्लैग 1100 बोल्ड 1135 डीएमओ 885।

कानपुर मंडी

अनाज (प्रति क्वि.)-	
गेहूंदड़ा	2350-2500
आरआर 21	2550-2600
गेहूंफारम	2600-2700
जौ	2000-2100
ज्वार	2000-4000
बाजरा	2100-2150
मकाई	2200-2400
दलहन (प्रति क्वि.)	
लोकल	मिल डिलीवरी
चना	5800-5900
अरहर	9000-10000
मसूर	5500-5600
मटर	3700-4000
उड़दहरा	10000-11000
उड़दकाला	6000-8000
मूंग	8500-8800
दाल (प्रति क्वि.)	
अरहरफूल	15700-15800
अरहरस्पेशल1	13700-13800
चनादाल	7100-7200
मटरदाल	4850-4950
मसूरमलका	7100-7150
मसूरदाल	7350-7400
उड़ददाल	9000- 13000
उड़द धोवा	10000- 13000
मूँगदाल	9500-10500
मूँग धोवा	10000-11500
चावल (प्रति क्वि.)	
अरवा	2000 - 2300
बासमती नं.1	8500 - 10000
सेला	2500 - 3000
बासमती नं.2	6500 - 7500
आटा-मैदा (प्रति 50 किग्रा.)	
आटा	1380-1430
मैदा	1350-1400
सूजी	1410-1430
चक्कीआटा (ब्राण्डेड 50 किग्रा.)	
शाहपसंद	1325-1350
तिलहन (प्रति क्वि.)	
लाही	4900-5000
अलसी	4500-4600 रुपये।

दुबई चखेगा रामपुर की मिर्च का स्वाद

मैंगो पैक हाउस निर्यात करेगा 15 टन जी-4 प्रजाति की हरी मिर्च, 12-15 दिन तक रहेगी सुरक्षित

विशेष

प्रशांत सक्सेना, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश के रामपुर की हरी मिर्च का स्वाद दुबई के लोग चखेंगे। लखनऊ के रहमान खेड़ा में संचालित मंडी परिषद का मैंगो पैक हाउस 75 टन हरी मिर्च का पहली बार निर्यात करेगा। इसमें दो प्रजाति जी-4 व 6813 की मांग आई है। पहले चरण में 15 टन जी-4 मिर्च मंगलवार को मुंबई के शिपयार्ड भेजी जाएगी और वहां से कंटेनर पानी के जहाज से दुबई जाएगा। दूसरे चरण में 6813 प्रजाति की मिर्च का निर्यात होगा। इस तरह कुल चार चरण में मिर्च भेजी जाएगी।

दुबई के अलावा वहां के विक्रेता आसपास शहरों में भी बिक्री करेंगे। मिर्च रामपुर के बड़े पांच-छह किसानों से 26 रुपये प्रति किलो में खरीदी है। खासियत है कि जल्द खराब नहीं होगी। स्वाद सामान्य मिर्च से अधिक तीखा है। इसकी लंबाई चार से पांच इंच तक है।

6 डिग्री के तापमान में करते हैं ठंडा और कठोर: पैक हाउस में निर्यात के लिए सबसे पहले मिर्च की धुलाई व छंटाई कर ग्रेडिंग होती है। इसके बाद कीड़े व रोग न लगे इसके लिए शाटिंग करते हैं। फिर 6 डिग्री तापमान में प्रीकूल यानी मिर्च की सिकुड़न दूर कर सीधा और कठोर बनाते हैं। इसके बाद इतने ही तापमान में ठंडा करते हैं और तैयार होने के बाद पैकिंग कर कंटेनर में 6 डिग्री के तापमान में रखते हैं। इस प्रक्रिया से 12-15 दिन तक मिर्च सुरक्षित रहती हैं। जबकि पैक हाउस से शिपयार्ड तक और वहां से पानी के जहाज से उत्पाद पहुंचने में 7 से 8 दिन लगते हैं।

बहरीन से हुई थी शुरुआत

मैंगो पैक हाउस ने आम के अलावा हरी मिर्च के निर्यात की शुरुआत पिछले वर्ष सैंपल के तौर पर बहरीन से की थी। रामपुर की करीब दो टन मिर्च भेजी गई थी। शुरुआत में मांग के अनुसार मिर्च की उपलब्धता नहीं हो सकी और परिवहन, खर्च समेत अन्य समस्याएं रहीं। जो निर्यात हुआ वह हवाई जहाज से किया था। इसमें खर्च भी अधिक आया था। इस कारण इस बार प्रयास नहीं किए गए। इसलिए दुबई पर फोकस किया गया है। यहां कृषि उत्पादों की बराबर मांग रहती है।

लखनऊ में संचालित मैंगो पैक हाउस में मिर्च की छटाई करते कर्मचारी। •

> रामपुर की मिर्च का दुबई को पहला निर्यात आज से करेंगे। इस सीजन का भी यह पहला निर्यात है। अन्य देशों से भी आर्डर लेने का प्रयास कर रहे हैं। इससे सब्जियों की पैदावार बढ़ेगी और निर्यात से किसानों को फायदा होगा।
> **-अकरम बेग,** महाप्रबंधक, मैंगो पैक हाउस, रहमान खेड़ा, लखनऊ।

सरकार 20 लाख टन चीनी निर्यात की अनुमति दे : इस्मा

नई दिल्ली। चीनी उद्योग के निकाय इस्मा ने सरकार से सितंबर में समाप्त होने वाले चालू विपणन वर्ष में 20 लाख टन चीनी निर्यात की अनुमति देने का आग्रह किया है। इस्मा का कहना है कि अधिशेष चीनी की खेप का निर्यात करने से चीनी मिलों की नकदी की स्थिति में सुधार होगा जिससे वे समय पर किसानों को गन्ना कीमत का भुगतान कर सकेंगी। चालू विपणन वर्ष 2023-24 (अक्टूबर-सितंबर) के लिए, सरकार ने घरेलू आपूर्ति को बढ़ावा देने और खुदरा कीमतों को नियंत्रित करने के मकसद से चीनी निर्यात की अनुमति नहीं दी है। पिछले विपणन वर्ष में, चीनी मिलों को लगभग 60 लाख टन चीनी निर्यात करने की अनुमति दी गई थी। सोमवार को इस्मा ने कहा कि अप्रैल, 2024 के अंत तक उत्पादन लगभग 314 लाख टन तक पहुंच गया है।

सोने की कीमत में 230 रुपये और चांदी में 700 रुपये का उछाल

नई दिल्ली, एजेंसी

अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में उछाल के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोमवार को सोना 230 रुपये की बढ़त के साथ 72,250 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 72,020 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत भी 700 रुपये के उछाल के साथ 84,300 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। इससे पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 83,600 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा-विदेशी बाजारों से सकारात्मक संकेत लेते हुए दिल्ली में हाजिर सोना (24 कैरेट) 72,250 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था जो पिछले बंद भाव से 230 रुपये अधिक है।'' अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स (जिंस बाजार) में हाजिर सोना 2,312 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था जो पिछले बंद भाव से 11 डॉलर की बढ़त है। सोने ने सकारात्मक रुख के साथ कारोबार फिर से शुरू किया क्योंकि शुक्रवार को उम्मीद से कमजोर अमेरिकी नौकरी बाजार की रिपोर्ट ने अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा सितंबर में ब्याज दर में कटौती की संभावनाओं को बढ़ा दिया है।

सर्राफा

कानपुर	
चॉदी 999 (प्रति किलो)	83,700
चांदी सिक्का (प्रति सैकड़ा)	85,000
चांदी सिक्का (सैकड़ा) बिकवाल	90,000
सोना बिस्कुट (दस ग्राम)	73,700
गिन्नी (प्रति नग)	54,900-55,100
लखनऊ	
सोना स्टैंडड (प्रति 10 ग्राम)	71,050
सोना रवा (प्रति 10 ग्राम)	70,900
गिन्नी (प्रति 10 नग)	40, 500
चांदी (999)	82,350
चांदी तैयार	82,450
चांदी का सिक्का (प्रति सैकड़ा)	90, 500
बरेली	
सोना जेवरात पक्के	70,650
सोना जेवरात गिन्नी	69,650
चांदी पक्की	805 (अनुमानित)
मुरादाबाद	
सोना 24 कैरेट	70,650
चांदी आभूषण	81,000।

प्रयोगशाला में विकसित हीरों का निर्यात सात से नौ प्रतिशत बढ़ेगा

मुंबई, एजेंसी

प्रयोगशाला में विकसित किये गए हीरों का निर्यात वर्ष 2024-25 में साते से नौ प्रतिशत बढ़कर 150-153 करोड़ डॉलर होने की उम्मीद है क्योंकि प्राकृतिक रूप से खनन किए गए हीरों की मांग सुस्त बनी हुई है। सोमवार को केयरएज एडवाइजरी की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि कम लागत के कारण इस वित्त वर्ष में घरेलू खपत और मानव निर्मित हीरों के निर्यात दोनों में वृद्धि होने की उम्मीद है। केयरएज की विश्लेषण और सलाहकार निदेशक तन्वी शाह ने कहा-एलजीडी (लैब में विकसित हीरे) निर्यात में 7-9 प्रतिशत की वृद्धि के साथ इसके चालू वित्त वर्ष में 150-153 करोड़ डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। वैश्विक स्तर पर चल रहे भू-राजनीतिक और आर्थिक व्यवधानों का सामना करते हुए, रत्न और आभूषण उद्योग प्राकृतिक हीरे की कम मांग के प्रभावों को कम करने के लिए तेजी से बढ़ते एलजीडी बाजार पर निर्भर है। रिपोर्ट में कहा गया है कि आगे चलकर एलजीडी की मांग 2024-25 में फिर से बढ़ने की उम्मीद है।

जी मीडिया कॉरपोरेशन ने सीईओ अभय ओझा को किया बर्खास्त

नअ दिल्ली। जी मीडिया कॉरपोरेशन लिमिटेड ने सोमवार को कहा कि उसके मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अभय ओझा को चार मई की तारीख से बर्खास्त कर दिया गया है। जी मीडिया ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसके निदेशक मंडल की बैठक में ओझा की सीईओ के पद पर सेवा समाप्त करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। यह निर्णय चार मई, 2024 से प्रभावी माना जाएगा। जी समूह की कंपनी ने कहा-संगठन के साथ नियुक्ति निरस्त होने के साथ ही अभय ओझा सीईओ अब नहीं रह गए हैं।

पी-नोट्स के जरिए निवेश 6 साल के उच्चस्तर पर

नई दिल्ली, एजेंसी

- सेबी ने फरवरी के अंत तक के जारी किए आंकड़े

भारतीय पूंजी बाजार में पार्टिसिपेटरी नोट्स (पी-नोट्स) के जरिए निवेश फरवरी के अंत में 1.5 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। जो पिछले छह साल का उच्चतम स्तर है। इस आंकड़े में शेयर, ऋण और हाइब्रिड प्रतिभूतियों में पी-नोट्स के जरिये किया गया निवेश शामिल है।

सेबी के साथ पंजीकृत विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) उन विदेशी निवेशकों को पी-नोट्स जारी करते हैं जो अपना पंजीकरण कराए बगैर भारतीय शेयर बाजार का हिस्सा बनना चाहते हैं। हालांकि, इसके लिए उन्हें समुचित जांच-

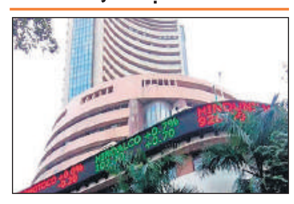

पड़ताल से गुजरना पड़ता है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, भारतीय बाजारों- इक्विटी, ऋण और हाइब्रिड प्रतिभूतियों में पी-नोट्स से निवेश का मूल्य फरवरी के अंत में 1,49,517 करोड़ रुपये था, जबकि जनवरी अंत में यह 1,43,011 करोड़ रुपये था। सेबी के आंकड़ों से पता चलता है कि यह राशि जून, 2017 के बाद से उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है, जब पी-नोट्स से निवेश 1.65 लाख करोड़ रुपये था। पी-नोट्स में वृद्धि आमतौर पर एफपीआई प्रवाह के रुझान के अनुरूप होती है। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि फरवरी में निवेश बढ़ने का श्रेय मजबूत कॉरपोरेट आय और दिसंबर तिमाही के दौरान दर्ज सकारात्मक आर्थिक वृद्धि के रुझान को दिया जा सकता है। फरवरी तक इस मार्ग से डाले गए कुल 1.5 लाख करोड़ रुपये में से 1.27 लाख करोड़ रुपये शेयरों में, 21,303 करोड़ रुपये ऋण प्रतिभूतियों में और 541 करोड़ रुपये हाइब्रिड प्रतिभूतियों में निवेश किए गए।

राष्ट्रीय

ओडिशा में बीजद अस्त और कांग्रेस पस्त : मोदी

ओडिशा की चुनावी जनसभा में बोले प्रधानमंत्री, भाजपा को लेकर लोग हैं आश्वस्त

बेरहामपुर/नबरंगपुर, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को यहां दावा किया कि ओडिशा में सत्तारूढ़ बीजू जनता दल (बीजद) 'अस्त' हो रहा है जबकि विपक्षी कांग्रेस 'पस्त' है, लिहाजा लोग भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को लेकर आश्वस्त हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने खुद को भगवान जगन्नाथ का पुत्र बताते हुए कहा कि बीजू जनता दल (बीजद) सरकार की 'एक्सपायरी डेट' चार जून है। राज्य में पहली चुनावी रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों से ओडिशा को देश का नंबर एक राज्य बनाने के लिए भाजपा को एक मौका देने का आग्रह किया। ओडिशा के आदिवासी बहुल

क्षेत्र नबरंगपुर में एक अन्य रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने दावा किया कि उनकी सरकार मूल निवासियों के कल्याण के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा, ''आपने मोदी के नेतृत्व के दस साल के ट्रैक रिकॉर्ड को देखा है। मोदी ने आदिवासी कल्याण के लिए बजट को पहले के आवंटन की तुलना में पांच गुना बढ़ा दिया।" मोदी ने दावा किया कि केंद्र की सरकार ने आदिवासी इलाकों में एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूल स्थापित किए हैं और ऐसे स्कूलों की संख्या 400 के पार पहुंच गई है। कहा कि उनके मंत्रालय में सात प्रतिशत लोग एसटी, एससी और ओबीसी श्रेणी के हैं।

लोकसभा चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले राजग को 150 सीट भी नहीं मिलेंगी: राहुल

अलीराजपुर (मप्र)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को दावा किया कि लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को 150 सीट भी नहीं मिलेंगी। राहुल ने यह भी कहा कि इस बार के चुनाव का उद्देश्य देश के संविधान को बचाना है क्योंकि भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) संविधान बदलना चाहते हैं। मध्य प्रदेश में रतलाम-झाबुआ लोकसभा सीट के अंतर्गत आने वाले अलीराजपुर जिले के जोबट कस्बे में एक जनसभा को संबोधित करते हुए गांधी ने कहा कि कांग्रेस सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि लोगों के हित में आरक्षण पर 50 प्रतिशत की सीमा हटा दी जाए। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने फिर से जातिगत जनगणना की वकालत की और दावा किया कि इससे लोगों की स्थिति के बारे में सब कुछ पता चल जाएगा और देश में राजनीति की दिशा बदल जाएगी।

राजस्थान : सड़क हादसों में सात की मौत 20 से अधिक घायल

जयपुर। राजस्थान के झुंझुनू और टोंक जिले में दो सड़क दुर्घटनाओं में सात लोगों की मौत हो गई और 20 से अधिक घायल हो गए। पुलिस के अनुसार झुंझुनू में सोमवार को मिनी बस और कार में हुई टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई और 20 से अधिक घायल हो गए। यह हादसा थली गांव के पास उस समय हुआ जब एक कार बाइक सवार को टक्कर मारने के बाद मिनी बस से टकरा गई। सिंघाना थाना प्रभारी कैलाश चंद यादव ने बताया कि मृतकों की पहचान करणवीर (27), रिंकू (25) और राहुल (19) के रूप में हुई है। ये तीनों हमीरवास से झुंझुनू के सिंघाना जा रहे थे। मृतकों में बाइक सवार सुरेश (40) और मिनी बस चालक हनुमान (45) भी हैं। घायल सिंघाना के अस्पताल में भर्ती हैं।

राहुल गांधी पर विश्वविद्यालयों में नियुक्ति की प्रक्रिया पर झूठ बोलने का लगा आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी

- देश के विभिन्न कुलपतियों और शिक्षाविदों ने की कार्रवाई की मांग

देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतियों और पूर्व कुलपतियों समेत 181 शिक्षाविदों ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर विश्वविद्यालय के प्रमुख पद की नियुक्ति प्रक्रिया के संबंध में 'झूठ फैलाने' का आरोप लगाया और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की।

शिक्षाविदों ने एक खुले पत्र में कहा कि कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया है कि कुलपतियों की नियुक्ति योग्यता के बजाय केवल किसी संगठन से संबद्धता के आधार पर की जाती है। उन्होंने पत्र में राहुल के दावों को खारिज किया है। उन्होंने दावा किया कि कुलपतियों के चयन की प्रक्रिया सख्त और पारदर्शी है तथा इसमें योग्यता, विद्वत विशिष्टता और निष्ठा के मूल्य समाहित हैं। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) की कुलपति शांतिश्री धुलीपुडी पंडित, दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति योगेश सिंह और अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) के अध्यक्ष टी जी सीताराम समेत विभिन्न क्षेत्रों के शिक्षाविदों ने पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। उन्होंने कहा कि कुलपति चयन की प्रक्रिया पूरी तरह अकादमिक और प्रशासनिक कौशल पर आधारित रही है और इसमें विश्वविद्यालयों को आगे ले जाने का दृष्टिकोण रहा है।

शिक्षाविदों ने अपने पत्र में राहुल गांधी के किसी विशेष दावे का हवाला नहीं दिया है। हालांकि, राहुल ने विगत दिनों आरोप लगाया था कि शैक्षणिक संस्थानों में नियुक्ति में हिंदूवादी संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के साथ संबद्धता एक प्रमुख आधार रही है। पत्र पर हस्ताक्षर करने वालों में सीएसजेएम विश्वविद्यालय, कानपुर के कुलपति विनय पाठक, पेसिफिक विश्वविद्यालय, उदयपुर के कुलपति भगवती प्रकाश शर्मा, महात्मा गांधी ग्रामोद्योग विश्वविद्यालय, चित्रकूट के पूर्व कुलपति एन सी गौतम, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर के कुलपति आलोक चक्करवाल और बीआर आंबेडकर राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, सोनीपत के पूर्व कुलपति विनय कपूर भी शामिल हैं।

एक नजर

महिला के साथ दुष्कर्म मामले पर झारखंड पुलिस को नोटिस

नई दिल्ली। राष्ट्रीय महिला आयोग ने झारखंड के रामगढ़ में एक महिला के साथ दुष्कर्म और घटना का वीडियो सोशल मीडिया में डालने पर राज्य पुलिस को नोटिस जारी किया है और तीन दिन के भीतर कार्रवाई रिपोर्ट सौंपने को कहा है। आयोग ने सोमवार को यहां यह जानकारी देते हुए बताया कि झारखंड के रामगढ़ में 19 वर्षीय एक महिला के साथ चार लोगों के दुष्कर्म और घटना की वीडियो सोशल मीडिया पर डालने से संबंधित समाचार डरावना है।

प्रतिवेदन मानने का जामिया को निर्देश

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने जामिया मिल्लिया इस्लामिया से कहा कि वह अपनी आवासीय कोचिंग अकादमी (आरसीए) में ओबीसी (गैर-क्रीमी लेयर) श्रेणी और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के छात्रों को प्रवेश देने के अनुरोध वाली एक जनहित याचिका को एक प्रतिवेदन मानते हुए निर्णय ले। याचिकाकर्ता ने कहा कि आरसीए सिविल सेवा अभ्यर्थियों के लिए एक मुफ्त कोचिंग कार्यक्रम है और यह केवल महिलाओं तथा अल्पसंख्यक या एससी, एसटी समुदायों के सदस्यों को प्रवेश देता है।

अगर इंडिया गठबंधन सत्ता में आया तो देश में होगा जंगलराज

समस्तीपुर, एजेंसी

- गृह मंत्री अमित शाह ने बिहार में चुनावी रैली में किया दावा

गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि अगर विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के घटक कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल सत्ता में आए तो देश में 'जंगलराज' होगा। शाह ने यह भी दावा किया कि झारखंड में नकदी बरामदगी से साबित होता है कि 'इंडिया' गुट के नेता भ्रष्ट हैं। बिहार के समस्तीपुर जिले में भाजपा नेता एवं केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय के पक्ष में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए शाह ने कहा, ''झारखंड में एक मंत्री के घर से 30 करोड़ रुपये से अधिक की नकदी बरामदगी साबित करती है कि 'इंडिया' गठबंधन के नेता भ्रष्ट हैं।

शाह ने कहा-अगर वे सत्ता में आए तो देश के साथ-साथ बिहार में भी पूरी तरह से जंगलराज' हो जाएगा। प्रवर्तन निदेशालय ने सोमवार को दावा किया कि झारखंड के मंत्री आलमगीर आलम के सचिव से कथित तौर पर जुड़े एक घरेलू सहायक के परिसरों की तलाशी के दौरान भारी मात्रा में बेहिसाबी नकदी बरामद की गई है। अमित शाह ने कहा-इंडिया गुट से प्रधानमंत्री कौन होगा? क्या शरद पवार बनेंगे प्रधानमंत्री? क्या ममता बनर्जी (प्रधानमंत्री) बनेंगी या एमके स्टालिन या उद्धव ठाकरे?

देश में आतंकी हमलों के दौरान कांग्रेस व टीएमसी ने साधी चुप्पी

दुर्गापुर (पश्चिम बंगाल)। अमित शाह ने सोमवार को कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) शासन के समय देश में आतंकी हमलों के दौरान चुप्पी साधे रखने का आरोप लगाया। शाह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और टीएमसी ने आतंकी हमलों के दौरान इसलिए चुप्पी साधे रखी क्योंकि उन्हें अपने वोट बैंक के नाराज होने का भय था। शाह ने दावा किया कि जहां भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के 10 साल के कार्यकाल की विशेषता देश में आतंकवाद पर सख्त रुख अपनाना है।

पश्चिम बंगाल में बम विस्फोट, किशोर की मौत

कोलकाता, एजेंसी

- सांसद ने एनआईए जांच की मांग के साथ सड़क पर लगाया जाम

पश्चिम बंगाल के हुगली जिले में सोमवार को एक बम विस्फोट में एक किशोर की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। इसके बाद स्थानीय भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद लॉकेट चटर्जी ने घटना की एनआईए जांच की मांग करते हुए दो घंटे से अधिक समय तक एक सड़क को जाम कर दिया।

घटना हुगली जिले के पांडुआ में एक तालाब के पास घटी जहां कुछ लड़के खेल रहे थे तभी विस्फोट हो गया। पुलिस ने बताया कि विस्फोट में घायल हुए एक लड़के की पांडुआ के एक अस्पताल में मौत हो गई, वहीं दो अन्य घायल किशोरों को बेहतर उपचार के लिए चिनसुराह के एक अस्पताल में भेजा गया है। पुलिस ने बताया कि सुबह करीब साढ़े आठ बजे हुए विस्फोट की जांच शुरू हो गई है। भाजपा सांसद ने सैकड़ों पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ जीटी रोड को अवरुद्ध कर दिया और आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस के 'गुंडे' क्षेत्र में अपने राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के कार्यक्रम से पहले दहशत का माहौल पैदा करने के लिए विस्फोट की घटना में शामिल थे। उन्होंने कहा-पांडुआ के लोगों के साथ मैं निर्दोष लड़कों के परिवारों के लिए न्याय की मांग करती हूं।

आयकर मामले में सीरम इंस्टीट्यूट की याचिका पर सुनवाई 17 तक स्थगित

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को बंबई उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) की याचिका पर सुनवाई 17 मई तक के लिए स्थगित कर दी। उच्च न्यायालय ने आयकर कानून में 2016 के संशोधन के खिलाफ कंपनी की याचिका खारिज कर दी थी। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायाधीश जे बी पारदीवाला और न्यायाधीश मनोज मिश्रा की पीठ ने कंपनी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अरविंद पी दातार के बहस के लिए समय मांगने के बाद मामले को स्थगित कर दिया। कंपनी ने बंबई उच्च न्यायालय के चार दिसंबर, 2023 के आदेश को चुनौती देते हुए शीर्ष अदालत में याचिका दायर की है।

अवैध निर्माण को लेकर डीडीए के खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय द्वारा नियुक्त केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति ने शीर्ष अदालत के निर्देशों का उल्लंघन करते हुए और केंद्र की मंजूरी के बिना दक्षिण दिल्ली के रिज क्षेत्र में अवैध निर्माण और लगभग 750 पेड़ काटने पर दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश की है। रिपोर्ट के अनुसार, केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति (सीईसी) ने कहा कि पिछले साल दिसंबर में, डीडीए ने मुख्य छतरपुर रोड से सार्क विश्वविद्यालय, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल चिकित्सा विज्ञान संस्थान तक एक पहुंच मार्ग के निर्माण के लिए रिज जैसी विशेषताओं वाली एक भूमि आवंटित की थी।

बीआरएस नेता कविता की जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली एजेंसी

धन शोधन का मामला

दिल्ली की एक अदालत ने सोमवार को भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) नेता के कविता को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से उनके खिलाफ दिल्ली शराब नीति से संबंधित दर्ज किए गए धन शोधन के मामले में उनकी जमानत याचिका को मंजूरी देने से इनकार कर दिया।

राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने धन शोधन मामले में सुश्री कविता की जमानत याचिका खारिज कर दी। कविता को 15 मार्च को ईडी और बाद में सीबीआई ने न्यायिक हिरासत में रहते हुए गिरफ्तार किया था।

अदालत की ओर से जेल में उससे पूछताछ की अनुमति दिए जाने के बाद सीबीआई की गिरफ्तारी हुई। सीबीआई ने इस मामले में अन्य लोगों के अलावा दक्षिण से सरथ चंद्र रेड्डी को भी गिरफ्तार किया था। रेड्डी ने कथित तौर पर कविता के आश्वासन पर शराब घोटाले में शामिल हुआ था कि उसके दिल्ली सरकार में संपर्क हैं और वह व्यवसाय में भी उसकी मदद करेगी। सीबीआई ने आगे आरोप लगाया कि नवंबर-दिसंबर 2021 में कविता ने रेड्डी को उन्हें आवंटित पांच रिटेल क्षेत्रों के लिए प्रति क्षेत्र पांच करोड़ की दर से 25 करोड़ रुपये का भुगतान करने के लिए कहा था।

विजयन की बेटी के खिलाफ याचिका खारिज

तिरुवनंतपुरम। केरल में तिरुवनंतपुरम की एक अदालत ने एक निजी खनन कंपनी और मुख्यमंत्री पिनरायी विजयन की बेटी टी. वीना की अब बंद हो चुकी आईटी कंपनी के बीच कथित वित्तीय लेनदेन की अदालत की निगरानी में जांच कराने का अनुरोध करने वाली कांग्रेस विधायक मैथ्यू कुझालनदान की याचिका सोमवार को खारिज कर दी। कुझालनदान ने पहले यहां विशेष सतर्कता अदालत का रुख करते हुए कहा था कि सतर्कता विभाग ने कोचीन मिनरल्स एंड रुटाइल लिमिटेड (सीएमआरएल) और वीना की कंपनी एक्सालॉजिक के बीच वित्तीय लेनदेन की जांच करने से इनकार कर दिया। बाद में उन्होंने अपना रुख बदला और कथित वित्तीय लेनदेन की अदालत की निगरानी में जांच कराने का अनुरोध किया। अदालत ने कांग्रेस विधायक द्वारा सौंपे दस्तावेजों पर विस्तृत सुनवाई के बाद याचिका खारिज कर दी। इस बीच, कुझालनदान ने कहा कि उन्हें इस आदेश की उम्मीद नहीं थी और वह फैसले पर गौर करने के बाद आगे की कार्रवाई करेंगे। इससे पहले, मुवाट्टुपुझा की एक विशेष सतर्कता अदालत ने सीएमआरएल, वीना की कंपनी और संदिग्ध नेताओं के बीच कथित गैरकानूनी वित्तीय लेनदेन की जांच के लिए एक सामाजिक कार्यकर्ता की याचिका खारिज कर दी थी।

धर्म दर्शन

सामाजिक समरसता का अनुकरणीय पाथेय राम का संपूर्ण जीवन

सबमें राम सबके राम समरसता के सबसे बड़े प्रतीक हैं मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम। उनका जीवन मर्यादा, सामंजस्य और समरसता का पर्याय है। इसीलिए वे न केवल भारतीय समाज के लिए, बल्कि विश्व समुदाय के लिए आदर्श हैं। वनवासी राम का संपूर्ण जीवन सामाजिक समरसता का अनुकरणीय पाथेय है। श्रीराम ने वनगमन के समय प्रत्येक कदम पर समाज के अंतिम व्यक्ति को गले लगाया। छोटे और बड़े के बीच, उच्च और निम्न जातियों के बीच वे कैसा व्यवहार उचित समझते थे, इसका दर्शन केवट और शबरी प्रसंग में किया जा सकता है।

केवल श्रीराम को देख अत्यंत प्रेम पूर्वक दंडवत करता है तो श्रीराम उसे अत्यंत स्नेहपूर्वक अपने पास बैठाकर उसकी कुशल क्षेम पूछते हैं- करि दंडवत भेंट धरि आगे, प्रभुहिं बिलोकत अति अनुरागे। सहज सनेह बिबस रघुराई, पूंछी कुसल निकट बैठाई। शबरी द्वारा प्रदत्त जंगली फल और कंदमूल श्रीराम बड़े प्रेमपूर्वक ग्रहण करते हैं। शबरी जब कहती है कि हे राम! आपका दर्शन तो मेरे गुरुदेव को भी नहीं हुआ, मेरी तो औकात ही क्या है? मैं तो नीच जाति में उत्पन्न हुई एक गंवार स्त्री हूं। प्रत्युत्तर में राम कहते हैं कि "मेरी भक्ति में न पुरुष-स्त्री का भेद कारण है, न जाति, न नाम और न आश्रम। भक्ति की भावना ही मेरी भक्ति में कारण है।" केवल भक्ति की न्यूनता अधिकता ही किसी को छोटा बड़ा बनाती है, जाति नहीं-अधम ते अधम अधम अति नारी, तिन्ह मंह मैं मतिमंद अघारी। कह रघुपति सुनु भामिनी बाता, मानहुं एक भगति कर नाता। केवट के बारे में हम सभी ने सुना ही है कि कैसे भगवान राम ने उनको गले लगाकर समाज को यह संदेश दिया कि प्रत्येक मनुष्य के अंदर एक ही जीव आत्मा है। बाहर भले ही अलग दिखते हों, लेकिन अंदर से सब एक हैं। यहां जाति का कोई भेद नहीं था। भगवान राम ने उनको गले लगाकर सामाजिक समरसता का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया है।

राम राजपुत्र थे, उच्च वर्ण में जन्मे थे, किंतु समाज में हीन और निम्न कहे जाने वाले समुदाय के लोग उनके सर्वाधिक प्रिय पात्र रहे। राम की इस विलक्षणता को बताते हुए तुलसीदास विनयपत्रिका में कहते हैं, हे राम! आपकी यही तो बड़ाई है कि आप गण्य-मान्यों, धनिकों की अपेक्षा गरीबों को अधिक आदर देते हैं। "रघुवर रावरि यहै बड़ाई। निदरि गनी आदर गरीब पर,करत कृपा अधिकाई।।" राम इसलिए सबसे बड़े हैं कि वे सर्वाधिक चिंता छोटे और निचले स्तर के लोगों की करते हैं। वे सबल की अपेक्षा निर्बल का, बड़े की अपेक्षा छोटे का, ऊंचे की अपेक्षा नीचे का, अमीर की अपेक्षा गरीब का पक्ष लेते हैं। भगवान राम ने अपने वनवास काल में समाज को एकता के सूत्र में पिरोने का काम पूरे कौशल के साथ किया। समाज की संग्रहित शक्ति के कारण ही भगवान राम ने आसुरी प्रवृति पर प्रहार किया। समाज को निर्भयता के साथ जीने का मार्ग प्रशस्त किया। इससे यही शिक्षा मिलती है कि समाज जब एक धारा के साथ प्रवाहित होता है तो कितनी भी बड़ी बुराई हो, उसे नत मस्तक होना ही पड़ता है। अहिल्या शापित और उपेक्षित स्त्री थी। सामाजिक उपेक्षाओं और तिरस्कारों के कारण वह पथरा गई थी। राम उसकी भी सुध लेते हैं। समरसता के अग्रेसर राम जाति, वर्ण, लिंग आदि का भी कोई भेदभाव नहीं रखते। जिस "थर्ड जेंडर" पर ध्यान केंद्रित किए जाने को आज मानवाधिकारों की पहल और प्रेरणा बताया जाता है, तुलसी के राम अपनी भक्ति के लिए स्त्री-पुरुष के साथ इस वर्ग को भी याद रखते हैं। पुरुष नपुंसक नारि वा जीव चराचर कोइ। सर्ब भाव भज कपट तजि मोहि परम प्रिय सोइ।।/ भगतिवंत अति नीचहुं प्रानी।/मोहि प्रानप्रिय असि मम बानी।। अर्थात् अत्यधिक नीच भी यदि कोई भक्त है तो वह मुझे प्राणों से भी प्रिय है।"

प्रो. विवेकानंद तिवारी
अध्यक्ष, आंबेडकर पीठ एचपीयू, शिमला

अन्न के स्वामी अग्निदेव

यज्ञरूपी सत्कर्म के प्रेरक अग्निदेव के निमित्त यह आहुति समर्पित करते हैं। मन और बुद्धि को प्रेरणा प्रदान करने वाले अग्निदेव को यह आहुति देते हैं। चित्त और विशिष्ट ज्ञान को प्रेरित करने वाले अग्निदेव को यह आहुति प्रदान करते हैं। वाणी और विशिष्ट विद्याओं के प्रेरक अग्निदेव को यह आहुति प्रदान कर देते हैं। मन्वंतर-प्रवर्तक, प्रजापालक मनुरूप अग्निदेव के निमित्त यह आहुति प्रदान करते हैं। संसार के कल्याणकारी अग्निदेव के निमित्त यह आहुति देते हैं। सभी मनुष्य इस जगत का संचालन करने वाले परमेश्वर की मित्रता को स्वीकार करें। दिव्यज्ञान एवं सांसारिक वैभव की कामना से उस परमपिता की तेजस्विता को धारण करें, उसके लिए हमारी यह आहुति समर्पित है।

हे सामर्थ्यवान अग्निदेव! जो भी समिधाएं आपके निमित्त समर्पित की जाएं, वह सभी आपको घृताहुति के समान ही परम प्रिय हों। उन सभी को प्रसन्नता के साथ ग्रहण करें। घुन जिस काष्ठ को चट कर जाता है, दीमक जिस काष्ठ को खा जाती है, ऐसी काष्ठ की समिधाएं भी आपको घृतवत प्रिय हों, उनका भी आप प्रेमपूर्वक सेवन करें। पृथ्वी की नाभि के समान यज्ञकुंड में प्रदीप्त होने की स्थिति में हविष्यान्न से संतुष्टि प्राप्त करने वाले अति प्रशंसनीय यज्ञाग्नि का हम आवाहन करते हैं। शत्रुओं का तिरस्कार कर युद्ध में विजय प्राप्त करने वाले अग्निदेव से हम महान धन, ऐश्वर्य प्राप्ति की कामना करते हैं। आपके प्रभाव से हमारा और जिसके हम पुरोहित हैं, उस यजमान का प्रशंसनीय ब्रह्म ज्ञान, प्रशंसनीय तेजस्विता तथा प्रशंसनीय विजयशील क्षात्र बाल विकसित हो। हे अग्निदेव! दुष्कर्मियों के बाहुबल की अपेक्षा हमारा पराक्रम प्रखर हो, उनके तेज की अपेक्षा हमारा ब्रह्म तेज श्रेष्ठ हो। ज्ञान की तेजस्विता से विरोधियों का समापन हो, हम स्वजनों को ऊंचा उठाते हैं। अन्न के स्वामी हे अग्निदेव! आप हमारे लिए आरोग्यप्रद तथा पोषणयुक्त अन्न प्रदान करें, दानशील मनुष्यों को भली-भांति पोषित करें। हमारे पुत्र-पौत्रादि और पशुओं के लिए भी शक्तिवर्धक अन्न प्रदान करें।

ओमप्रकाश त्रिपाठी
सेवानिवृत्त पुलिस महानिरीक्षक

पौराणिक ग्रंथों में असुर

संस्कृत साहित्य के उत्कृष्ट विद्वान-महासहोपाध्याय, विद्यानिधि, सिद्धेश्वर शास्त्री चित्राव के अनुसार, "देव एक मानव जातिसंघ था। प्राचीन वैदिक पौराणिक ग्रंथों में देव, असुर, राक्षस, पितर आदि ग्यातिसंघों (जातिसंघों) एवं इन जातियों के स्त्री-पुरुषों का निर्देश पुनः पुनः मिलता है। इन सारे जाति संघों में देव लोगों का ग्याति संघ बौद्धिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक दृष्टि से सर्वाधिक प्राज्ञ (उन्नत) एवं बलिष्ट प्रतीत होता है (प्राचीन चरित्र कोश, पृष्ट, 290)।

महाभारत एवं पौराणिक साहित्य के अनुशीलन से यह स्पष्ट हो जाता है कि वैदिक साहित्य के प्रारम्भ में 'असुर' शब्द दिव्यशक्ति संपन्न, ऊर्जावान, प्राणवान के अर्थ में महर्षि कश्यप एवं प्रजा पतिदक्ष की उनको ब्याही सगी बहनों की संततियों के लिए, विशेषकर अदितिपुत्र देवो, दितिपुत्र दैत्यों तथा दनुपुत्र के संयुक्त समूह के लिए होता था। आज से कथित विकसित समाज में जब सगी मां से उत्पन्न भाईयों के परिवार में स्वार्थ जनित मतभेदों के कारण विघटन आम बात हो गई है, तब आज से हजारों वर्षों पूर्व कश्यप की अनेक (पुराणों के अनुसार तेरह, तीस, साठ पत्नियों की) सौतेली संतानों के मध्य स्वार्थ जनित कटुता के कारण उग्र मतभेद स्वाभाविक था। इसी स्वार्थ जनित मतभेद के कारण नागमाता कद्रू ने सगी बहन गरुड़ माता विनता को अपनी दासी बना लिया था और पति देव महर्षि कश्यप असहाय देखते रहे। इस घटना ने परम शक्ति संपन्न गरुड़ को संपूर्ण नागमाता का परम शत्रु बना दिया। विस्तार भय से इस बहु प्रचलित पौराणिक कथा का उल्लेख यहां नहीं किया जा रहा है। देवराज इन्द्र द्वारा स्वर्ग पर पूर्णाधिकार, विभिन्न यज्ञों एवं कर्मकाण्डों में घर बैठे भागीदारी, सुसंपन्न विलासिता पूर्ण जीवन, विभिन्न प्रकार के मादक पेयों के प्रति लगाव अर्थात सुराप्रेम ने सौतेले भाईयों, विमाता दितिपुत्र दैत्यों को विद्रोह के लिए, उकसा दिया। दनुपुत्र दानवों ने भी उनका साथ दिया। प्रतिक्रिया स्वरूप सुरा प्रेमी 'सुर' या देवों ने असुर शब्द का मूल अर्थ, "असुः=प्राण+र=युक्तया वाला अर्थात प्राणवान या शक्तिशाली। आगे चलकर यही भौतिक शक्ति का सूचक या प्रतीक बन गया। ऋग्वेद में यह वरुण, इन्द्र वसु आदि देवों के विशेषण के रूप में प्रयुक्त हुआ है। महाभारत एवं कथा सरित्सागर एवं पुराणों में भी असुर समाज के परम उदार, प्रजावत्सल, परोपकारी असुरों (दैत्यों, दानवों, राक्षसों) की प्रशंसा में कई कथाएं वर्णित है।

डॉ. अजित कुमार सिंह
सेवानिवृत्त, पुलिस महानिरीक्षक

अक्षय तृतीया: जागृत होती हैं सात्विक प्रवृत्तियां

पुरुष और प्रकृति के एकीकरण, समन्वय, तादाम्य का महीना है वैशाख। इस महीने के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि त्रिगुणात्मक जीवन की ज्ञान-इच्छा एवं क्रियाशक्ति का भान कराने वाली तिथि है। इसके अलावा यह तीनों लोक भूः भुवः स्वः को भी ऊर्जावान करने की तिथि है। इस तिथि को अक्षय तृतीया का निर्धारण करने के केवल आध्यात्मिक कारण ही नहीं बल्कि वैज्ञानिक कारण भी है। आध्यात्मिक दृष्टि से यह सत्ययुग की प्रारम्भ तिथि है। सत्ययुग के ब्रह्मा, विष्णु एवं महेश का स्वरूप अक्षय एवं अविनाशी है। पूरी सृष्टि सृजन, पालन एवं विनाश की त्रिकोणात्मक परिक्रमा करती है। यह तिथि ज्ञान एवं क्रिया के देवता परशुराम का अवतरण दिवस भी है। ऋषि होने के नाते परशुराम जी जहां ज्ञान के देवता होते हैं, वहीं प्रजा हित एवं सकुशल राज्य-संचालन के लिए निर्धारित मानकों के विपरीत कार्य करने वाले राजाओं से अनेकानेक बार संघर्ष की भी कथाएं उल्लिखित हैं।

वैशाख ऋतुराज वसन्त के उन्मेष का महीना है। चैत्र शुक्ल पक्ष से शुरू वसन्त 2 माह अपना जो सुमधुर प्रभाव छोड़ता है, उससे त्रेतायुग के अक्षय स्वरूप के भगवान विष्णु के सप्तम अवतार भगवान श्रीराम एवं अष्टम अवतार योगेश्वर कृष्ण अभिभूत होते हैं। वनवास के दौरान भगवान श्रीराम के सीताहरण के पश्चात भटकाव एवं व्यग्रता को विराम देने वाला यही समय है। दण्डकारण्य में प्रथमतः ज्ञान और विज्ञान के केंद्र श्रीहनुमान से उनकी इसी समय मुलाकात होती है। श्रीराम को हनुमान की बातो में ऋक्कवेद, यजुर्वेद तथा सामवेद के ज्ञान का आभास होता है। ज्ञानी हनुमान को पाकर वे सीता को पाने के प्रति आश्वस्त होते दिखाई पड़ते है। वसन्त ऋतु का समय है। वाल्मीकि रामायण में भगवान राम द्वारा वसन्त ऋतु का जो वर्णन किया गया है वह पुरुष और प्रकृति के बीच समन्वय स्थापित करने का संकेत स्पष्ट रूप से देता है। शीतकाल की समाप्ति के बाद सूर्य की रश्मियों में आती तेजी का रूप सुहावना है। पुरुष के इस सुहावने पन पर प्रकृति मुग्ध होने लगती है। धरती-आकाश की आपसी अनुकूलता से पुरानापन नवीन होता है। प्रकृति के इस भाव को जीवन में आत्मसात करने का सन्देश भी निहित है। श्रीराम कृष्ण बनकर द्वापर के अगले अवतार में वसन्त की मोहकता को भूलते नहीं और 'मासानां मार्गशीर्षोऽहम ऋतुनां कुसुमाकरः' कह कर वसन्त को अपना स्वरूप ही प्रदान कर देते है। लिहाजा श्रीराम एवं श्रीकृष्ण की कृपा-अनुकम्पा से अभिसिक्त होने का यह समय है। दोनों अवतारी पुरुष का जीवन सिर्फ सैद्धांतिक ही नहीं बल्कि क्रियात्मक भी था। वसन्त ऋतु के इसी काल में वैशाख तृतीया को अवतरित दशावतार में छठे एवं 24 अवतारों में 16वें भगवान परशुराम की महिमा से यह भी सन्देश मिलता है कि जीवन के षटचक्रों का भेदन करते हुए सहस्रार की ओर बढ़ने से चिंतन राम-कृष्ण की तरह उर्ध्वगामी होगा। वैशाख महीने की महत्ता से पौराणिक ग्रंथ भरे पड़े है। कतिपय महीनों की महत्ता के क्रम में वैशाख माह के लिए स्कंदपुराण के 13 अध्यायों में वर्णित इसकी महत्ता से आशय यह निकलता है कि इस महीने में चन्द्रमा, सूर्य, तारे, नक्षत्र इतने अनुकूल हो जाते हैं कि इसके तीसों दिन मानव के लिए लाभप्रद हो जाते हैं। प्रतिकूलताएं निष्प्रभावी हो जाती हैं जिसकी वजह से अक्षय तृतीया को बिना किसी गणना के शुभकार्य सम्पादित किए जाते हैं। वैसे तो तृतीया तिथि को ललिता देवी की उपासना के माध्यम से व्रत का विधान नारदपुराण में महिलाओं के लिए किया गया है लेकिन वैशाख की अक्षय तृतीया का व्रत-उपवास स्त्री-पुरुष दोनों के लिए लाभदायी कहा गया है।

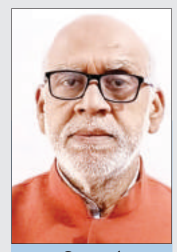

सलिल पांडेय
मिर्जापुर

प्रदेश

अनिवार्य सेवानिवृत्ति से पहले कर्मचारी का पूरा सेवा रिकॉर्ड देखना आवश्यक

विधि संवाददाता, प्रयागराज

▶▶ **याची को 3 सप्ताह के भीतर सेवा में शामिल करने का दिया निर्देश**

अमृत विचार : इलाहाबाद हाई कोर्ट ने सरकारी कर्मचारी को अनिवार्य सेवानिवृत्ति देने के मामले में अपने महत्वपूर्ण आदेश में कहा कि अनिवार्य सेवानिवृत्ति के आदेश में प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का कोई विशेष स्थान नहीं है। इसका यह अर्थ नहीं निकलता कि न्यायिक जांच को पूरी तरह से अलग कर दिया गया हो। हालांकि हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट अपीलीय अदालत के रूप में मामले की जांच नहीं कर सकती हैं, लेकिन आदेश के दुर्भावनापूर्ण, आधारहीन और मनमाना होने की संभावना पर उसमें हस्तक्षेप अवश्य कर सकती है।

कोर्ट ने अपने आदेश में आगे कहा कि मौलिक नियम 56 के अनुसार किसी सरकारी कर्मचारी को अनिवार्य सेवानिवृत्ति देने से पहले संबंधित प्राधिकारी द्वारा एक राय बनाने की आवश्यकता होती है, जिससे कर्मचारी की पूरी सेवा पर विचार करने के बाद उसे सेवानिवृत्ति देने का फैसला लिया जाए। उक्त टिप्पणी न्यायमूर्ति प्रकाश पाड़िया की एकलपीठ ने रतन कुमार यादव की याचिका को आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए 3 सप्ताह के भीतर उन्हें सेवा में शामिल करने का निर्देश दिया है, साथ ही 6 सप्ताह की अवधि के भीतर याची को बकाया वेतन, वरिष्ठता और अन्य लाभों सहित सभी परिणामी लाभ प्रदान करने का भी आदेश दिया है। मामले के अनुसार याची को वर्ष 1998 में पुलिस उप-निरीक्षक के पद पर सीधे भर्ती मिली थी। सेवाकाल के दौरान उन्हें मुन्ना बजरंगी गिरोह के साथ मुठभेड़ में एके-47 की पांच गोलियां लगीं। इसके बाद याची को वर्ष 2001 में इंस्पेक्टर के पद पर पदोन्नति दी गई और उन्हें राष्ट्रपति पदक से भी सम्मानित किया गया। वर्ष 2016 में पुलिस उपाधीक्षक के रूप में उनकी पदोन्नति कर उन्हें गाजीपुर में तैनात किया गया, जहां अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण), गाज़ीपुर द्वारा कुछ जांच के आधार पर उन्हें निलंबित कर दिया गया। इसके बाद उनके खिलाफ लगातार चल रही जांच प्रक्रिया के आधार पर वर्ष 2019 में अनिवार्य सेवानिवृत्ति दे दी गई। आधी-अधूरी जांच के आधार पर अनिवार्य सेवानिवृत्ति का कलंक और दोगनी सजा याची को झेलनी पड़ी। स्क्रीनिंग कमेटी ने याची के सेवा रिकॉर्ड पर विचार किए बिना दंडात्मक आदेश पारित किया। अंत में जिसे टिकाऊ ना मानकर कोर्ट ने रद कर दिया।

अब्दुला आजम के फर्जी जन्म प्रमाण पत्र मामले की सुनवाई जारी

प्रयागराज : इलाहाबाद हाई कोर्ट में फर्जी जन्म प्रमाण पत्र मामले में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और उत्तर प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खान और उनके परिवार की आपराधिक पुनरीक्षण याचिका पर 6 मई को न्यायमूर्ति संजय कुमार सिंह की एकल पीठ के समक्ष सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार के अधिवक्ताओं ने सरकार की ओर से की गई अब तक की कार्रवाई को लेकर तर्क प्रस्तुत किए। कोर्ट ने दोपहर में भोजनावकाश के बाद मामले की सुनवाई मंगलवार को भी जारी रखने का निर्देश दिया।

मुकदमा लंबित रखने पर कोर्ट ने जताई नाराजगी

विधि संवाददाता, प्रयागराज

▶▶ **आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोपी को दी सशर्त जमानत**

अमृत विचार : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आत्महत्या के लिए उकसाने आरोपी एक छात्र के मुकदमे के निस्तारण में पुलिस उप-निरीक्षक द्वारा असहयोग करने की आलोचना करते हुए कहा कि कोर्ट के ईमानदार अनुरोध की जानबूझकर अवहेलना वास्तव में स्तब्ध करने वाली है। उक्त टिप्पणी न्यायमूर्ति राहुल चतुर्वेदी की एकलपीठ ने अनिकेत दीक्षित की दूसरी जमानत याचिका को स्वीकार कर उसे सशर्त जमानत देते हुए की।

कोर्ट ने पाया कि आईपीसी की धारा 306 के तहत वर्ष 2018 में पुलिस स्टेशन कल्याणपुर, कानपुर नगर पुलिस ने मामला दर्ज किया और 4 अप्रैल 2018 से आरोपी जेल में बंद है। इस पर कोर्ट ने जिला न्यायालय को 31 अगस्त 2024 तक मुकदमे का शीघ्र निस्तारण करने का निर्देश दिया, साथ ही यह चेतावनी भी दी कि आदेश का अनुपालन न करने की स्थिति में पीठासीन अधिकारी को प्रतिकूल प्रभाव झेलना पड़ सकता है। आरोपी के अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि कोर्ट ने सितंबर 2018 में पहली जमानत याचिका को खारिज करते हुए जिला न्यायालय को इस निर्देश के साथ वापस कर दिया था कि वह मुकदमे की सुनवाई तेज कर डेढ़ साल के भीतर इसे समाप्त करें जबकि मुकदमे में बहुत कम प्रगति हुई, जिसके कारण आरोपी को 6 साल तक हिरासत में रहना पड़ा। कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के आदेश पत्र का अवलोकन करते हुए पाया कि ट्रायल कोर्ट ने हाजिरी माफी के विभिन्न आवेदनों को उदारतापूर्वक स्वीकार किया, जिसके कारण नवंबर 2019 से मई 2023 तक यानी 3 वर्ष और 10 महीने की अवधि के दौरान केवल दो गवाहों की जांच की गई। अंत में कोर्ट ने कहा कि यदि अभियोजन पक्ष का कोई गवाह मुकदमे के शीघ्र समापन में असहयोग करता है तो ट्रायल कोर्ट दंड प्रक्रिया संहिता के प्रावधानों के अनुसार उपलब्ध सभी बलपूर्वक तरीकों का उपयोग करके गवाहों की उपस्थिति सुनिश्चित कर सकती है।

वर्ग पहेली-62

बाएं से दाएं

1. 1. नकली वस्तु 2. मिलावटी चीज़ 3. कसौटी पर न उतरने वाली।
5. 1. ओछापन, क्षुद्रता 2. छिछोरे का काम।
6. 1. सुरक्षा राशि 2. शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों से ली जाने वाली सुरक्षा राशि।
7. 1. लकड़ी का वह भाग जो ज़मीन में धंसा हुआ होता है जिसके कुंदे पर लुहार काम करता है

ऊपर से नीचे

2. कलम या पेन जिसकी नलिका में स्याही भरी रहती है।
3. 1. बांस की खमाचियों या पतली लचकदार टहनियों की बनी हुई बड़ी टोकरी, झाबा, खांचा 2. पशुओं को कटा हुआ चारा डालने का पात्र।
4. (पुराण) 1. काली माता 2. दुर्गा का एक रूप।

1		■	■	2	■	■
■	■	3	■		■	■
■	■		■		■	4
5					■	
■	■	■	■		■	
■	■	6				
7		■	■	■	■	■

वर्ग पहेली -61 का हल

1 फ़ि	क	रा	■	2 बे	खौ	3 फ़
■	■	■	4 ल	■	■	क़ी
5 अ	भि	ले	ख	न	■	रा
ह	■	■	पे	■	■	ना
रि	■	6 घो	ड़ा	गा	ड़ी	■
म	■	■	■	■	■	■
न	■	7 ते	लि	या	मे	ना

सुडोकू -141

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	1		2					
			1				4	
	3	7						
1			7					3
		5	6					
2					8			9
4			9	8				
	6				7			
7		9					8	

सुडोकू -140 का हल

2	4	6	7	3	8	5	1	9
3	8	7	5	9	1	2	6	4
1	5	9	4	2	6	8	7	3
4	3	1	6	5	2	7	9	8
9	6	2	3	8	7	1	4	5
5	7	8	9	1	4	6	3	2
7	9	4	8	6	5	3	2	1
8	2	3	1	7	9	4	5	6
6	1	5	2	4	3	9	8	7

आज का भविष्यफल
-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 7 मई मंगलवार 2024 संवत-2081, शक संवत 1946 मास-वैशाख, पक्ष-कृष्ण पक्ष, तिथि-चतुर्दशी 23 .40 तक तत्पश्चात अमावस्या।

आज का पंचांग

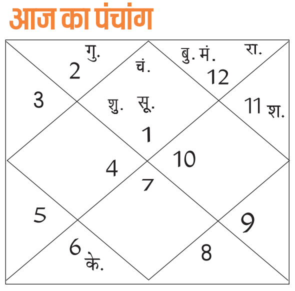

दिशाशूल-उत्तर। ऋतु-ग्रीष्म।
चन्द्रबल-मेष, मिथुन, कर्क, तुला, वृश्चिक, कुंभ।
ताराबल-अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-अश्विनी 15 .32 तक तत्पश्चात भरणी।

मेष – आज दूसरों के मामलों में हस्तक्षेप के कारण आपका अपमान हो सकता है। सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ेंगे। व्यक्तिगत स्वार्थों को पीछे रखते हुए लोकहित के लिए काम करें। ठण्डी वस्तुओं का सेवन करें। आपके विरुद्ध दुर्भावना रखने वाले लोगों की पहचान होगी।

वृष – आज कुछ कारणों से आपके फोकस में कमी आयेगी। परिवार में उथल-पुथल हो सकती है। शाम के समय सत्सङ्ग और ध्यान आदि में मन लगा सकते हैं। अचल संपत्ति को लेकर कोई बड़ा निर्णय न लें। प्रेमी जन के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें।

मिथुन – आज अपनी अपेक्षाओं के अनुसार मेहनत नहीं कर पायेंगे। मन में बैठे डर को निकालने का प्रयास करें। सार्वजनिक उत्सवों में सम्मिलित हो सकते हैं। लेकिन आप उससे सन्तुष्ट शायद ही रहें। शोध कार्यों में आज आपको सफलता मिलसकती है।

कर्क – आज कार्यक्षेत्र में नया परिवर्तन आपके जीवन में बदलाव ला सकता है। व्यवसायिक पार्टनर के साथ समय बितायेंगे। कर्जों को चुकाने में सफलता मिलेगी। जिस अवसर का इंतजार कर रहे थे, वह आपको आज मिल सकता है।

सिंह – आज आपकी मांसपेशियों में दर्द हो सकता है। किसी पर भी आंख मून्दकर भरोसा न करें। दांपत्य संबंधों में प्रेम भावना बढ़ेगी। अपनी क्षमता का सही उपयोग करेंगे। जीवनसाथी को पर्याप्त समय अवश्य दें। व्यापार में आपको अपेक्षा से अधिक धन लाभ होगा।

कन्या – आज आपको कुछ विरोधाभासी स्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। मन में अनावश्यक विषयों के विचार चलते रहेंगे। इसीलिए आपको खाली नहीं बैठना चाहिए। सेहत को लेकर की गई लापरवाही भविष्य में नुकसान देह सिद्ध हो सकती है।

तुला – आज अपनी बुद्धि विवेक से काम करेंगे तो सफलता मिलेगी। मन में दबी हुई भावनाओं को तुरन्त व्यक्त न करें। कर्मचारियों की सहायता से आपका कार्यभार कम होगा। वृद्धजनों की सेवा करेंगे। शाम को थोड़ा अकेलापन महसूस होगा।

वृश्चिक – आज आप आवश्यक सामान की ख़रीदारी कर सकते हैं। दैनिक आय में वृद्धि होगी। अविवाहित लोगों के लिए विवाह से संबंधित कोई रिश्ता सामने आ सकता है। मन में छिपे हुए भय को दूर करने का प्रयास करें। गृहस्थ जीवन में खुशहाली रहेगी।

धनु – आज समाजसेवा को लेकर मन में भाव उत्पन्न होंगे। कार्यक्षेत्र में टीमवर्क के कारण सभी कार्य आसानी से सफल होंगे। कार्यक्षेत्र में ऐच्छिक सफलता मिलने के योग बन रहे हैं। किसी की आलोचना न करें। तकनीकी कार्यों में रुचि लेंगे।

मकर – आज महिला सहकर्मियों का अपमान न करें। अधिक देर बैठकर काम करने से नुकसान होगा। सिरदर्द और माइग्रेन की समस्या हो सकती है। कोर्ट-कचहरी के मामलों में आपको विजय प्राप्त होगी। विवाह से जुड़ी समस्याओं को लेकर ज्यादा परेशान न हों।

कुंभ – आज उच्च अध्ययन में सफलता मिलेगी। संतान के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। मानसिक अन्तर्द्वंद का शिकार हो सकते हैं। भविष्य को लेकर योजना बनायेंगे। किसी पुराने मित्र की मुलाक़ात से आनन्द की अनुभूति होगी। दांपत्य जीवन की कठिनाई दूर होगी।

मीन – आज कार्यक्षेत्र में आपका वर्चस्व बढ़ेगा। अपने कार्यों में किसी का हस्तक्षेप न होने दें। परिश्रम के बाद सफलता मिलेगी। राजनीति से जुड़े लोगों को उच्च पद प्राप्त हो सकता है। दाम्पत्य सम्बन्धों के लिये दिन अच्छा नहीं है। अपने भीतर अहम् भाव न पनपने दें।

आज की फिल्में

B4U Movies
15 अगस्त – सुबह : 09 .00
आसमान ऊंचा – शाम : 06 .00

Sony Pix
सुसाइड स्क्वॉड – सुबह : 10 .03
द मिशेल्स बनाम द मशीन्स – रात : 09 .05

&pictures
ऑल द वेस्ट – दोपहर : 12 .05
हिचकी – शाम : 06 .02

Zee Cinema
खिलाड़ी 786 – सुबह : 10 .45
जीते हैं शान से – रात : 07 .25

Colors Cineplex
द ग्रेट गैम्बलर – सुबह : 11 .25
मैरी कॉम – रात : 08 .48

आज की सुपरहिट फिल्म

एंड पिक्चर्स पर शाम : 06 .02 बजे

जोक्स ऑफ द डे

पत्नी से लड़ाई के बाद पति एक बाबा के पास पहुंचा।
पति (मोनू) – बाबाजी, सुखी वैवाहिक जीवन के लिए मंत्र बताइए?
बाबा– हां, एक मंत्र तो है जिससे बच्चा तेरे सारे दुख खत्म हो जाएंगे।
पति– हां बाबाजी, बताइए क्या है वो?
बाबा –बेटा जब तक मुंह बंद और पर्स खुला रहेगा, कृपा आती रहेगी।
बाबा की बात सुनकर पति हैरान...

भगवान – क्या चाहिए तुझे?
पप्पू – एक नौकरी, पैसों से भरा कमरा, सुकून की नींद और गर्मी से छुटकारा।
भगवान–तथास्तु
आज पप्पू एटीएम में गार्ड है।

पुंछ हमले के आतंकियों का पता देने वाले को मिलेंगे 20 लाख

- सेना ने जारी किए स्केच, कई लोगों को हिरासत में लेकर की जा रही है पूछताछ

जम्मू, एजेंसी

जम्मू-कश्मीर का जिला पुंछ में वायु सेना के वाहन पर घात लगाकर किए गए आतंकी हमले के बाद से ही गहन तलाशी अभियान चल रहा है। सोमवार को सेना ने दो आतंकवादियों के स्केच जारी किए हैं। इन आतंकियों का पता बताने वाले को 20 लाख रुपये दिए जाने की घोषणा भी की गई है। इसके साथ ही कुछ लोगों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ की जा रही है।

गौरतलब है कि शनिवार शाम को पुंछ जिले की सुरनकोट तहसील के डन्ना शाहसितार क्षेत्र में वायुसेना के वाहनों पर आतंकी हमला किया गया। इस हमले में पांच वायु सैनिक घायल हो गए। घायलों में शामिल विक्की पहाड़े बलिदान हो गए। हमले के बाद

से ही सुरनकोट व मेंढर के 20 किलोमीटर तक क्षेत्र में घेराबंदी की गई है।

ड्रोन की भी मदद ली जा रही है। सुरक्षा बलों ने बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया है। इलाके में सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और एसओजी के एक हजार से अधिक जवानों ने मोर्चा संभाल रखा है। आतंकियों ने वायुसेना के वाहनों पर घात लगाकर हमला किया है।

अब अहमदाबाद के 10 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

अहमदाबाद। दिल्ली और देशभर के कई के स्कूलों और हाई आड्डों को बम से उड़ाने की धमकी कुछ दिन बाद अब अहमदाबाद के दस स्कूलों के धमकी भरे ई-मेल मिले हैं। इनमें इन स्कूलों को उड़ा देने की धमकी दी गई है।

लोकसभा चुनावों से पहले स्कूलों को आए इन ई-मेल के बाद पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड में आ गया है। शुरुआती जानकारी में स्कूलों को रूसी सर्वर से मेल आने की बात कही जा रही है। गुजरात में लोकसभा चुनावों की वोटिंग से पहले आए धमकी भरे ई-मेल ने पुलिस प्रशासन को सकते में डाल दिया है। कई सारे स्कूल बंद हैं। ईमेल पर अहमदाबाद की आठ स्कूलों ईमेल पर धमकी मिल की है। जिन स्कूलों को धमकी मिली उनमें अहमदाबाद के बड़े स्कूल शामिल हैं।

भारत की मजबूती से एशिया में अमेरिका का हित सुरक्षित

- भारतीय-अमेरिकी कम्युनिटी के नेता बोले-चीनी प्रभाव को रोकने के लिए शक्ति बनकर उभरा भारत

वाशिंगटन, एजेंसी

भारतीय-अमेरिकी कम्युनिटी के नेता योगी चुघ ने कहा कि एशिया में अमेरिका के हित मजबूत भारत की वजह से सुरक्षित हैं। इस क्षेत्र में बढ़ते चीनी प्रभाव को रोकने के लिए भारत एक महत्वपूर्ण शक्ति बनकर उभरा है।

कैलिफोर्निया के कारोबारी चुघ एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विश्व पटल पर भारत के उत्कर्ष को लेकर बड़ा उत्साह है। भारत न केवल अपनी अर्थव्यवस्था के माध्यम से, बल्कि विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की क्षमता की वजह से महत्वपूर्ण भूमिका में है।

चुघ ने कहा कि अमेरिका और भारत के बीच एक मजबूत रिश्ता होगा। कई लोगों ने इसे 21वीं सदी

की सबसे महत्वपूर्ण साझेदारी कहा है। वहीं, यूएस-इंडिया स्ट्रेटेजिक एंड पार्टनरशिप फोरम के अध्यक्ष मुकेश अघी ने कहा कि अमेरिका भारत को एक महत्वपूर्ण सहयोगी के रूप में देखता है। अमेरिका का संयुक्त सैन्य अभ्यास भारत के साथ किसी अन्य देश की तुलना में अधिक है।

कैंसर... अब बीमारी नहीं महामारी का लिया है रूप

आज के समय में कैंसर कोई बीमारी नहीं रह गई है बल्कि ये महामारी का रूप ले चुकी है। आईए जानें कैंसर के बारे में...शरीर में मौजूद कोशिकाओं यानी सेल्स में दो ऐसे बदलाव आ जाते हैं, जो नहीं आने चाहिए तब शरीर में कैंसर बनता है. पहला है, किसी भी कोशिका का अनियंत्रित रूप से बढ़ना और दूसरा है, किसी एक ऑर्गन की सेल का बहुत अधिक ग्रोथ लेते हुए अपनी जगह से दूसरे ऑर्गन तक फैल जाना। इन दोनों कंडीशन में कैंसर हो जाता है।

कीमो और रेडियो के अलावा भी कैंसर का है कोई इलाज

कीमोथेरपी, रेडियोथेरपी, कुछ खास केसेज और स्टेज में सर्जरी के अलावा टारगेटेड थेरपी, अडवांस थेरपी ट्रीटमेंट्स जैसे, इम्युनोथेरपी आदि कई लेटेस्ट ट्रीटमेंट शामिल हैं। लेकिन ये कैंसर के नेचर और पेशेंट की कंडीशन को ध्यान में रखकर ही दिए जाते हैं।

कितने तरह के होते हैं

- दो या दस नहीं बल्कि इंसान के शरीर में 250 तरह के कैंसर हो सकते हैं। लेकिन वर्ग के आधार पर इन 250 कैंसर को तीन हिस्सों में बांटा जा सकता है।
- स्किन की लाइनिंग से बनने वाले कैंसर कार्सिनोमा कहलाते हैं।
- मसल्स और बोन के कैंसर सारकोमा
- तीसरे हैं ब्लड के कैंसर, जिन्हें लिंफोमा, ल्यूकीमिया और माइलोमा कहा जाता है। इनके अलावा ब्रेन ट्यूमर और मेलेनोमा अलग कैटिगरी में आते हैं।

क्या लक्षण एक जैसे होते हैं

नहीं, हर कैंसर के लक्षण अलग होते हैं। टीबी, निमोनिया, बदहजमी और पाइल्स जैसी कई बीमारियों के लक्षण भी कैंसर में देखने को मिलते हैं। हालांकि कुछ स्पेसिफिक लक्षण होते हैं, जिनके आधार पर इस बात का फी हद तक अनुमान लगाया जा सकता है कि ये कैंसर है जैसे, व्यक्ति का वजन लगातार कम होता जाना और साथ में रुक-रुककर लगातार बुखार आते रहना।

एक नजर

हमास के हमले के बाद इजराइल का पलटवार, 16 लोगों की मौत

यरुशलम। हमास और इजराइल बीते सात महीने से जंग लड़ रहे हैं। जहां सभी देश संघर्ष विराम की उम्मीद लगाए हुए थे। वहीं, अब एक बार फिर तनाव बढ़ गया है। हमास ने रविवार को इजराइल के मुख्य क्रॉसिंग पॉइंट पर कई मिसाइलें दागी थीं। इस हमले में तीन इराइली सैनिक मारे गए। आगबबूला हुए इजराइल ने भी पलटवार किया। उसने दक्षिणी शहर राफा में हवाई हमले किए, जिसमें 16 लोग मारे गए। अब इन सबके बीच, इजराइल ने नागरिकों को राफा शहर को तुरंत खाली करने का आदेश दिया है। दरअसल, देश के रक्षा मंत्री द्वारा हमले तेज करने की चेतावनी के बाद राफा के लोगों को नोटिस जारी किया गया है।

मध्यप्रदेश में ट्रैक्टर-ट्राली पलटने से पांच बच्चों की मौत, दो घायल

जबलपुर। मध्यप्रदेश के जबलपुर जिले के चरगवां थाना क्षेत्र में सोमवार को ट्रैक्टर-ट्राली पलटने से सवार पांच बच्चों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हुए हैं। घायलों को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। जबलपुर जिला प्रशासन के अनुसार मृतकों में देवेंद्र बरकड़े, राजवीर, अनूप, लकी और धर्मेंद्र ठाकुर शामिल हैं। सभी बच्चे पास ही के गांव तिनेटा देवरी के निवासी हैं। प्रारंभिक जानकारी में बताया गया है कि सभी बच्चे एक ट्रेक्टर ट्राली में बैठकर जा रहे थे, तभी तेज गति के कारण वह अनियंत्रित होकर पलट गई जिससे मौत हो गई।

बीएसएफ ने पंजाब में बरामद किए चीनी निर्मित चार ड्रोन

जालंधर। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने रविवार को पंजाब के गुरदासपुर और अमृतसर जिले से चार ड्रोन बरामद किए हैं। बीएसएफ के प्रवक्ता ने सोमवार को बताया कि रविवार को गुरदासपुर जिले के एक सीमावर्ती गांव में रहने वाले बीएसएफ के पूर्व सैनिक ने खुफिया इकाई सूचना दी थी। सूचना के आधार पर बीएसएफ के जवान मौके पर पहुंचे और तलाशी अभियान चलाया। सीमावर्ती गांव रतनखुर्द, कक्कड़ और रोरनवाला से तीन ड्रोन बरामद किए। ड्रोनों की पहचान चीन निर्मित डीजेआई माविक 3 क्लासिक और डीजेआई मैट्रिस 300 आरटीके के रूप में की गयी है।

भारतीय उच्चायुक्त- ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री के बीच संबंधों पर चर्चा

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया में भारतीय उच्चायुक्त गोपाल बागले ने सोमवार को ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वांग से मुलाकात की और दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सहयोग के मुद्दों पर चर्चा की। कैनबरा में भारतीय उच्चायोग ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी नई ऊंचाई को छूने के लिए तैयार है। वांग और बागले की बैठक की तस्वीर साझा करते हुए उच्चायोग ने कहा कि उच्चायुक्त और विदेश मंत्री ने भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच द्विपक्षीय सहयोग के व्यापक मुद्दों पर अहम चर्चा की।

भारतीय मूल की सुनीता तीसरी बार करेंगी अंतरिक्ष की यात्रा

पहला मानवयुक्त अंतरिक्ष यान आज होगा रवाना, साथ में रहेंगे बुच विल्मोर

वाशिंगटन, एजेंसी

भारतीय मूल की सुनीता विलियम्स एक बार फिर अंतरिक्ष जाने के लिए तैयार हैं। इस बार उनके साथ बुच विल्मोर भी रहेंगे। नासा के दो अनुभवी अंतरिक्ष यात्री बोइंग के स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान में सवार होकर अंतरिक्ष जाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। यह पहला मानवयुक्त अंतरिक्ष यान होगा, जो मंगलवार को उड़ान भरेगा। नासा के अनुसार, यूनाइटेड लॉन्च अलायंस एटलस वी रॉकेट और बोइंग स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान 7 मई की सुबह आठ बजकर चार मिनट पर कैनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च किया जाएगा।

मिशन को संचालित करने जा रहीं सुनीता विलियम्स ने मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि वह थोड़ी सी घबराई हुई हैं। लेकिन नए अंतरिक्ष यान में उड़ान भरने को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने आगे कहा, जब मैं अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचूंगी, तो यह घर वापस जाने जैसा होगा। डॉ. दीपक पांड्या और बोनी पांड्या के घर जन्मीं सुनीता विलियम्स एक बार फिर इतिहास रचेंगी। वह ऐसी पहली महिला होंगी, जो मानवयुक्त अंतरिक्ष यान के पहले मिशन पर उड़ान भरेंगी। वह साल 2006 और 2012 में दो बार अंतरिक्ष जा चुकी हैं। विलियम्स ने दो मिशनों में अंतरिक्ष में कुल 322 दिन बिताए हैं, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है।

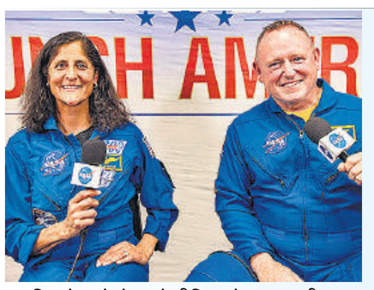

अंतरिक्ष में जाने से पहले मीडिया से बात करतीं भारतवंशी सुनीता विलियम्स साथ में हैं बुच विल्मोर।

भगवान गणेश की मूर्ति साथ लेकर जाएंगी विलियम्स

तीसरी बार उड़ान भरने से पहले विलियम्स ने बताया कि वह भगवान गणेश की एक मूर्ति साथ लेकर जाएंगी। उनका मानना है कि गणेश उनके लिए भाग्यशाली हैं। वह अपने साथ भगवान गणेश की मूर्ति साथ ले जाने को लेकर खुश थीं। इससे पहले सुनीता अपने साथ अंतरिक्ष में भगवदगीता लेकर गईं थीं। उन्होंने यह भी बताया कि उन्हें समासे बहुत पसंद हैं।

भारतवंशी विलियम्स दो बार जा चुकी हैं अंतरिक्ष

सुनीता विलियम्स के पिता गुजरात के मेहसाणा जिले के झुलासान में पैदा हुए एक न्यूरोएनाटोमिस्ट थे, लेकिन बाद में अमेरिका चले गए और बोनी पांड्या से शादी कर ली। फिलहाल, सुनीता अब बोइंग के स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान पर क्रू फ्लाइट टेस्ट मिशन का पायलट बनने की तैयारी कर रही हैं। उनका जून 1998 में अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसी नासा में चयन हुआ था। नौ दिसंबर 2006 में वह पहली बार अंतरिक्ष गई थीं। उन्हें इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में भेजे गए 14वें शटल डिस्कवरी के साथ रवाना किया गया था। इसके बाद 2012 में उनकी दूसरी अंतरिक्ष यात्रा शुरू हुई थी। तब उन्होंने कजाकिस्तान के बैकोनूर से रूसी रॉकेट सोयूज टीएमए-05एम से उड़ान भरी थी।

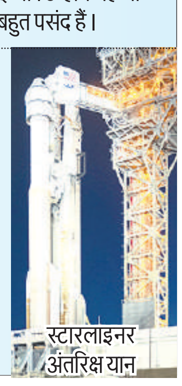

स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान

बम्पर खेती...

श्रीनगर : जम्मू-कश्मीर में इस साल किसानों ने 1.40 लाख हेक्टेयर में सरसों व तिलहन की बम्पर खेती की है। फसल भी अच्छी हुई है। सरसों पर्यटकों को भी लुभा रहा है। 1200 करोड़ रुपये की सरसों होने की उम्मीद है। 2020-21 में 30 हजार हेक्टेयर में हुई थी। • एजेंसी

भारतीय छात्र की चाकू से गोदकर हत्या

- अस्ट्रेलिया में किराए को लेकर भारतीय छात्रों के बीच हुआ विवाद एक की हालत गंभीर

मेलबर्न/चंडीगढ़

ऑस्ट्रेलिया में एक भारतीय छात्र की चाकू से गोदकर हत्या की गई है। मृतक छात्र के चाचा ने बताया कि भारतीय छात्रों के बीच हुई लड़ाई के दौरान उनके भतीजे की हत्या की गई। शनिवार सुबह नौ बजे मेलबर्न में हुए इस विवाद में एक और छात्र की हालत गंभीर है। छात्र का नाम नवजीत संधू था, जो कि हरियाणा के करनाल का रहने वाला था। छात्र के चाचा यशवीर के अनुसार कुछ छात्रों के बीच किराए को लेकर विवाद चल रहा था। इस बीच जब नवजीत इस विवाद को सुलझाने गया, तो उस पर बुरी तरह चाकुओं से हमला किया गया। यशवीर ने बताया कि नवजीत अपने दोस्त के साथ उसके घर से कुछ सामान लेने गया था क्योंकि उसके पास कार थी। जब वह घर के बार अपने दोस्त का इंतजार कर रहा था, तो उसे घर के अंदर से शोर की आवाज सुनाई दी। नवजीत ने जब घर के अंदर घुसकर विवाद सुलझाने की कोशिश की, तो उसके सीने पर बुरी तरह से चाकू से हमला किया गया। इसके बाद नवजीत की मौत हो गई।

नवजीत के जिस साथी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, वह भी करनाल का ही रहने वाला था। यशवीर ने बताया कि रविवार की सुबह उनके परिजनों को इस बारे में जानकारी दी गई। नवजीत डेढ़ साल पहले स्टडी वीजा पर ऑस्ट्रेलिया गया था। परिवार ने भारत सरकार से नवजीत का शव भारत लाने में मदद करने का आग्रह किया है। पुलिस ने कहा कि भारतीय मूल के आरोपियों अभिजीत और रॉबिन गार्टन की तलाश की जा रही है।

पर्यटकों को लुभाने के लिए मालदीव ने दिया जोर

दुबई। द्विपक्षीय संबंधों में तनाव आने के बाद मालदीव में भारतीय पर्यटकों की संख्या में आई गिरावट से मालदीव सकते में आ गया है। अब द्वीप राष्ट्र के पर्यटन मंत्री ने भारतीयों से देश में घूमने आने का निवेदन कर देश की अर्थव्यवस्था में सहयोग करने का आह्वान किया। इस दौरान पर्यटन मंत्री ने भारत और अपने देश के ऐतिहासिक संबंधों पर भी जोर दिया। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा गत छह जनवरी को अपने एक्स हैंडल पर प्राचीन लक्षद्वीप के फोटो व वीडियो साझा करने पर मालदीव के तीन मंत्रियों ने उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की थी।

हाईकोर्ट ने जेट एयरवेज के संस्थापक नरेश गोयल को दी अंतरिम जमानत

मुंबई। बंबई हाईकोर्ट ने सोमवार को जेट एयरवेज के संस्थापक नरेश गोयल को चिकित्सकीय आधार पर दो महीने की अंतरिम जमानत दे दी है। गोयल को प्रवर्तन निदेशालय ने धन शोधन से जुड़े मामले में गिरफ्तार किया था।

जस्टिस एनजे जामदार की पीठ ने दो महीने की अंतरिम जमानत की याचिका स्वीकार करते हुए कहा कि गोयल को जमानत के तौर पर एक लाख रुपये का जुर्माना भरना पड़ेगा। इसके साथ ही मुंबई से बाहर जाने के लिए उन्हें ट्रायल कोर्ट की अनुमति लेनी होगी।

75 वर्षीय गोयल ने मेडिकल और मानवता के आधार पर अंतरिम जमानत की मांग की थी। उन्होंने अदालत को बताया था कि वे और उनकी पत्नी अनिता गोयल दोनों ही कैंसर से जूझ रहे हैं। इससे पहले फरवरी में एक विशेष अदालत ने गोयल की जमानत याचिका खारिज कर दी थी।

इमरान की पार्टी के अध्यक्ष जेल से घर में होंगे नजरबंद

इस्लामाबाद। इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और इमरान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष परवेज इलाही को 15 दिनों के अंदर जेल से हटाकर घर में नजरबंद करने का आदेश दिया है।

अदालत ने यह आदेश परवेज इलाही की पत्नी कैसरा इलाही की याचिका पर सुनवाई के बाद दी है। अदालत ने निर्देश दिया है कि उनकी अधिक उम्र और स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं को ध्यान में रखते हुए उन्हें घर में नजरबंद रखा जाए। कोर्ट ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया है कि नजरबंदी के दौरान उन्हें चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध कराई जाए। पिछले वर्ष जून के बाद से उन्हें कई बार उनकी गिरफ्तारी हो चुकी है।

प. देशों के खिलाफ परमाणु अभ्यास करेगा रूस

- यूक्रेन से युद्ध के बीच राष्ट्रपति पुतिन के सख्त तेवर, सेना को दिया अभ्यास करने का आदेश

मॉस्को, एजेंसी

रूस और यूक्रेन के बीच 26 महीने से अधिक समय से युद्ध जारी है। फिलहाल यह जंग थमती नजर नहीं आ रही है। इस बीच, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने एक बार फिर अपने खतरनाक इरादों का संकेत दिया है। उन्होंने रूसी सेना को परमाणु हथियारों के साथ अभ्यास करने को कहा है। यह आदेश यूक्रेन की सीमा पर तैनात थल सेना और नौसेना को दिया गया है। इस कदम से पश्चिमी देश पुतिन के खिलाफ है।

रूसी रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि अभ्यास के दौरान परमाणु हथियारों को भी शामिल किया जाएगा। यह देखा जाएगा कि कैसे इन हथियारों के साथ तैयारी की जा सकती है और इनका क्या

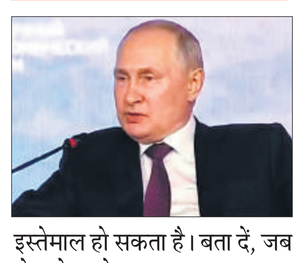

इस्तेमाल हो सकता है। बता दें, जब से यूक्रेन से साथ युद्ध शुरू हुआ है, तब से पुतिन परमाणु हथियारों को लेकर कई बार बयानबाजी दे चुके हैं। फरवरी में भी उन्होंने परमाणु हथियार इस्तेमाल करने की चेतावनी दी थी। अब पुतिन ने यह फैसला ऐसे समय में लिया है, जब रूस की सेना का कहना है कि यूक्रेन के अलावा पश्चिमी देशों से भी उसे खतरा है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इस अभ्यास में परमाणु हथियारों की तैनाती और उनके इस्तेमाल को शामिल किया जाएगा। सेनाएं अभ्यास करेंगी कि कैसे इन हथियारों का जंग में इस्तेमाल करना है और कैसे मोर्चे पर इन्हें तैनात किया जा सकता है।

आज से शुरू होगा पुतिन का पांचवां कार्यकाल

मास्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन हाल ही में संपन्न संघीय चुनाव रिकॉर्ड मतों से जीतने के बाद अपने पांचवें कार्यकाल की शुरुआत मंगलवार को करने जा रहे हैं। रूसी सरकार के सूत्रों के अनुसार 87 प्रतिशत वोट के साथ निर्वाचित होने वाले पुतिन सात मई को पांचवीं बार राष्ट्रपति पद ग्रहण करेंगे और इस के साथ ही उनका 2030 तक नया छह साल का राष्ट्रपति कार्यकाल शुरू होगा।

डिजिटल मीडिया के नियमों पर अर्जियों की सुनवाई एक साथ

- नियम-2021 को चुनौती देने वालीं सभी याचिकाओं पर 14 अगस्त को सुनवाई करेगा दिल्ली हाईकोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली हाईकोर्ट सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियमावली, 2021 को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर 14 अगस्त को सुनवाई करेगा। ये नियम ऑनलाइन मीडिया पोर्टल और प्रकाशकों, ओवर-द-टॉप (ओटीटी) मंचों और सोशल मीडिया मध्यस्थों के कामकाज को विनियमित करने से संबंधित हैं।

इसके तहत, सोशल मीडिया और प्रसारण कंपनियों के लिए विवादास्पद सामग्री को तेजी से हटाना, शिकायत निवारण अधिकारियों की नियुक्ति करना और जांच में सहायता करना शामिल है। सभी याचिकाएं देश भर के विभिन्न उच्च न्यायालयों में लंबित थीं, जिन्हें सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट में स्थानांतरित किया है। दिल्ली हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति मनमीत पीएस अरोड़ा की पीठ ने कहा, सभी याचिकाएं 14 अगस्त के लिए सूचीबद्ध की जाएंगी।

सुप्रीम कोर्ट ने सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021 को चुनौती देने वाली देशभर के विभिन्न उच्च न्यायालयों के समक्ष लंबित याचिकाओं को 22 मार्च को दिल्ली उच्च न्यायालय में स्थानांतरित कर दिया था। पीठ ने कहा था, विरोधाभासी निर्णयों से बचने के लिए, केंद्र सरकार सभी मामलों की सुनवाई एक ही जगह कराना चाहेगी। क्योंकि इनमें से बड़ी संख्या में मामले दिल्ली हाईकोर्ट के समक्ष विचाराधीन हैं।

विज्ञान जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप के जरिए इस ग्रह के जलवायु की गहराई का चला पता

सुदूर अंतरिक्ष में आश्चर्यजनक ग्रह की खोज

नैनीताल कार्यालय

अमृत विचार : सुदूर अंतरिक्ष मे बृहस्पति जैसा खोजा गया आश्चर्यजनक एक ग्रह न केवल बेहद गर्म है, बल्कि 800 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से यहां तूफान उफान पर रहता है। रात के समय घने बादलों से ढक जाता है। इस ग्रह (एक्सोप्लैनेट) का नाम डब्लूएएसपी-43 बी है।

जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप के जरिए इस ग्रह के जलवायु की गहराई का पता चल पाया है। वेब में लगे उपकरण इसके वातावरण का विश्लेषण कर पाने में सक्षम है। रात को बादलों से ढके रहने वाले इस ग्रह का आसमान दिन के समय साफ रहता है। हमसे 283 प्रकाश-वर्ष दूर यह अत्यधिक गर्म होने के साथ यहा भूमध्यरेखीय

ग्रह डब्लूएएसपी-43 की तस्वीर।

हवाएं 8,000 किलोमीटर प्रति घंटे से भी अधिक सुपरसोनिक गति से चलती हैं। जर्नल नेचर एस्ट्रोनॉमी ने 30 अप्रैल, 2024 को यह शोध प्रकाशित हुआ है। यह पहला ग्रह है, जिसकी जलवायु बेहद आश्चर्यजनक है। वेब टेलीस्कोप ने इस गर्म एक्सोप्लैनेट के मौसम का नक्शा बनाया है। इसके अत्यधिक गर्म होने की वजह अपने तारे के बेहद करीबी होना है, जो मात्र 2 मिलियन किमी की दूरी पर अपने तारे की परिक्रमा करता है। यह बुध और सूर्य के बीच की दूरी के 1/25 से भी कम है। यह ग्रह ज्वारीय रूप से अपने तारे से बंधा हुआ है। इसका एक हिस्सा हमेशा तारे के सामने होता है, जैसे चंद्रमा का एक ही पक्ष हमेशा पृथ्वी के सामने होता है। इसलिए ग्रह का एक पक्ष लगातार दिन के उजाले में है, जबकि दूसरा पक्ष निरंतर अंधकार में है। पूर्व में हबल स्पेस टेलीस्कोप और स्पिट्जर स्पेस टेलीस्कोप से इस ग्रह के संकेत मिले थे। कैलिफ़ोर्निया के बे एरिया पर्यावरण अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिको ने यह खोज की है।

1260 डिग्री सेल्सियस है दिन का तापमान

डब्लूएएसपी-43 बी का दिन का तापमान 1260 डिग्री सेल्सियस रहता है, जबकि रात के समय 600 डिग्री सेल्सियस रह जाता है। अत्यधिक गर्म होने के कारण यह ग्रह रहने योग्य नहीं है। इस खोज से ग्रहों की दुनिया की प्रकृति की अजूबी जानकारी मिलती है। जिस कारण इस खोज को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

भारतीय तटरक्षकों ने केरल के निकट जब्त की ईरानी नौका

- भारतीय चालक दल के छह सदस्यों को हिरासत में लिया ईरान के लिए करते थे काम

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय तटरक्षक बल ने एक बार फिर अरब सागर में कार्रवाई की है। तटरक्षक बल ने अरब सागर में ईरानी मछली पकड़ने वाले जहाज को जब्त किया है। रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को बताया है कि, जहाज में सवार छह भारतीय चालक दल के सदस्यों को अनुबंध के आधार पर ईरान ले जाया जा रहा था लेकिन नाव के मालिक द्वारा शोषण और दुर्व्यवाहर की रिपोर्ट मिलते ही उन्हें हिरासत में ले लिया गया।

भारतीय तट रक्षक समुद्री सुरक्षा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करते हुए कार्रवाई की। जहाज को कोच्चि लाया गया है। यहां आरोपों सहित अन्य पहलुओं की जांच की जाएगी। भारतीय तटरक्षक दल ने एक्स पर पोस्ट करते हिए कहा कि केरल तट के पश्चिम में अरब सागर

में ईरानी मछली पकड़ने वाले जहाज को रोका और हिरासत में लिया। जहाज में छह भारतीय सवार थे, जो ईरान में अनुबंध के आधार पर कार्यरत थे। चालक दल ने नाव के मालिक पर शोषण का आरोप लगाया था। आईसीजी की कार्रवाई नाविकों की भलाई की रक्षा और समुद्री कानूनों के कार्यान्वयन को लेकर समर्पित है। हालांकि, अभी तक अधिकारियों ने शोषण के प्रकृति का खुलासा नहीं किया है।